अमित शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी
- 7

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा- 10

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते : सुप्रीम
- 11

दिग्गज तेंदुलकर ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन
- 12

आज का मौसम
43.0⁰ अधिकतम तापमान
28.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.43

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष नवमी 06:28 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

शनिवार, 25 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 150, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

आप के केजरी की ढही 'वॉल'

राघव चड्ढा, मालीवाल समेत सात राज्यसभा सांसद आप का दामन छोड़ भाजपा में शामिल | चड्ढा बोले- जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से पूरी तरह भटकी

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक समेत पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा ने कहा कि वे सभी भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से भटक गई है। सात सांसदों के समूह में हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी शामिल हैं। इन सांसदों के इस्तीफे की जानकारी मध्य दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में जल्दबाजी में बुलाई गई प्रेसवार्ता में दी गई, जिसके कारण कई लोग आश्चर्यचकित रह गए।

भाजपा ने सांसदों का गर्मजोशी से स्वागत किया और पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने उन्हें मिठाई खिलाई। नवीन ने इसके तुरंत बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज पार्टी मुख्यालय में राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल का भाजपा परिवार में स्वागत किया। साथ ही, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, विक्रम साहनी और राजेंद्र गुप्ता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर काम करने के लिए शुभकामनाएं। 'आप' नेताओं ने भाजपा पर पार्टी सांसदों को तोड़ने के लिए ऑपरेशन लोटस शुरू करने और पंजाब में मान सरकार के अच्छे कार्यों को रोकने की साजिश रचने का आरोप लगाया। चड्ढा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सात सांसद भाजपा में सम्मिलित हो गए हैं क्योंकि 'आप' अब अपने संस्थापक सिद्धांतों का सम्मान नहीं कर रही। उन्होंने कहा, जिस आम आदमी पार्टी को मैंने अपने खून-पसीने से सींचा, अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से पूरी तरह भटक गई है। हाल ही में चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटा दिया गया और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था। उन्होंने पार्टी के 10 सांसदों का संदर्भ देते हुए कहा, संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में सम्मिलित हो सकते हैं। (संबंधित पेज-7 पर)

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ साथ मिलाते राघव चड्ढा।

इन सांसदों ने छोड़ा आप

विक्रमजीत साहनी

राजेंद्र गुप्ता

स्वाति मालीवाल

संदीप पाठक

अशोक मित्तल

हरभजन सिंह

भाजपा ने पंजाब की जनता के साथ धोखा किया

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री एवं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है। इसके लिए जनता उन्हें माफ नहीं करेगी।

आप सही रास्ते पर चलती तो चड्ढा व अन्य पार्टी नहीं छोड़ते

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि अगर आप सही रास्ते पर चलती तो राघव चड्ढा और पार्टी के छह अन्य राज्यसभा सदस्य पार्टी नहीं छोड़ते। हजारे ने कहा, यह आप नेतृत्व की गलती है। पार्टी ने सही राह अपनाई होती, तो वे पार्टी नहीं छोड़ते।

भाजपा बोली- भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता

नई दिल्ली। भाजपा ने कहा कि आप के सात राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफा देने से पार्टी पूरी तरह से बिखर गई है। राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक पोस्ट में कहा, भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता। यह पार्टी, जिसने खुद को एक अलग तरह की पार्टी होने का दावा करते हुए शुरुआत की थी, भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है।

टेक्नोलॉजी, वैल्यू एडिशन और किसानों की आय बढ़ाना लक्ष्य : शिवराज सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्रीय कृषि मंत्री और सीएम योगी ने किया क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का उद्घाटन, फार्मर आईडी पर फोकस
- रामनाथ ठाकुर बोले- कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्यों के साथ समन्वय जरूरी

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर राज्य को कृषि के लिए स्पष्ट रोडमैप के साथ फार्मर आईडी बनाने में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी, वैल्यू एडिशन और किसानों की आय बढ़ाना लक्ष्य है। किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना ही सरकार की प्राथमिकता है। बिना लक्ष्य ठोस योजना के खेती और किसानों का समग्र विकास संभव नहीं है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को लखनऊ के एक होटल में आयोजित क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी के साथ उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में फार्मर आईडी बनाने का काम तेजी से चल रहा है, जिससे किसानों को एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। इस आईडी के माध्यम से किसान विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने राज्यों से इस दिशा में तेजी से कार्य करने का आह्वान किया। चौहान ने कहा कि देश में अब 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है, जिससे शोध सीधे खेत तक पहुंच रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि कृषि को वैल्यू एडिशन और प्रोसेसिंग से जोड़ना समय की आवश्यकता है। फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और मार्केटिंग नेटवर्क के विस्तार से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। कार्यक्रम में यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, उद्यान मंत्री हिमाचल प्रदेश जगत सिंह नेगी, कृषि मंत्री उत्तराखंड गणेश जोशी आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

पहले औपचारिक आयोजनों तक सीमित थीं नीतियां: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले नीतियां केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित थीं, लेकिन अब किसानों को जानकारी, संसाधन और बाजार तीनों उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि किसान नई तकनीकों को अपनाकर बेहतर परिणाम दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 'लैब टू लैंड' की अवधारणा अब धरातल पर उतर चुकी है, जिससे किसानों को सीधे वैज्ञानिक तकनीकों का लाभ मिल रहा है। वैज्ञानिक तकनीकों, एग्रो-क्लाइमेटिक जोन आधारित रणनीति और केंद्र-राज्य के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ा है, बहुफसली खेती का विस्तार हुआ है और वैल्यू एडिशन पर फोकस बढ़ा है।

ब्रीफ न्यूज

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द

मुंबई। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को जारी किया गया बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। बैंक के मामले इस तरह से संचालित किए जा रहे थे, जो बैंक और उसके जमाकर्ताओं के हित के लिए हानिकारक थे। आरबीआई ने कहा, बैंक के प्रबंधन का सामान्य चरित्र जमाकर्ताओं के हित के साथ ही सार्वजनिक हित के लिए भी प्रतिकूल है। इसके चलते पेटीएम पेमेंट्स बैंक को किसी भी बैंकिंग व्यवसाय के संचालन से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह भी कहा कि वह बैंक को बंद करने के लिए उच्च न्यायालय में एक आवेदन करेगा। (संबंधित -10 पर)

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो गिरफ्तार

बिजनौर। आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री और हथियारों के गैरकानूनी इस्तेमाल से जुड़ी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त दो लोगों को बिजनौर से गिरफ्तार किया गया है। यह मामला 23 नवंबर, 2025 को इंस्टाग्राम पर प्रसारित एक वीडियो से संज्ञान में आया, जिसमें आकिब 'लाइव सत्र' के दौरान अन्य लोगों के साथ हथियार प्रदर्शित करते हुए दिखाई दे रहा था। बाद में यह वीडियो मीडिया प्रोफाइल पर पोस्ट किया गया। जांच में कई की पहचान की गई। इनमें से उवैद मलिक, जलाल हैदर, समीर उर्फ रूहान और माजुल पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

सीईसी ज्ञानेश को हटाने के लिए 73 सांसदों का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्षी दलों ने राज्यसभा के महासचिव को सौंपा नया प्रस्ताव
- कांग्रेस ने कहा- सीईसी का पद पर बने रहना संविधान पर हमला

विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के संदर्भ में शुक्रवार को राज्यसभा को नया नोटिस सौंपा और उन पर सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता सहित कई आरोप लगाए। संसद के उच्च सदन के 73 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को दिया गया है।

राज्यसभा के महासचिव ने कहा कि यह मांग 15 मार्च 2026 को और उसके बाद उनके द्वारा किए गए कृत्यों और गलतियों के आधार पर सिद्ध दुराचार के आधार पर की गई है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) को अनुच्छेद 124(4) के साथ पढ़ते हुए, साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) तथा न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अंतर्गत आता है। रमेश ने कहा कि अब मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप हैं, जिन्हें बेहद विस्तार से दर्ज किया गया है और जिन्हें न तो नकारा जा सकता है और न ही दबाया जा सकता है। उन्होंने दावा किया, उनका पद पर बने रहना संविधान पर हमला है। यह पूरी तरह शर्मनाक है कि वह अब भी पद पर बने हुए हैं, ताकि पीएम और गृह मंत्री के इशारों पर काम कर सकें। विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव लाने का नया नोटिस देते हुए उनके विरुद्ध कई आरोप लगाए हैं,

विपक्ष बोला- बड़ी संख्या में मतदाता हुए वंचित

विपक्षी दलों ने एसआईआर का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया तथा 90 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पश्चिम बंगाल में आयोग के अधिकारियों द्वारा अलग-अलग शिकायतों पर जानबूझकर कार्रवाई नहीं की गईं। विपक्षी सांसदों का यह दावा भी है, 'दोषपूर्ण एसआईआर को राष्ट्रव्यापी स्तर पर करने की संस्तुति दी गई।

नौका विहार

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार सुबह हुगली नदी में नौका की सवारी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नदी की दिव्य जलधाराएं एक पूरी सभ्यता की शाश्वत भावना को अपने अंदर समेटे हुए हैं। मोदी ने यह भी कहा कि वह पश्चिम बंगाल के विकास और महान बंगाली लोगों की समृद्धि के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ● अमृत विचार

डीएलएड अभ्यर्थियों को मिली यूपी टीईटी 2026 में बैठने की अनुमति

हाईकोर्ट ने दी राहत

विधि संवाददाता, लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने डीएलएड (ओडीएल) करने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें यूपी-टीईटी 2026 परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसे अभ्यर्थियों को फिलहाल (प्रोविजनल) रूप से परीक्षा में बैठने दिया जाए। इसके साथ ही स्पष्ट किया कि इन अभ्यर्थियों के चयन का मामला याचिका में पारित होने वाले अंतिम आदेश के अधीन रहेगा।

कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने शुभम कुमार शुक्ला समेत 36 याचियों की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिका में मांग की गई थी कि डीएलएड-ओडीएल (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग) को यूपी-टीईटी 2026 के ऑनलाइन फॉर्म में शामिल किया जाए और अभ्यर्थियों को आवेदन करने दिया जाए।

अमेरिकी दूत विटकॉफ, कुशनर और ईरान से विदेश मंत्री अराघची इस्लामाबाद वार्ता में होंगे शामिल

वाशिंगटन/इस्लामाबाद। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के तहत अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ सीधी बातचीत के लिए शनिवार को पाकिस्तान जाएंगे। वहीं, ईरान की तरफ से विदेश मंत्री अब्बास अराघची प्रमुख रूप से वार्ता में शामिल होंगे।

अराघची के नेतृत्व में एक मंडल इस्लामाबाद पहुंच गया है। इसी बीच ईरानी दूत काजेम जलाली ने कहा है कि ईरान मामलों को कूटनीति से सुलझाना पसंद करेगा, अगर बात बिगड़ती है, तो वह युद्ध जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एनआईए को आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति

मालदा मामला

- न्यायिक अधिकारियों के घेराव मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिए आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एक अप्रैल को हुई उस सनसनीखेज घटना की जांच पूरी होने पर एनआईए को आरोप-पत्र दाखिल करने की शुक्रवार को अनुमति दे दी, जिसमें मालदा जिले में एक भीड़ ने सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया था।

प बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कुल 700 न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में तैनात हैं, ताकि मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की 60 लाख से अधिक आपत्तियों का निपटारा किया जा सके। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ को बताया कि जांच एजेंसी ने अब तक की जांच का विवरण देते हुए एक नयी स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है।

न्यायाधिकरणों को तत्काल सुनवाई करने के आदेश

शीर्ष कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई का मामला बनता है, उनकी याचिकाओं पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए। सुनवाई की शुरुआत में भारत सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई।

गाजियाबाद में मासूम से दुष्कर्म कर हत्या मामले में डीजीपी को महिला एसआईटी बनाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसआईटी में पुलिस आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की एक महिला अधिकारी होंगी शामिल

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यूपी के डीजीपी को निर्देश दिया कि वह पिछले महीने गाजियाबाद में चार साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में समयबद्ध जांच के लिए किसी आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की अधिकारी के नेतृत्व में पूरी तरह से महिला अधिकारियों की एसआईटी का गठन करें।

कोर्ट ने मामले की जांच के प्रति गाजियाबाद पुलिस की टालमटोल को लेकर चिंता जताई थी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एसआईटी का गठन शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे तक अधिसूचित किया जाए। संबंधित घटना 16 मार्च को हुई थी जब एक पड़ोसी दिहाड़ी मजदूर की बेटी को चॉकलेट दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। जब बच्ची वापस नहीं लौटी, तो उसके पिता ने उसकी तलाश शुरू की और बच्ची को खून से लथपथ एवं बेहोश पाया। मामले में चौंकाने वाली बात यह रही कि जब बच्ची मिली थी तो वह जीवित थी, लेकिन दो निजी अस्पतालों ने उसका इलाज करने से इनकार कर दिया जिसके कारण बाद में गाजियाबाद जिला अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। पीठ ने आदेश दिया कि एसआईटी में महिला पुलिस अधिकारी शामिल होंगी, जिनमें उप्र कैडर की पुलिस आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की महिला अधिकारी भी शामिल होंगी, लेकिन जिनका राज्य से कोई संबंध नहीं होगा।

एसआईटी दो सप्ताह के जांच पूरी करे : पीठ

पीठ ने निर्देश दिया कि एसआईटी बिना देरी के जांच शुरू करे और अधिमानतः दो सप्ताह के भीतर जांच पूरी करने का प्रयास करे। इसने कहा कि एसआईटी बच्ची के माता-पिता द्वारा की गई सभी शिकायतों की जांच करेगी। पीठ ने कहा, जांच के परिणाम के आधार पर, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भरोसा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन से ही साकार होगा सपना

भारत का विश्वगुरु बनना तय, देश के भविष्य पर संदेह न करें

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और देश के भविष्य के बारे में किसी को भी कोई संदेह नहीं रखना चाहिए। भागवत ने कहा, पहले लोगों को संदेह था कि राम मंदिर कभी बनेगा भी या नहीं, लेकिन उसका निर्माण हुआ। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना भी तय है।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर शहर के बाहरी इलाके जामथा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के परिसर में 'भारत दुर्गा शक्ति स्थल' के भूमि पूजन के बाद यह बात कही। भागवत ने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत के भविष्य को लेकर किसी भी तरह का संदेह मन से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जिएं तथा इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत बनेगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। भागवत ने राम मंदिर आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा, लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बना। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना तय है। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कोई चीज होगी या नहीं होगी। जो होना तय है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा, यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम कार्य करते रहें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए लोगों को पहले भारत में गहराई से झांकना होगा।

भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा

उन्होंने कहा, भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा। भागवत ने कहा कि देश को उसके सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए, न कि 150 वर्षों में विकसित औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टिकोण से। उन्होंने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं आचरण के मामले में भारतीय परंपराओं से फिर से जुड़ने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। उन्होंने कहा कि भारत माता की पूजा का विचार केवल अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यक्तियों को अपने जीवन में स्वयं को भारत के स्वरूप में ढालने की आवश्यकता होती है।

न्यूज ब्रीफ

गन्ना किसानों की फसल का होगा जीपीएस सर्वे

लखनऊ। सीएम के निर्देश पर प्रदेश में गन्ना किसानों की फसल का जीपीएस आधारित सर्वेक्षण कराया जाएगा। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग ने इसके लिए नीति जारी कर दी है। सर्वे 1 मई से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगा। सर्वेक्षण की सूचना पंजीकृत किसानों को तीन दिन पहले मोबाइल एसएमएस के जरिए दी जाएगी। सर्वे टीम में एक राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक और एक चीनी मिल कर्मचारी शामिल होंगे, जिन्हें पहले से प्रशिक्षित किया जाएगा। सर्वे के दौरान किसान की मौजूदगी अनिवार्य होगी और टीम खेत पर पहुंचकर जीपीएस के माध्यम से डेटा सीधे विभागीय सर्वर पर दर्ज करेगी।

किसान पर हमला कर पेड़ पर चढ़ा तेंदुआ

बहराइच, अमृत विचार। जिले के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज में शुक्रवार की सुबह खेत में काम कर रहे एक किसान पर हमला करने के बाद तेंदुआ पेड़ पर चढ़ गया। ये देख लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना स्थानीय रेंज कार्यालय पर दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची दोपहर तक तेंदुआ पेड़ पर ही चढ़ा हुआ है। टीम उसे सुरक्षित रेस्क्यू करने के प्रयास में लगी हुई है।

बेटी की शादी न कर पाने पर पिता ने फांसी लगाई

बलिया, एजेंसी : जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आर्थिक किल्लत के चलते बेटी की शादी न कर पाने के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रसड़ा कस्बे में रेलवे स्टेशन परिसर के पास एक कुएं में गुरुवार शाम जयलेश राजभर (45) का शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। उन्होंने कहा कि मृतक की चार बेटियां हैं और वह एक छोटा सा कारोबार करता था। कोतवाली प्रभारी ने ग्रामीणों के हवाले से बताया कि जयलेश आर्थिक किल्लत की वजह से अपनी 22 वर्षीय बेटी की शादी नहीं कर पा रहा था।

राष्ट्रीय मंच पर एसीएस पार्थ सारथी सेन शर्मा ने रखा यूपी का पक्ष

कॉन्क्लेव में छाया रहा शिक्षा का योगी मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: देश में शिक्षा सुधार को लेकर दिल्ली में आयोजित एजुकेशन कॉन्क्लेव 2026 में उत्तर प्रदेश का 'योगी मॉडल' छाया रहा। सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय मंच पर अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश में हुए शिक्षा सुधारों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

कॉन्क्लेव में विभिन्न राज्यों के नीति-निर्माताओं, शिक्षा विशेषज्ञों और प्रशासकों ने उत्तर प्रदेश के मॉडल पर विमर्श किया। खासतौर पर आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएनएल), प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडटेक के उपयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। एसीएस सेन शर्मा ने बताया कि प्रदेश में शिक्षा सुधार को स्पष्ट लक्ष्य, सतत मूल्यांकन और शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण के आधार पर आगे बढ़ाया गया है। 'लक्ष्य आधारित शिक्षण' और निरंतर आकलन प्रणाली से शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार देखने को मिला है। एडटेक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से प्रशासन और शिक्षकों के बीच रियल-टाइम कनेक्टिविटी स्थापित हुई है, जिससे त्वरित निर्णय और बेहतर क्रियान्वयन संभव हो पाया है। प्रदेश का यह मॉडल शिक्षा के क्षेत्र में अन्य राज्यों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है, जहां नीतियों को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारकर ठोस परिणाम हासिल किए जा रहे हैं।

शिक्षक बने बदलाव की धुरी

प्रदेश में शिक्षकों को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। एआरपी (अकादमिक रिसोर्स पर्सन) जैसे मेंटर कैडर, संकुल बैठकों और नियमित संवाद से शिक्षण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया गया है।

मूल्यांकन में सुधारात्मक दृष्टिकोण

मूल्यांकन प्रणाली को दंड या पुरस्कार के बजाय सीखने की कमियों की पहचान और सुधार के उपकरण के रूप में विकसित किया गया है। इससे छात्रों के वास्तविक अधिगम परिणामों पर फोकस बढ़ा है।

निगेटिव बैलेंस पर भी 30 दिन की मोहलत

लखनऊ, अमृत विचार : भीषण गर्मी के बीच प्रदेश सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन काटने से पहले पांच अनिवार्य एसएमएस अलर्ट भेजे जाएं, ताकि उन्हें भुगतान का पर्याप्त समय मिल सके।

नई व्यवस्था के तहत एक किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शनधारकों का बिजली कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस होने पर भी 30 दिन तक नहीं काटा जाएगा। वहीं, दो किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को भी राहत देते हुए 200 रुपये तक के माइनस बैलेंस पर कनेक्शन न काटने का फैसला लिया गया है।

गर्भवती महिलाओं में तेजी से बढ़ रहा थैलेसीमिया रोग

विकास कुमार, कानपुर

- जीएसवीएम मेडिकल कालेज के अध्ययन में चार फीसदी गर्भवती मिलीं थैलेसीमिया पीड़ित

अमृत विचार : चिकित्सकीय अध्ययन के मुताबिक देश में करीब डेढ़ लाख थैलेसीमिया मरीज हैं, और हर साल लगभग 12 हजार से ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं। लेकिन चौंकाने वाला तथ्य यह है कि गर्भवती महिलाओं में इस रोग की दर तेजी से बढ़ रही है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में हुई सतत जांच में चार फीसदी गर्भवती थैलेसीमिया से पीड़ित पाई गई हैं।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति विभाग की ओपीडी में थैलीसीमिया की जांच के लिए लैब स्थापित की गई है। लैब में बीते डेढ़ साल के भीतर 5285 गर्भवतियों में थैलीसीमिया की जांच की गई, जिसमें 206 गर्भवती महिलाएं थैलीसीमिया पॉजिटिव मिलीं। हालांकि राहत की बात यह रही कि इन महिलाओं के पति थैलेसीमिया पीड़ित नहीं पाए गए।

इसलिए जन्म लेने वाले बच्चों के संक्रमित होने की संभावना लगभग न के बराबर है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नीना गुप्ता के अनुसार थैलेसीमिया दो प्रकार का होता है। यदि पैदा होने वाले बच्चे के माता-पिता दोनों के जींस में माइनर थैलेसीमिया होता है, तो बच्चे में मेजर थैलेसीमिया हो सकता है, यह काफी घातक होता है। लेकिन माता-पिता में से किसी एक में माइनर थैलेसीमिया होने पर बच्चे को खतरा नहीं होता है। थैलेसीमिया माइनर में व्यक्ति को एक सामान्य हीमोग्लोबिन जीन और एक थैलेसीमिया जीन विरासत में मिलता है, जबकि थैलेसीमिया मेजर अधिक गंभीर है, इसमें व्यक्ति को दो थैलेसीमिया जीन विरासत में मिलते हैं, एक माता और एक पिता से। थैलेसीमिया मेजर वाली महिलाओं में गंभीर एनीमिया, हृदय संबंधी जटिलताएं, समय से पूर्व प्रसव और मृत्यु दर का खतरा बढ़ जाता है।

शादी से पहले कुंडली मिलवाने के साथ रक्त की जांच भी कराएं

चिकित्सकों के मुताबिक जागरूकता की कमी, रक्त संबंधी विवाह और यह धारणा कि ज्योतिष विज्ञान, आधुनिक विज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है, एक थैलेसीमिया माइनर की दूसरे थैलेसीमिया माइनर से शादी होने के मामलों को बढ़ा रही है, जबकि ऐसे विवाहों में थैलेसीमिया मेजर बच्चा होने की संभावना 25 फीसदी हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि जन्म लेने वाले बच्चे को इस गंभीर रोग से बचाने के लिए शादी से पहले लड़के और लड़की की खून की जांच करानी चाहिए।

बारह हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण खारिज

उम्मीद पोर्टल पर डाटा एंट्री में त्रुटियां और अधूरे दस्तावेज मिले

लखनऊ, एजेंसी

- बरेली में 17 अपेक्षाकृत कम मामले सामने आए

प्रदेश में वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण के तहत बड़ा खुलासा हुआ है। उम्मीद पोर्टल पर अपलोड किए गए करीब एक लाख वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड की ऑडिट में 12,000 से अधिक पंजीकरण खारिज कर दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई मुख्य रूप से डाटा एंट्री में त्रुटियों और अधूरे दस्तावेजों के कारण की गई है।

सूत्रों की मानें तो खारिज की गई सूची के अनुसार सबसे अधिक पंजीकरण लखनऊ (1,114) में खारिज हुए हैं। इसके बाद बिजनौर (1,003) और सहारनपुर (990) का स्थान है। अन्य जिलों में बाराबंकी (577) और अमरोहा (85) शामिल हैं, जबकि बागपत (60) और बरेली (17) में अपेक्षाकृत कम मामले सामने आए हैं। बोर्ड के एक सदस्य ने बताया कि प्रभावित संपत्तियों में छोटी मस्जिदों की जमीन से लेकर कुछ जिलों में 300 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले बड़े कब्रिस्तान भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक़ ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा खारिज किये गये कब्रिस्तानों के मामलों में हुआ है, इसके बाद मस्जिदों का स्थान है। इसके अलावा मदरसे, ईदगाह, इमामबाड़ा, दरगाह और कुछ आवासीय व आय अर्जित करने वाली संपत्तियां भी प्रभावित हुई हैं। इस संबंध में वक्फ बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि वक्फ संस्थानों का उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण कार्य जारी है और इसकी अंतिम तिथि छह जून 2026 निर्धारित है। उन्होंने कहा कि जिन पंजीकरणों को खारिज किया गया है, उन्हें अब पांच जून तक सही जानकारी और पर्याप्त दस्तावेजों के साथ दोबारा अपलोड करना होगा।

राज्य में उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड के अधीन 1.26 लाख से अधिक वक्फ संस्थान हैं। यह पूरी प्रक्रिया केंद्र सरकार के उम्मीद पोर्टल के माध्यम से की जा रही है, जिसे जून 2025 में वक्फ संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और प्रबंधन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत इस पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है, जो पांच अप्रैल से लागू हो चुका है। पहले तकनीकी दिक्कतों के कारण अपलोडिंग की गति धीमी थी, लेकिन बाद में सुधार होने के बाद अंतिम समय में बड़ी संख्या में आवेदन अपलोड किए गए। गौरतलब है कि शुरुआती अंतिम तिथि छह दिसंबर 2025 थी, जिसे बाद में वक्फ ट्रिब्यूनल के निर्देश पर 10 दिसंबर 2025 को छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया था।

चूल्हे की चिंगारी बनी शोला तीन वर्षीय बच्चा जिन्दा जला

रायबरेली, अमृत विचार। शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे खीरों क्षेत्र के गांव ऐन्धी में एक दलित मजदूर के घर के चूल्हे से निकली चिंगारी शोला बन गई। जिसकी चपेट में आकर तीन वर्षीय एक अबोध बच्चा जिन्दा जल गया। ग्रामीण जब तक आग बुझाते और अबोध बच्चे को बाहर निकालने का प्रयास करते तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी।

मृतक आदित्य पासवान (3) की मां रेशमी पासवान पत्नी रामसुमेर पासवान ने बताया कि मेरा परिवार एक झोपड़ी में गुजर बसर करता है। शुक्रवार को मैं अपने बच्चों आदर्श पासवान (7) और आदित्य (3) के साथ घर पर खाना बना रही थी। पति रामसुमेर मजदूरी करने गए थे। शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे मैं खाना बनाकर अपनी सास राजवती को खाना देने चली गई थी। घर में बेटा आदर्श (7) खेल रहा था और आदित्य (3) सो रहा था। अचानक झोपड़ी में आग लग गई। बेटा आदर्श निकलकर भाग गया, लेकिन छोटा बेटा आदित्य आग की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौत हो गई।

डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी 4 की मौत

मुरादाबाद, अमृत विचार : मैनाठेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 5:25 बजे असदपुर पुलिया के पास सड़क हादसे में दो महिलाओं और दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। संभल जनपद के भटौला गांव निवासी नरेश सैनी अपने रिश्तेदारों के साथ गुरुवार रात मुरादाबाद के गुरेर गांव में बेटी की शादी में भात न्योतने आए थे। सभी लोग शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान दुर्घटना हो गई।

परेड की तैयारी

शुक्रवार को वाराणसी के पुलिस लाइंस परेड ग्राउंड में प्रशिक्षु महिला कांस्टेबल पासिंग-आउट परेड के पूर्वाभ्यास में भाग लेतीं हुईं।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी भदपुरा, बरेली

पत्रांक : 112/लेखा/क्षेत्र निधि/टे.नो./2026-27 — दिनांक : 24.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग/जिला पंचायत/राजकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड भदपुरा बरेली द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत क्षेत्र निधि के अन्तर्गत निम्नलिखित विवरण के अनुसार निर्माण कार्य करवाने हेतु सीलबन्द निविदायें दिनांक 11.05.2026 को समय 2 बजे तक सीलबन्द बाक्स में डाली जा सकती है। जो उसी दिवस में उपस्थित निविदा दाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष अपरान्ह 2 बजे निर्धारित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी। प्रत्येक निर्माण कार्य कराये जाने हेतु पृथक-पृथक धरोहर धनराशि जमा करनी होगी। जिसकी जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. प्राक्कलन राशि (लाख में)	धरोहर राशि 05 प्रतिशत (रू.)	निविदा शुल्क	कार्य की अवधि
1.	ग्राम धिमरी में मनोहर लाल के घर के पास पुलिया निर्माण एवं पुलिया से भगवान दास के खेत तक मिट्टी खडंजा निर्माण कार्य	9.967	50000	1500	3 माह
2.	ग्राम क्योलड़िया में नकटीनारायनपुर मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पास लेखराज पुत्र श्री राम भरोसे लाल के खेत से रमेशचन्द्र के खेत तक मिट्टी खडंजा निर्माण कार्य	5.482	27500	1100	3 माह
3.	ग्राम क्योलड़िया में थाने के पास वाटर कूलर का निर्माण कार्य	3.295	16500	660	3 माह
4.	ग्राम कटैया बलदेव सिंह में बाबा जी वाली मढ़ी पर वाटर कूलर निर्माण कार्य	3.295	16500	660	3 माह
5.	ग्राम बबुरी में राम कुमार के घर से छोटेलाल के घर तक इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	0.872	4360	400	3 माह
6.	ग्राम मधुनगला की मजरा फतेजगंज में स्थित ब्रहद गौशाला की बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य	7.382	37000	1480	3 माह
7.	ग्राम नवदिया मोतीराम में के मजरा सिलरा में मेन रोड से रमेश की जगह से देवेश के खेत तक मिट्टी खडंजा निर्माण कार्य	7.884	39500	1500	3 माह
8.	ग्राम बबुरी में मढी के पास शीतल पेयजल प्याऊ का निर्माण	3.290	16500	660	3 माह
9.	ग्राम अमसाह में श्री राम प्रताप गंगवार के घर से श्री गौतम के घर तक इंटरलॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	2.366	12000	480	3 माह
10.	ग्राम नौगवां भगवतपुर में जरफा मोहनपुर संपर्क मार्ग पर आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य	9.990	50000	1500	3 माह

नियम व शर्ते :-

1. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की राशि का 05 प्रतिशत राष्ट्रीय बैंक का डी.डी., एफ.डी.आर. अथवा एन.एस.सी. जो कि बंधक खण्ड विकास अधिकारी भदपुरा के नाम पृथक-पृथक बन्धक करा देनी होगी।
2. निविदा दाता को निविदा के साथ अद्यतन हैसियत प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, आयकर एवं जी.एस.टी. पंजीकरण की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. निविदा दाता को निविदा के साथ 100 रूपये के स्टांप पेपर पर स्वघोषण-पत्र/शपथ-पत्र संलग्न करना होगा तथा स्वीकृति के उपरान्त स्वयं के व्यय पर निर्धारित स्टांप पर अनुबन्ध गठित करना होगा। निविदा दाताओं को 100 रूपये के स्टांप पर फोटोयुक्त घोषण-पत्र इन शर्तों के साथ कि वह किसी भी संस्था से ब्लैकलिस्टिड नहीं हुये है।
4. ठेकेदार/फर्म को निर्माण कार्य को नियत समय सीमा के अन्दर एवं लो.नि.वि. की विस्तृत विशिष्टियों/मानक के अनुरूप पूर्ण करना होगा।
5. समस्त निविदादाताओं को उक्त सभी निविदाओं के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी विभिन्न शासनादेशों/नियमों/आदेशों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा।
6. सार्वजनिक निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाले उप खनिजों पर रोयल्टी का भुगतान किये जाने विषयक भूतत्व एवं खनिज कर्म अनुभाग के शासनादेश संख्या 3885/66-2015-292/2015 दिनांक 15.10.2015 का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
7. उल्लेखनीय है कि कार्य धनराशि की उपलब्धता के आधार पर ही कराया जायेगा तथा शासनादेश संख्या 1639/33-3-2018-03/2015 पंचायती राज अनुभाग-3 दिनांक 19.06.2015 एवं समय-समय पर जारी शासनादेश एवं परिपत्रों का पालन किया जायेगा।
8. निविदा बिक्री की दिनांक 09.05.2026 तक की जाएगी।
9. निविदा दाता को शासन के निर्देशों के अनुरूप करों (यथा जी.एस.टी. आदि) की व्यवस्था लागू रहेगी।
10. सशर्त निविदा/डाक से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
11 निविदादाता किसी भी जनप्रतिनिधि या कार्यालय स्टाफ से पारिवारिक सम्बन्ध नहीं रखता है।
12 निविदा से सम्बन्धित कोई भी विवाद का निस्तारण माननीय न्यायालय जनपद बरेली की मान्य होगा।
13. निविदा के स्वीकार्य करने अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

खण्ड विकास अधिकारी,
भदपुरा, बरेली।

न्यूज ब्रीफ

डीएल में गलत जन्मतिथि सुधारने की सुविधा शुरू

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में अब ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) में गलत दर्ज जन्मतिथि को आसानी से सुधारा जा सकेगा। परिवहन विभाग ने संशोधन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। विभाग के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के डीएल या आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत दर्ज है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत संशोधन करा सकता है। इसके लिए आवेदक को तीन मान्य दस्तावेजों में से किसी एक को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही जन्मतिथि में बदलाव किया जाएगा। यह सुविधा Sarathi Parivahan Portal पर उपलब्ध है, जहां आवेदक घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षामित्रों के मानदेय को 250 करोड़ जारी

लखनऊ, अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को बड़ी राहत देते हुए प्रदेश सरकार ने उनका मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया है। इसके लिए 250 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है, जिससे इसी माह से बढ़े हुए मानदेय का भुगतान शुरू हो जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत जारी यह बजट बेसिक शिक्षा निदेशालय के माध्यम से सभी जिलों को आवंटित कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह राशि केवल शिक्षामित्रों के मानदेय भुगतान के लिए ही उपयोग की जाएगी। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि धनराशि का उपयोग निर्धारित मद में ही किया जाए। समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत भी मानदेय भुगतान की प्रक्रिया जारी रहेगी।

उत्तराखंड में डिजिटल जनगणना आज से

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य में डिजिटल जनगणना 2027 के प्रथम चरण का फील्ड कार्य आज से शुरू होगा। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का यह महाअभियान आगामी 24 मई तक चलेगा। निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय इवा आशीष श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया कि, यह चरण जनगणना 2027 की आधारशिला है, जिसके अंतर्गत प्रगणक प्रत्येक घर और भवन का दौरा कर 33 प्रश्नों के माध्यम से सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों से संबंधित डेटा एकत्र करेंगे।

पिज्जा एजेंसी का झांसा देकर हड़पे 2.65 लाख

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में नामी पिज्जा एजेंसी का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। लोहर्रा गणेशपुर ट्रांजिट कैंप निवासी अभिजीत पाठक ने बताया कि उसने ऑनलाइन डॉमिनोज पिज्जा की फ्रेंचाइजी का आवेदन किया था। आवेदन के थोड़ी देर बार एक कॉल आयी जो खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए खाते में रकम का भुगतान करने को कहा। बातों पर विश्वास करते हुए उनके बताए खाते में 2.65 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बार-बार साइबर ठग रकम की डिमांड करने लगा तो साइबर ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

संस्कृत बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत विद्यार्थी रहे सफल

कक्षा-10 में सृष्टि और कक्षा-12 में रजनीश यादव ने हासिल किया प्रदेश में पहला स्थान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है। पारदर्शी और नकलविहीन व्यवस्था के बीच आयोजित परीक्षा में इस बार 95 प्रतिशत से अधिक परीक्षार्थी सफल रहे हैं।

माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए इसे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और सरकार की पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का परिणाम बताया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 1091 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया।

परिणाम के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव, माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के सचिव शिव लाल व अन्य। अमृत विचार

पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा-10) में सृष्टि ने 94.43 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। वहीं उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा-12) में रजनीश यादव ने 89.36 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया।

तीनों स्तरों पर शानदार प्रदर्शन

पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा-10) में 95.91 प्रतिशत, उत्तर मध्यमा प्रथम में 94.40 प्रतिशत और उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा-12) में 94.86 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए हैं।

आंकड़ों में सुधार के संकेत

इस वर्ष परिणाम में भी सुधार दर्ज किया गया है। कक्षा-10 के उत्तीर्ण प्रतिशत में पिछले वर्ष की तुलना में 2.79 प्रतिशत और कक्षा-12 में 6.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जेवर एयरपोर्ट पर सुलझा सीईओ विवाद, भारतीय को मिली कमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नीतू समरा बनीं अंतरिम सीईओ नियम के अनुरूप बदलाव से सुरक्षा मंजूरी का रास्ता साफ

अमृत विचार : बहुप्रतीक्षित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानें शुरू होने में आ रही बड़ी बाधा अब दूर होती दिख रही है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने नेतृत्व ढांचे में बदलाव करते हुए भारतीय नागरिक नीतू समरा को अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इससे सुरक्षा नियमों से जुड़ा विवाद सुलझने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

दरअसल, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) के नियमों के अनुसार किसी भी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का सीईओ भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है, क्योंकि वही सुरक्षा समन्वयक की भूमिका निभाता है। इसी कारण एयरड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) की मंजूरी अटकी हुई थी और उड़ानों की शुरुआत में देरी हो रही थी।

एयरपोर्ट संचालन कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. ने अब इस बाधा को दूर करते हुए नीतू समरा को अंतरिम सीईओ बनाया है। वह इससे पहले मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के पद पर कार्यरत थीं और परियोजना के विकास में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। वहीं, पूर्व सीईओ स्विस नागरिक क्रिस्टोफ श्नेलमैन को कार्यकारी उपाध्यक्ष की नई जिम्मेदारी दी गई है, ताकि प्रबंधन में निरंतरता बनी रहे।

इस बदलाव के बाद एयरपोर्ट के लिए आवश्यक एएसपी सुरक्षा मंजूरी मिलने की संभावना बढ़ गई है। एएसपी के बिना किसी भी एयरपोर्ट पर वाणिज्यिक उड़ान संचालन संभव नहीं होता था और सीईओ की विदेशी नागरिकता इस प्रक्रिया में प्रमुख बाधा बनी हुई थी।

धर्मांतरण गिरोह को विदेशों से मिले थे अरबों रुपये

छांगुर बाबा मामले में एटीएस और ईडी की चार्जशीट में खुलासा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के धर्मांतरण गिरोह के खिलाफ एटीएस कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने अरबों रुपये के विदेशी फंडिंग और धर्मांतरण के गिरोह संचालित करने वाले छांगुर बाबा की डिस्चार्ज अर्जी को हाल ही में खारिज कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद छांगुर व उसके साथियों के खिलाफ सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है।

ईडी और एटीएस की संयुक्त टीम ने जलालुद्दीन उर्फ छांगुरबाबा के खिलाफ 1400 पन्नों की विस्तार से चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 100 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी फंडिंग, जमीन खरीद और संगठित तरीके से धर्मांतरण कराने जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। चार्जशीट में फंडिंग, संपत्ति खरीद, बैंक ट्रांजैक्शन और आरोपियों के बीच संबंधों का विस्तृत विवरण दिया गया है। चार्जशीट में उल्लेख किया गया है कि आरोपी एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे, जिनका उद्देश्य बड़े पैमाने पर धर्मांतरण गतिविधियों को अंजाम देना था। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे बड़ा खुलासा विदेशी फंडिंग को लेकर हुआ है।

देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने और सरकार के खिलाफ साजिश रचने के आरोप

अमृत विचार : ईडी ने अपनी जांच में एटीएस द्वारा जुटाए गए तथ्यों को आधार बनाया और दोनों एजेंसियों के बीच समन्वय से पूरे गिरोह के नेटवर्क का खुलासा किया। अधिकारियों का दावा है कि इस फंडिंग का उपयोग धर्मांतरण गतिविधियों को बढ़ावा देने, लोगों को प्रलोभन देने और नेटवर्क को मजबूत करने में किया गया। जांच में सामने आया है कि सह आरोपी बनाए गए नवीन और उसकी पत्नी नीतू ने इस फंड का इस्तेमाल कई जिलों में जमीन खरीदने के लिए किया। बलरामपुर के तरबगंज क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर खरीदी गई इन संपत्तियों का प्रयोग धर्मांतरण गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता था। लोगों को आर्थिक व सामाजिक प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जाता था। दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि कई संपत्तियां पत्नी के नाम से खरीदी गई। पूरे खरीद-फरोख्त में छांगुर बाबा को एक गवाह व संरक्षक के रूप में दिखाया गया है। मुख्य आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों पर देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने और सरकार के खिलाफ साजिश रचने के आरोप हैं। इस मामले में सीरिया लिंक और स्विस बैंक खातों की जांच अभी बाकी है।

जातिवाद के नाम पर देश लूटने वालों से रहें सावधान

मुख्यमंत्री ने की 'रश्मिरथी पर्व' की शुरुआत, दिनकर की कृतियों को बताया राष्ट्र चेतना की मशाल

'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह व महापौर सुषमा खर्कवाल।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने और विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा। उन्होंने ऐसे लोगों को राष्ट्रद्रोही बताते हुए जनता से सतर्क रहने का आह्वान किया।

शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' के शुभारंभ और 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की रचनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि "ऊंच-नीच का भेद न जाने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है" जैसी पंक्तियां आज भी समाज को दिशा देती हैं। कालजयी कृति 'रश्मिरथी' को उन्होंने राष्ट्र निर्माण की प्रेरक धरोहर बताया। "सिंहासन खाली करो कि जनता आती है" जैसी पंक्तियों को उन्होंने लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'रश्मिरथी' के नाट्य मंचन की सराहना करते हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और संस्कृति विभाग को ऐसी प्रेरक प्रस्तुतियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, सत्यपाल सिंह, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

तीन दिन चलेगा साहित्य-संस्कृति का संगम

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयोजन में 'रश्मिरथी' पर आधारित नाट्य मंचन के साथ ही स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक और अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर विशेष प्रस्तुतियां होंगी। उन्होंने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय समेत अन्य संस्थानों के छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड में फिर बारिश और बर्फबारी का दौर, अलर्ट जारी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सावधान: 28 तक पहाड़ से मैदान तक बदला रहेगा मौसम

अमृत विचार: आग उगलती गर्मी से राज्यवासियों को 24 घंटे में निजात मिलने की संभावना है। अनुमान है कि तीन दिन तक पहाड़ से मैदान तक आंधी-बारिश और गरज-चमक के साथ बौछार से मौसम बदल सकता है। दूसरे चरण में पहाड़ों पर बर्फबारी होगी। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी करते हुए खासकर पर्वतीय क्षेत्रों के लिए चेतावनी जारी की है।

अगले 24 घंटे में चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ में आंधी-बारिश से मौसम में बदलाव आ सकता है। बड़कोट, पुरोला, गंगोत्री, केदारनाथ, सोनप्रयाग, बद्रीनाथ, कर्णप्रयाग, मुनस्यारी, दारमा, बेरीनाग तथा आसपास के क्षेत्रो में तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति) के साथ बिजली गिरने और आंधी आने की संभावना है। राज्य मौसम विभाग के निदेशक डॉ. सीएस तोमर ने शुक्रवार को सात दिनों के संभावित मौसम के बारे में बताया कि, आगामी सोमवार तक मैदानी इलाकों को छोड़कर (हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर) राज्य के बाकी जिलों में हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है।

28 अप्रैल से यह सिलसिला बढ़ सकता है और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। उच्च पर्वतीय इलाकों में 4400 मीटर से ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होने का अनुमान जताया गया है।

कड़ी सुरक्षा में होमगार्ड लिखित परीक्षा आज से

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री के निर्देश पर होमगार्ड एनरॉलमेंट 2025 की लिखित परीक्षा शुक्रवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो रही है। 25, 26 और 27 अप्रैल को प्रदेश के 1053 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 25.32 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि कुल 41,424 पदों के लिए भर्ती की जा रही है।

प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष एसबी शिरडकर के अनुसार परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। हर जिले में अपर पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस उपायुक्त स्तर के नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। वहीं, प्रत्येक 240 अभ्यर्थियों पर एक निरीक्षक या उपनिरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है।

वक्फ संपत्तियों पर कब्जों के खिलाफ कोर्ट जाएगा बोर्ड: जैदी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि प्रदेश की बहुत सी वक्फ संपत्तियों पर भू-माफियाओं की नजर है। बोर्ड जल्दी ही उनके कब्जों के खिलाफ कोर्ट में पिटीशन फाइल करेगा। पिछले कुछ दिनों से बोर्ड अध्यक्ष द्वारा वक्फ संपत्तियों से अनियमितताओं को लेकर चल रही खबरों के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने ऐसी खबरें चलवाईं, वही जिम्मेदार हैं और उन्हें मेरा पक्ष भी पूछना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मैं जब बोर्ड का अध्यक्ष बना तो कर्मचारियों का 37 महीने का वेतन बकाया था। मैंने बोर्ड की आमदनी बढ़ाकर बोर्ड के रिटायर हो चुके कर्मचारियों और काम कर रहे कर्मचारियों का लगभग 50 लाख रुपये का भुगतान कराया। मेरे कार्यकाल का 4 महीने का वेतन अभी भी बकाया है।

अली जैदी ने बताया कि वक्फ दरोगा मीर वाजिद अली की वजीरगंज, डालीगंज और सआदतगंज स्थित सम्पत्ति गैर मुस्लिम के नाम दर्ज थी, जिसे कब्जे से मुक्त कराया। इसी तरह से कुछ मन्दिर और धर्मशालाओं को वक्फ सम्पत्ति में दर्ज किया गया था, उसे वक्फ रिकार्ड से हटवाया और मन्दिरों व धर्मशालाओं को मुक्त कराया।

चेयरमैन अली जैदी।

उन्होंने बताया कि बोर्ड ने लखीमपुर में इमामबाड़े को अतिक्रमण मुक्त कराकर वहां बाउंड्री कराई। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि जब उन्हें अध्यक्ष बनाया गया तब बोर्ड में सालाना एक लाख रुपये की आय वाले 38 वक्फ थे, मौजूदा समय में एक लाख आय वाले 81 वक्फ हैं। उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड में कुल 7785 अवकाफ रजिस्टर्ड है।

मितीपुर के जंगल में गौवंश के मिले अवशेष

बहेड़ी के ग्रामीणों में गुस्सा, पुलिस से जताई नाराजगी

संवाददाता, बहेड़ी

मौके पर पहुंची पुलिस ने मौजूद लोगों से वार्ता की। ● अमृत विचार

- पुलिस ने घटना का शीघ्र खुलासा करने का दिया भरोसा
- मौके पर मिले अवशेषों का नमूना पुलिस ने जाँच को भेजा

अमृत विचार :गांव मितीपुर के जंगल में गोवंश के अवशेष मिले हैं। अवशेष देखकर लोगों में गुस्सा फैल गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को शांत कराते हुए घटना का जल्द खुलासा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का भरोसा दिया। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार गौरक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचना दी कि गांव मितीपुर में नाला कैनाल के पास नत्थू लाल के खेत में मांस व हड्डियों के अवशेष पड़े हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि वहां दो सिर और तीन-चार कट्टों में भरा मांस पड़ा हुआ था। मौके पर तमाम ग्रामीण भी जमा थे। मांस के कट्टे और गौवंश के सिर देखकर लोगों में गुस्सा फैल गया, और उन्होंने पुलिस के सामने अपनी नाराज़गी जाताना शुरू कर दी। इंस्पेक्टर बहेड़ी ने लोगों को समझाया, और तुरंत ही मांस व हड्डियों के नमूने एकत्र कर पुलिस ने नमूने लिये और उसे जांच के लिए भेजा। मौके पर पड़े अवशेषों को कब्जे में लेकर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी गई। पुलिस के मुताबिक अवशेष प्रथम दृष्टया गोवंश के प्रतीत हो रहे हैं, हालांकि इसकी पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

गौ रक्षा हिन्दू दल के जिलाध्यक्ष देवेंद्र भास्कर, युवा जिलाध्यक्ष रजत पंडित, बजरंग दल शानू गंगवार ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो आंदोलन किया जाएगा। इंस्पेक्टर, बहेड़ी दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेकर जाँच शुरू कर दी गई है।पुलिस इस घटना में शामिल लोगों की तलाश में पूरी तरह से जुट गई है, और दोषियों को जल्द पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच और निगरानी बढ़ाने की बात भी कही।

आंवला में अज्ञात वाहन से कुचलकर युवक की मौत

संवाददाता, आंवला

मृतक मोनू

अमृत विचार : दावत से लौट रहे युवक की बाइक पर ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी होने पर तमाम लोग एकत्र हो गये। परिजन भी पहुंचे और वाहन के पकड़ में नहीं आने तक शव का पंचनामा कराने से इंकार कर दिया। खबर लिखे जाने तक मान मनोव्वल का दौर जारी था।

नगर के मौहल्ला खेड़ा निवासी 20 वर्षीय बाइक सवार मोनू निवासी ग्राम रहटुईया से दावत से लौट रहा था। तभी सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्राली ने स्टेशन नगरिया रोड पर उसकी बाइक पर जोर दार टक्कर मार दी।इससे मोनू की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन ने पुलिस से अज्ञात वाहन पकड़ में ना आने तक पंचायत नामा कराने से मना करा दिया। मान मनोवल पर माने परिजनो ने प्रभारी निरीक्षक को देर रात तहरीर लिख कर दी। शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। परिजनो ने बताया कि मोनू की शादी भी तय हो चुकी थी। प्रभारी निरीक्षक बीनू चौधरी ने बताया कि रास्ते के सी सी टी वी फुटेज खंगाले जा रहें है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उनकी तलाश शुरु हो गई है।

वर्कशॉप में आग मामले में तीसरे किशोर की जान गई

मृतक साहिल

नवाबगंज, अमृत विचार श्मशान भूमि के पास अवैध रूप से संचालित गैस रिफिलिंग वर्कशॉप में 18 अप्रैल की रात लगी आग में झुलसे एक और किशोर की शुक्रवार को मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। हादसे में यासीन नगर बस्ती के चार युवक गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिन्हें महानगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान पहले प्रभात नगर निवासी किशोर अजीत और फिर 14 वर्षीय अर्सिल की मौत हो गई थी। शुक्रवार को 13 वर्षीय साहिल रजा ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और देर शाम उसका अंतिम संस्कार बस्ती के कब्रिस्तान में किया गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कैम्प लगाकर फार्मर रजिस्ट्री बनाने की अपील

आंवला अमृत विचार। बार के पूर्व अध्यक्ष गंगा प्रसाद शर्मा एडवोकेट ने ,एसडीएम विदुषी सिंह को दिये शिकायती पत्र में बताया कि उनके गांव रामपुर कांकर मे परिवारीजनो के साथ ही ग्रामवासियों की फार्मर रजिस्ट्री नही बनी है नायब गांव में ही फार्मर रजिस्ट्री बनवाने की मांग की हैं।

पेट्रोल पंप पर आगजनी की कोशिश

संवाददाता, भोजीपुरा

- पेट्रोल पंप संचालक को लोहे की रॉड से पीटकर किया घायल,मुकदमा दर्ज

, **अमृत विचार** : थाना क्षेत्र के अंतर्गत जादौपुर स्थित एक पेट्रोल पंप पर सीएनजी डलवाने आए दबंगों ने तांडव मचाया। पैसे मांगने पर आरोपियों ने न केवल पंप संचालक पर लोहे की रॉड से हमला किया, बल्कि पेट्रोल पंप में आग लगाने की भी कोशिश की और जान से मारने की धमकी देते हुए अपनी मोटरसाइकिलें मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

धौराटांडा निवासी अजीम अहमद का जादौपुर में नूर फिलिंग स्टेशन के नाम से पेट्रोल पंप है। अजीम अहमद द्वारा थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार अफसार नामक युवक अपने कुछ अन्य साथियों के साथ कार में सीएनजी डलवाने आया था। गैस भरवाने के बाद जब उनसे पैसे मांगे गए, तो उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया आरोप है कि अफसार ने कार से जैक निकालकर अजीम पर हमला कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने फोन करके दो मोटरसाइकिलो से चार और साथियों को बुला लिया। इनमें अशफाक अहमद नामक व्यक्ति भी शामिल था। ये लोग लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से लैस थे। आते ही इन लोगों ने संचालक को पीटना शुरू कर दिया और जान से मारने की नीयत से उनका गला दबाया। सिर और कान पर रॉड लगने से अजीम मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े।दबंगों ने पेट्रोल पंप में आग लगाने का भी प्रयास किया, खुद को घिरता देख आरोपी अपनी मोटरसाइकिलें छोड़कर भाग निकले। पीड़ित की शिकायत पर अफसार, अशफाक अहमद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

घर में घुसकर चोरों ने जेवर नगदी पर हाथ किया साफ

क्योलडिया, अमृत विचार : अमीर नगर गांव की रामकली ने तहरीर में बताया है कि 20 अप्रैल को बबलू ,नीरज कश्यप निवासी विरिया नरायनपुर थाना सुभाष नगर के उसके घर में घुस आए और अलमारी में रखे पांच हजार रुपए, एक जोड़ी झुमकी एक मंगलसूत्र , एक मोबाइल फोन चुरा ले गए। चोर जब घर से निकले तो पीड़िता ने उनको पहचान लिया उसने रोकने का प्रयास किया तो उसे धक्का मार कर भाग गए।

ताले तोड़कर 50 हजार की नकदी व जेवरात चोरी

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : इफको टाउनशिप में चोरों ने एक बंद मकान के ताले तोड़कर लाखों का सामन चोरी कर लिया। मामले में थाना पुलिस को तहरीर दे कार्रवाई की मांग की है। मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इफको टाउनशिप के आशीष निरंजन के नाम आवंटित मकान में 21 अप्रैल की रात चोरी हुई। मकान में रहने वाला युवक अमोन इफको में कार्यरत है, उस समय घर पर मौजूद नहीं थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से करीब 50 हजार रुपये नकद और लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए।सुबह जानकारी होने पर परिजनों को सूचित किया। सूचना मिलते ही आशीष के पिता यशवंत कुमार निरंजन मौके पर पहुंचे और तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

जेपीएम में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरु

खेल प्रतियोगिता के विजेता के साथ अतिथि।

भोजीपुरा, अमृत विचार : जमुना प्रसाद मेमोरियल पीजी कॉलेज में शुक्रवार को तीन दिवसीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का उद्घाटन एम डी आर्कि वैभव पटेल एवं निदेशक डॉ. मनोज कांडपाल द्वारा किया।

खेल संयोजक डॉ मोहम्मद नईम ने बताया कि वॉलीबॉल में बीएससी बायो की टीम को बीकॉम ने 2-0 से हरा कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। महिला वर्ग की खो खो प्रतियोगिता में बीएससी बायो ने बीएलएड को 6-4 से हराया। गोला फेंक में पुरुष वर्ग में बीबीए के साकिब ने प्रथम बीकॉम के मो सहजिल ने दूसरा और बीएलएड के अनमोल तीसरे स्थान पर रहे। गोला फेंक महिला वर्ग में बीएलएड की अनिष्का प्रथम डीएलएड की पूजा गंगवार दूसरे और बीएससी बायो की रंजना तृतीय स्थान पर रही। शतरंज में डीएलएड के अभय कुमार प्रथम एवं डीएलएड के ही आदर्श दूसरे स्थान पर रहे, 100 मीटर पुरुष वर्ग में बीकॉम के निजामुद्दीन ने प्रथम बीएलएड के ऋषभ ने द्वितीय और बीएससी बायो के पप्पू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान अमरीश गंगवार, अंकुर टंडन, तिलक राठौर,विजेंद्र सिंह, उदित राणा डॉ. रवि शंकर,आदि रहे।

सूचना

मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में त्रुटिवश पिता का नाम नियाज हुसैन के स्थान पर मुन्नू अंकित हो गया है, जो गलत है। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड में पिता का नाम नियाज हुसैन अंकित है, जो सही है। अतः ड्राइविंग लाइसेंस में भी पिता का सही नाम नियाज हुसैन अंकित किया जाए। **गुड्डू पुत्र नियाज हुसैन निवासी ग्राम केसवापुर पोस्ट भल्लिया बुजुर्ग जिला खीरी**

सूचना

मैंने अपने पुत्र अजय पांडे व पुत्रवधू झलक शुक्ला को इनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, यह दोनों अपने कृत्यों लेन-देन आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मुझसे व मेरे पुत्र रितिक पाण्डे से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। माया देवी पत्नी स्व. विनोद कुमार पांडे, रितिक पाण्डे पुत्र स्व. विनोद कुमार पांडे निवासी जोगी नवादा पुराना शहर थाना बारादरी बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क | ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
NABH PRE ACCREDITED
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

हाईस्कूल के मेधावी

शमा बी 84 % जेपीएस इंटर कॉलेज सिंधौली | आयशा बी 86 % जेपीएस इंटर कॉलेज सिंधौली | गोविंदा, 87.5 %, एसआर इंटर कॉलेज सैंथल | सिमरन, 85.5 %, एसआर इंटर कॉलेज सैंथल

पूजा, 82 %, एसआर इंटर कॉलेज सैंथल | स्नेहा गंगवार, 82 % एसआर इंटर कॉलेज सैंथल | चेतन, 81.83% प्रताप इंटर कॉलेज, शाही | रेशू 80.5%, प्रताप इंटर कालेज शाही

शगुन, 91.1% एलपीएस इंटर कॉलेज नवाबगंज | नाव्या, 93% एलपीएस इंटर कॉलेज नवाबगंज | अभिनव 95.10% एलपीएस इंटर कॉलेज नवाबगंज | मनीश कुमार, 89.66 % पब्लिक इंटर कॉलेज

राहुल, 88.33 %, पब्लिक इंटर कालेज | भूपेंद्र यादव 91.83% जीटीआर इंटर कॉलेज | हर्ष 88.66% जीटीआर इंटर कॉलेज | अनिल कुमार 90.33% जीटीआर इंटर कॉलेज, भुता

देवराज, 91 %, मिशन एकेडमी बहेड़ी | माहिन 86.1 प्रतिशत, मिशन एकेडमी | उत्कर्ष 92% कृषि एवं उद्योग इण्टर कॉलेज | अर्जुन 87.66%, प्रताप इंटर कालेज शाही

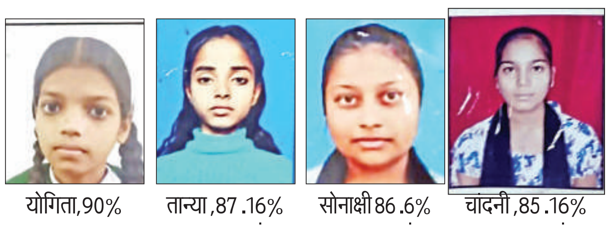

योगिता, 90% एसआरएस कॉलेज, परातासपुर | तान्या, 87.16% एसआरएस इंटर कॉलेज, परातासपुर | सोनाक्षी 86.6% एसआरएस इंटर कॉलेज, परातासपुर | चांदनी, 85.16% एसआरएस इंटर कॉलेज, परातासपुर

पिन्नी खाने से 9 महिलाओं की तबियत बिगड़ी, भर्ती

घर में हुए पारंपरिक कार्यक्रम में महिलाएं आमंत्रित कीं

संवाददाता, बिशारतगंज

अमृत विचार: बिशारतगंज कस्बे में एक पारंपरिक आयोजन पिन्नी के दौरान मिठाई खाने के बाद कई महिलाओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सभी प्रभावित महिलाओं को पास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 8 निवासी अभिषेक गोस्वामी के घर पर 'पिन्नी' की परंपरा के तहत मोहल्ले की महिलाओं को आमंत्रित कर मिठाई खिलाई गई थी। मिठाई में इस्तेमाल मावा (खोया) खाने के कुछ ही समय बाद हिमांशी गोस्वामी, पिंकी गोस्वामी, शोभा देओल, इंदिरा देवी, रिया गोस्वामी, रेखा साहू, सुमन गोस्वामी, अंशिका साहू और आरोही गोस्वामी समेत कई महिलाओं की तबीयत बिगड़ने लगी।

घटना की सूचना मिलते ही अभिषेक गोस्वामी ने थाना बिशारतगंज पुलिस और खाद्य विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची खाद्य विभाग की टीम और पुलिस ने जांच शुरू की। खाद्य विभाग के अधिकारी वर्मा ने बताया कि मावा बिशारतगंज स्थित धर्मपाल साहू की दुकान से खरीदा गया था। जांच के दौरान दुकान से मावा और पनीर के सैंपल लिए गए, जिन्हें लैब जांच के लिए भेज दिया गया है। साथ ही करीब 7 किलो 500 ग्राम मावा मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पास की एक अन्य दुकान से भी मावा और पनीर के नमूने लिए गए हैं। सभी प्रभावित महिलाओं की हालत में सुधार बताया जा रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि त्योहारों और आयोजनों में खाद्य सामग्री खरीदते समय गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें।

दुकान से मावा का सैंपल लेते खाद्य अधिकारी । • अमृत विचार

- **खाद्य विभाग की टीन ने लिया सैंपल, मौके पर 7.5 किग्रा मावा नष्ट कराया**

नवाबगंज में भाजपा नेत्री का धमकी भरा ऑडियो वायरल

बरेली, अमृत विचार, नवाबगंज क्षेत्र की एक भाजपा नेत्री का कथित रूप से धमकी भरा ऑडियो सियासी हलकों में चर्चा का विषय बना है। वायरल ऑडियो में भाजपा की महिला नेता अपने एक पूर्व कर्मचारी के परिवार को तरह-तरह की धमकी देती रिकार्ड हुई है। विवाद की वजह पूर्व कर्मचारी द्वारा सोशल मीडिया पर टिप्पणी बताई गई है, जिसे लेकर महिला नेत्री नाराज बताई जा रही हैं। युवक को सरेआम नंगा कर पीटने की धमकी की बात भी ऑडियो में है। बताया गया है कि महिला नेत्री के यहां काम करने वाला कर्मचारी अब उनके राजनैतिक विरोधी का साथ दे रहा है, जिसकी वजह से तनातनी के हालात बन गए हैं। युवक के परिजन भी ऑडियो में धमकी को लेकर पुलिस अफसरों से शिकायत करते सुने गए हैं। अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

एसडीएम ने किया निरीक्षण

मीरगंज, अमृत विचार: शुक्रवार को एसडीएम आलोक कुमार सिंह ने नगर पंचायत मीरगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नियमित कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका देखी। सभी उपस्थित पाए गए।

जंक्शन पर पत्नी को छोड़ 4 माह के बेटे को लेकर गायब हुआ पति

संवाददाता, नवाबगंज

- **बेटे के लिए चीज लेने की बात कहकर गया पति वापस नहीं लौटा, महिला परेशान**

अमृत विचार: पति अपनी पत्नी को रेलवे जंक्शन पर छोड़कर 4 माह के मासूम बेटे को साथ लेकर फरार हो गया। पीड़ित महिला पिछले तीन दिनों से कोतवाली में डेरा डाले न्याय की गुहार लगा रही है, लेकिन अब तक उसकी सुनवाई नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, मऊ जिले के थाना सराय लखनवी क्षेत्र के गांव सलाहाबाद निवासी फातिमा ने दो वर्ष पूर्व क्षेत्र के सरदार नगर निवासी आशीष उर्फ रहमान से प्रेम विवाह किया था। कुछ समय तक दोनों सरदार नगर में रहे, लेकिन बाद में फातिमा मायके चली गई, जहां वह पिछले पांच महीनों से रह रही थी। इसी दौरान उसने एक पुत्र को जन्म दिया, जो अब चार माह का है।

गत 20 अप्रैल को आशीष उर्फ रहमान अपने मित्र कपिल के साथ फातिमा के मायके पहुंचा और पत्नी व बेटे को अपने साथ घर ले जाने की बात कहकर ट्रेन से रवाना हुआ। आरोप है कि पत्नी को बरेली रेलवे जंक्शन पर यह कहकर छोड़ दिया कि वह बच्चे के लिए कुछ सामान लेकर आता है, लेकिन वह वापस नहीं लौटा और बच्चे को लेकर फरार हो गया।

काफी देर तक इंतजार करने के बाद फातिमा ससुराल सरदार नगर पहुंची, लेकिन वहां से भी उसे भगा दिया गया। तभी से वह लगातार कोतवाली के चक्कर काट रही है और पिछले तीन दिनों से वहीं बैठी है।

नारी मिशन शक्ति के तहत महिला की समस्या का पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं करने पर अब महिला के पिता ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति बच्चे को बेचने की धमकी दे रहा है, जिससे वह बेहद भयभीत है।

हादसे में दो वाहन आपस में टकराए

मीरगंज, अमृत विचार: शुक्रवार को थाना क्षेत्र के नल नगरिया चौराहे पर एक सड़क हादसे में दो वाहन आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में थ्री-व्हीलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब मुरादाबाद की ओर से आ रहा एक थ्री-व्हीलर लोडर नल नगरिया कट के पास आगे चल रही एक इको कार से पीछे से टकरा गया।

विवाहिता के साथ ससुर ने किया दुष्कर्म का प्रयास

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : इलाके के एक गांव में विवाहिता ने ससुर पर दुष्कर्म करने की कोशिश का आरोप लगाया है। शिकायत करने पर जब पति ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। तब विवाहिता ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोप ससुर किस्मत अली और पति सोहिल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना विथरी चैनपुर क्षेत्र के गांव निवासी महिला की शादी स्थानीय थाना के एक गांव निवासी सोहिल के साथ एक वर्ष पूर्व हुई थी। विवाहिता ने बताया उसका पति नशेड़ी है। ससुर उस पर बुरी नजर रखता है। 21 अप्रैल को वह घर पर अकेली थी। तभीससुर ने उसे दबोच लिया। दुष्कर्म करने का प्रयास किया। चीखने की आवाज सुनकर सास के आने पर छोड़कर घर से बाहर चला गया। सास ने बदनामी का भय दिखाकर शांत कर दिया।

चाइल्ड केयर वालों ने रोकी शादी जांच में बालिग निकली किशोरी

नवाबगंज, अमृत विचार: कस्बे में आयोजित एक शादी समारोह उस समय अचानक रुक गया जब चाइल्ड केयर टीम को नाबालिग विवाह की सूचना मिली। टीम ने मौके पर पहुंचकर विवाह की चल रही रस्मों को रुकवाया और किशोरी को अपने साथ लेकर चली गई।

मामला कस्बे के एक प्रतिष्ठित परिवार से जुड़ा है, जहां परिजनों ने किशोरी का विवाह बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के एक युवक के साथ तय किया था। गुरुवार रात बारात एक बारातघर में पहुंची और पूरे रीति-रिवाज के साथ विवाह कार्यक्रम शुरू हो चुका था।

इसी दौरान किसी ने चाइल्ड केयर को सूचना दे दी कि नाबालिग की शादी कराई जा रही है। सूचना मिलते ही टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची और पूछताछ शुरू की, जिससे समारोह में हड़कंप मच गया। टीम ने तुरंत विवाह की रस्में रुकवा दीं और किशोरी को अपने साथ थाने ले गई, बाद में उसे जांच के लिए बरेली ले जाया गया।

जांच और मेडिकल परीक्षण के बाद किशोरी बालिग पाई गई। इसके बाद चाइल्ड केयर टीम ने उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अब परिजनों द्वारा शनिवार को किशोरी की विदाई ससुराल के लिए किए जाने की तैयारी की जा रही है।

19 वर्ष
विश्वस्तरीय एवं अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा में समर्पित
SRMS

आर.आर. कैंसर इंस्टीट्यूट एण्ड रिसर्च सेंटर, बरेली
100 बेड का कैंसर हॉस्पिटल

आयुष्मान भारत योजना (PMJAY), मुख्यमंत्री राहत कोष, ECHS, CGHS द्वारा निशुल्क इलाज

समस्त कैंसर रोगों का विश्वस्तरीय इलाज एक छत के नीचे

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
- रेडियोथैरेपी – 2 लीनियर एक्सीलेरेटर (IMRT, IGRT, SRT, SRS, SBRT, VMAT)
- HDR ब्रेकीथैरेपी
- इंटरस्टेशियल इम्पलांट

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
- समस्त प्रकार की कैंसर सर्जरी
- ऑन्को रिकन्सट्रक्शन/कॉस्मैटिक सर्जरी
- गायनी ऑन्कोसर्जरी
- रोबोटिक सर्जरी

मेडिकल ऑन्कोलॉजी / क्लीनिकल हेमेटोलॉजी
- इम्युनोथैरेपी, टारगेटेडथैरेपी
- कीमोथैरेपी, हार्मोनलथैरेपी
- बोन मैरो ट्रांसप्लांट

इंटरवेंशनल ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन एवं एडवांस इमेजिंग
▪ न्यूक्लियर मेडिसिन - PET CT SCAN ▪ 3 टैस्ला 48 चैनल एमआरआई ▪ 256 स्लाइस ड्यूल सोर्स सीटी स्कैन
▪ डिजीटल मैमोग्राफी ▪ DSA कैथ लैब ▪ सीटी/अल्ट्रासाउण्ड गाइडेड FNAC / BIOPSY ▪ डैक्सा स्कैन

अन्य अत्याधुनिक जांचें ▪ एण्डोब्रोन्क्यिल अल्ट्रासाउण्ड (EBUS) ▪ अपर जीआई एण्डोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी
▪ वीडियो लैरोंजोस्कोपी ▪ कोल्पोस्कोपी ▪ अल्ट्रासाउण्ड डिराइव्ड फैटी फ्रैक्शन (UDFF) ▪ इम्युनोहिस्टोकैमेस्ट्री, ट्यूमर मार्कर

कैंसर विशेषज्ञों की टीम

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डॉ. पीयूष अग्रवाल
डॉ. अरविन्द चौहान
डॉ. पवन कुमार
डॉ. प्राची उपाध्याय
डॉ. हिमांशी खट्टर

मेडिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. अदादी श्रीनिवासा नायडू

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
डॉ. शुभांशु गुप्ता

क्लीनिकल हेमेटोलॉजी
डॉ. दिशा सत्या

हैड एण्ड नैक ऑन्कोलॉजी
डॉ. रोहित शर्मा

गायनी ऑन्कोलॉजी
डॉ. मनोज कुमार तांगड़ी

रिकन्सट्रक्शन ऑन्कोलॉजी
डॉ. अपूर्व प्रताप सिंह

इंटरवेंशनल ऑन्कोलॉजी
डॉ. नम्रता सिंह

ऑन्को पैथोलॉजी
डॉ. तनु अग्रवाल

ऑन्कोफर्टिलिटी
डॉ. रुचिका गोयल

श्री राम मूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
13 किमी॰, बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली
9458705555
www.srms.ac.in

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

पत्रांक : 275/न.पा.प.ब./2026-27 दिनांक : 24.04.2026

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बहेड़ी स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर बोर्ड फण्ड/राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है :-

E-Tender Publish Date and Time	25.04.2026 at 05:00 PM
Last Date and Time for Submission of e bid	04.05.2026 at 05:00 PM
E-Tender opening Date	05.05.2026 from 05:00 PM
Place of opening of E-bid	Nagar Palika Parishad Baheri (Baheri)
E-Tender Document Processing	टेण्डर हेतु आवश्यक प्रपत्रों हेतु अपलोड निविदा में देखें।
E-Tender Tender Fee	टेण्डर मूल्य/शुल्क हेतु अपलोड निविदा देखें।
E-Tender Security	10 प्रतिशत

नोट : सम्बन्धित निविदा शर्ते व विस्तृत विवरण एवं समस्त कार्यवाही ई-टेण्डर वेबसाइड http://etender.up.nic.in की जायेगी।

(शशि प्रभा चौधरी) अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

(रश्मि जायसवाल) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स जय बाबा महाकाल इंटरप्राइजेज, ग्राम कुइया उगनपुर, पोस्ट पचौमी, तहसील फरीदपुर, जिला बरेली, उ.प्र. पिनकोड 243503 (पंजीकरण संख्या : BAR/0004435) का वास्तविक साझेदार है। फर्म में कुल 4 साझेदार राजेश्वर, सुप्रिया शर्मा, रहीस खाँ व मोहम्मद हाशिम थे। साझेदारों की रजामंदी से दिनांक 24-04-2026 को फर्म में नया साझेदार आकाश कुमार को शामिल किया गया है। तीन साझेदार राजेश्वर, मोहम्मद हाशिम व रहीस खाँ ने अपनी स्वेच्छा से दिनांक 24-04-2026 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये। अवकाश ग्रहण साझेदारों का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है, साझेदारों का फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदारों पर कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल दो साझेदार सुप्रिया शर्मा व आकाश कुमार हैं। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। फर्म के पुराने पते ग्राम कुइया उगनपुर पोस्ट पचौमी तहसील फरीदपुर जिला बरेली, उ.प्र. पिनकोड 243503 को परिवर्तित कर नया पता मोहल्ला मिर्धान, बीसलपुर रोड, बकैनियाा मोड़, तहसील व डाकखाना फरीदपुर जिला बरेली, उ.प्र. पिनकोड 243503 कर दिया गया है। एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गयी हैं।

सुप्रिया शर्मा - साझेदार
मैसर्स जय बाबा महाकाल इंटरप्राइजेज, बरेली, उ.प्र.

भुता थाने का सफाई कर्मियों ने किया घेराव

कर्मचारी के साथ मारपीट में 24 घंटे बाद भी कार्रवाई नहीं

संवाददाता, भुता

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव सिसैया में 2 दिन पहले सफाई कर्मचारी के साथ हुई मारपीट व पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न किए जाने से नाराज सफाई कर्मचारियों ने थाने का घेराव किया।

दो दिन पहले पंचायती राज विभाग सफाई कर्मचारी गंगा शरण को ग्राम सिसैया में नाले सफाई के दौरान गांव के ही दो लोग मयंक और प्रताप सिंह ने उसके साथ मारपीट की। जिसकी शिकायत भुता थाने में की गई थी। घटना के 24 घंटे बाद भी आरोपियों के खिलाफ न मुकदमा दर्ज किया गया और न गिरफ्तार हुई। इससे नाराज पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के आह्वान पर सैकड़ो सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार को भुता थाने पहुंचकर आरोपीयों के खिलाफ प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग करने लगे।

कर्मचारियों से बात करते प्रभारी

थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने जैसे तैसे सभी सफाई कर्मचारियों को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने का आश्वासन देखकर मामला शांत करवाया। तब जाकर सभी कर्मचारियों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया पीड़ित को मेडिकल के लिए भेज दिया है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंटर के मेधावी

फिजा बी 80 .50 प्रतिशत एवीएम इंटर कॉलेज धोरेरा

शिवानी जे .पी . एस . इंटर कॉलेज सिंधौली ,

अजरा इंटर 82 %जेपीएस इंटर कालेज सिधौंली

निखिल 83 % ए वी एम इंटर कॉलेज धोरेरा नवाबगंज

अमित कुमार 81 .2% एस एस टी इंटर कॉलेज

धर्मेन्द्र 81 .1% , एस एस टी इंटर कॉलेज नवाबगंज

राखी गंगवार, 82, एसआर इंटर कॉलेज सेंथल

मोहम्मद सोहिल ,77 .6% एसआर इंटर कॉलेज सेंथल

उज्जवल 91 .40% आरके मिश्रा मेमोरियल

आदित्य,73 .7 प्रतिशत, प्रताप इंटर कॉलेज

विशाल,74 .9 प्रतिशत प्रताप इंटर कालेज शाही

अनस खां,79 .2 प्रतिशत प्रताप इंटर कालेज शाही

अरुण , 79 .2 प्रतिशत प्रताप इंटर कालेज शाही

प्रियंका मिश्रा 79 .6% , प्रताप इंटर कॉलेज शाही

सुदेश,86 .5 %, प्रताप इंटर कॉलेज शाही

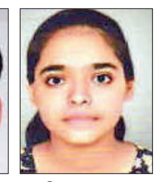
अक्षिता 80 .4% ,एस एस टी इंटर कॉलेज नवाबगंज

स्नेहा पाठक, 87% ,एलपी इंटर कॉलेज नवाबगंज

आयुष, 81 . 2% एलपी इंटर कॉलेज नवाबगंज

किरण, 86 .67 % एलपी इंटर कॉलेज नवाबगंज

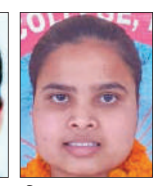
दिव्या गंगवार, 83 प्रतिशत, पब्लिक इंटर कॉलेज

अंजलि, 88 .6 प्रतिशत, मिशन एकेडमी

हर्षित सिंह, 84 .2% ,जीटीआर इंटर कॉलेज भुता

अंशिका 84 .8%, जीटीआर इंटर कॉलेज

श्वेता 86 .2%, जीटीआर इटर कॉलेज

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, ददरौल (शाहजहांपुर)

पत्रांक: सी-40/क्षे.पं./2026-27 दिनांक: 15.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

पंचम/केन्द्र वित्त (टाइड अनटाइड फण्ड) आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत कार्यो को कराये जाने हेतु समस्त पंजीकृत ठेंकेदारों से मोहरबन्द निविदायें दिनांक 03.05.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। जो कि दिनांक 03.05.2026 को अपरान्ह 3:30 बजे निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के द्वारा गठित कमेटी द्वारा खोली जायेगी। इच्छुक पंजीकृत निविदादाता जो कि आयकर, वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो निविदा फार्म निविदा प्रकाशित होने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 03.05.2026 पूर्वान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड ददरौल-शाहजहाँपुर कार्यालय से निविदा फार्म शुल्क रू० 600.00 (छ: सौ रू०) मात्र नकद जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित दिनांक व समय के उपरांत प्राप्त होने वाली निविदा स्वत: निरस्त मानी जायेगी। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते विकास खण्ड पर निविदा प्रकाशन के उपरांत किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	योजना का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू. में)	निविदा का मूल्य	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत	कार्य पूर्ण होने की अवधि
01	पंचम राज्य वित्त	खानपुर हकीमपुर सम्पर्क मार्ग से सुखविन्दर पंडित जी के झाले तक इंटरलाकिंग कार्य	5.33	600	10000	02 माह
02		खानपुर हकीमपुर मे मुख्य मार्ग से तरसेम सिंह के झाले तक इण्टरलाकिंग व नाली कार्य।	6.50	600	13000	02 माह
03		मौजमपुर मे मुख्य मार्ग से अशोक के घर तक खण्डंजा एवं नाली निर्माण कार्य।	3.24	600	7000	02 माह
04		खानपुर मे दानवीर के घर से प्रा0वि0 तक इण्टरलाकिंग व नाली कार्य।	9.99	600	20000	02 माह
05		खण्ड विकास अधिकारी के आवास की बाउन्ड्रीवाल एवं गेट का निर्माण व रंगाई पुताई	4.77	600	10000	02 माह
06		सिरोवरनगर में वी0डी0सी0 के अनुसार हरिपाल की चौपाल से सुखपाल के घर तक नाली व इंटरलाकिंग	9.99	600	20000	02 माह
07		ग्राम शहबाजनगर में मसीउल्ला के मकान से सोनू के मकान तक नाली व इंण्टरलॉकिंग कार्य	9.98	600	20000	02 माह
01	केन्द्रीय वित्त (अनटाइड फण्ड)	ग्राम शहबाजनगर में जावेद के मकान से पुत्तन के मकान तक नाली व इंण्टरलाकिंग कार्य	9.05	600	20000	02 माह
02		ग्राम गन्धार में ग्राम गौटिया मे रामसेवक यादव के घर से ज्वाला यादव के घर तक नाली व इंण्टरलाकिंग	9.99	600	20000	02 माह
03		ग्राम शहबाजनगर में रामकिशन के मकान से शरीफ के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	6.46	600	13000	02 माह
01	केन्द्रीय वित्त (टाइड फण्ड)	ग्राम घुसगवां में वी0डी0सी0 के अनुसार वाटर कूलर की स्थापना कार्य	2.35	600	5000	02 माह
02		ग्राम रसुलापुर में वी0डी0सी0 रामबहोरन के अनुसार वाटर कूलर की स्थापना कार्य	2.35	600	5000	02 माह
03		ग्राम निवाडी में पूर्व प्रधान के अनुसार वाटर कूलर की स्थापना कार्य	2.35	600	5000	02 माह
04		न्याय पंचायत चॉदापुर में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
05		न्याय पंचायत घुसगवां में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
06		न्याय पंचायत राईखेडा में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
07		न्याय पंचायत पिपरौली में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
08		न्याय पंचायत ददरौल में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
09		न्याय पंचायत बमनुआ में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह
10		न्याय पंचायत खिरिया हीर में 04 वाटर कूलर की स्थापना कार्य	9.40	600	18800	02 माह

मुख्य नियम व शर्ते:-

1. प्रत्येक निविदा के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल-शाहजहाँपुर के पक्ष में बन्धक हो संलग्न किया जाये।
2. निविदादाता को निविदा के साथ सौ रूपये के स्टाम्प पर स्व घोषणा पत्र/शपथ पत्र संलग्न करना होगा तथा निविदा स्वीकृति उपरान्त स्वयं के व्यय पर सौ रूपये के स्टाम्प पर अनुबन्ध गठित करना होगा व स्टाम्प पर फोटोयुक्त घोषणा पत्र इन शर्तो के साथ की वह किसी भी संस्था ब्लेकलिस्टेड नहीं हुए है।
3. निविदादाता के किसी भी विवाद का निस्तारण माननीय न्यायलय जनपद शाहजहाँपुर को मान्य होगा।
4. जमानत धनराशि निविदा की 10 प्रतिशत होगी, जो कि निविदा स्वीकृति के उपरान्त धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत को समायोजित करते हुये शेष 8 प्रतिशत को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल के पक्ष में बन्धक कराकर जमा करना होगा।
5. धरोहर धनराशि एवं जमानत धनराशि को नगद व चेक के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा।
6. पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रेषित की जाने वाली निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
7. निविदादाता का विकास खण्ड ददरौल में पंजीकृत होना आवश्यक है अन्यथा की स्थिति में प्राप्त होने वाली निविदा स्वत: निरस्त मानी जायेगी।
8. किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत/निरस्त किये जाने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
9. निविदा खोले जाने की तिथि को अवकाश होने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगीं।
10. समस्त कार्य उपलब्ध धनराशि के अनुसार ही कराये जायेंगे। निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त सम्बन्धित मद में धनराशि उपलब्ध होने पर ही कार्य आदेश जारी किये जायेंगे।

खण्ड विकास अधिकारी
ददरौल-शाहजहांपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत फाजिलपुर वि.खं. नवाबगंज जनपद बरेली

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम फाजिलपुर की वित्तीय वर्ष 2026-27 की स्वीकृत कार्य योजना के आधार पर ग्राम पंचायत फाजिलपुर को 15वां/16वां वित्त आयोग (टाइड एवं अनटाइड फण्ड) पंचम राज/छठा वित्त आयोग RGSA मनरेगा योजनान्तर्गत तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में अन्य मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यो जैसे इण्टरलॉकिंग कार्य (नवनिर्माण एवं मरम्मत) नाली निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) पंचायत भवन का कायाकल्प/नवनिर्माण, जन सेवा, केन्द्र के कक्ष का निर्माण, विद्यालयों का कायाकल्प, सामुदायिक शौचालय का कायाकल्प, अन्नपूर्णा भवन मरम्मत (निर्माण कार्य) रिसोर्स रिकवरी सेन्टर में मरम्मत कार्य, SLWM योजना के अन्तर्गत कराये गये, कार्यो की मरम्मत, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत में सफाई कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प, लाईब्रेरी निर्माण के अन्तर्गत कक्षों का कायाकल्प नव निर्माण, हैण्डपम्प रिबोर व मरम्मत पंचायत भवन में फर्नीचर क्रय व अन्य सामग्री क्रय, हयूम पाईप क्रय, स्ट्रीट लाइट व सोलर लाईट क्रय/मरम्मत, सी.सी. रोड निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) डस्टबिन क्रय, ठेली व ई-रिक्शा क्रय एवं मरम्मत कार्य, मिट्टी कार्य, विभिन्न सरकारी बिल्डिगों में मरम्मत एवं नव निर्माण, ग्राम पंचायत में लगने वाले सी.सी. कैमरे, फागिंग कार्य एवं ग्राम पंचायत में होने वाले अन्य कार्य हेतु ईट प्रथम श्रेणी, टोटी इण्टर लॉकिंग, बजरी, सीमेंट, सरिया, मोरंग, लोह, टाईल, पाईप, प्रचार-प्रसार बोर्ड, स्टेशनरी, मिट्टी, ठेली, पी.पी. किट, मास्क, सफाई किट, कूड़ादान, फागिंग मशीन, फर्नीचर, बर्तन, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट हेतु मशीन क्रय व अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिये सीलबंद निविदायें कार्यालय ग्राम पंचायत फाजिलपुर पर दिनांक 25.4.2026 को 11 बजे से दिनांक 28.4.2026 शाम 3 बजे तक आमंत्रित की जाएंगी। जोकि 28.4.26 को दोपहर 4 बजे फाजिलपुर ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

ग्राम प्रधान - मो. असलम सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा निगाही वि.खं. नवाबगंज जनपद बरेली

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पिपरा निगाही की वित्तीय वर्ष 2026-27 की स्वीकृत कार्य योजना के आधार पर ग्राम पंचायत पिपरा निगाही को 15वां/16वां वित्त आयोग (टाइड एवं अनटाइड फण्ड) पंचम राज/छठा वित्त आयोग RGSA मनरेगा योजनान्तर्गत तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में अन्य मदों से प्राप्त होने वाली धनराशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यो जैसे इण्टरलॉकिंग कार्य (नवनिर्माण एवं मरम्मत) नाली निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) पंचायत भवन का कायाकल्प/नवनिर्माण, जन सेवा, केन्द्र के कक्ष का निर्माण, विद्यालयों का कायाकल्प, सामुदायिक शौचालय का कायाकल्प, अन्नपूर्णा भवन मरम्मत (निर्माण कार्य) रिसोर्स रिकवरी सेन्टर में मरम्मत कार्य, SLWM योजना के अन्तर्गत कराये गये, कार्यो की मरम्मत, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट निर्माण कार्य, ग्राम पंचायत में सफाई कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प, लाईब्रेरी निर्माण के अन्तर्गत कक्षों का कायाकल्प नव निर्माण, हैण्डपम्प रिबोर व मरम्मत पंचायत भवन में फर्नीचर क्रय व अन्य सामग्री क्रय, हयूम पाईप क्रय, स्ट्रीट लाइट व सोलर लाईट क्रय/मरम्मत, सी.सी. रोड निर्माण (नवनिर्माण एवं मरम्मत) डस्टबिन क्रय, ठेली व ई-रिक्शा क्रय एवं मरम्मत कार्य, मिट्टी कार्य, विभिन्न सरकारी बिल्डिगों में मरम्मत एवं नव निर्माण, ग्राम पंचायत में लगने वाले सी.सी. कैमरे, फागिंग कार्य एवं ग्राम पंचायत में होने वाले अन्य कार्य हेतु ईट प्रथम श्रेणी, टोटी इण्टर लॉकिंग, बजरी, सीमेंट, सरिया, मोरंग, लोह, टाईल, पाईप, प्रचार-प्रसार बोर्ड, स्टेशनरी, मिट्टी, ठेली, पी.पी. किट, मास्क, सफाई किट, कूड़ादान, फागिंग मशीन, फर्नीचर, बर्तन, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट हेतु मशीन क्रय व अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिये सीलबंद निविदायें कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा निगाही पर दिनांक 25.4.2026 को 11 बजे से दिनांक 28.4.2026 शाम 3 बजे तक आमंत्रित की जाएंगी। जोकि 28.4.26 को दोपहर 4 बजे पिपरा निगाही ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

ग्राम प्रधान - ओमप्रकाश सचिव

ट्रांसफार्मर लगाते करंट लगने से दो कर्मी घायल

शीशगढ़: ग्राम बंजरिया में ट्रांसफार्मर लगाते दो बिजली कर्मचारियों को जोरदार करंट लग गया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बहेड़ी के एक निजी अस्पताल में इलाज को भर्ती कराया गया है।

ज्ञात हो कि आज शुक्रवार को बंजरिया में ठेकेदार की तरफ से गाँव में विद्युत छमता बढ़ाने को पुराने ट्रांसफार्मर के बराबर में नया ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा था। ट्रांसफार्मर लगाते हुए कर्मचारी मोहन स्वरुप निवासी शरीफ नगर इटौंआ और पवन निवासी लोधीपुर को जोरदार झटका लगा।करंट लगने से दोनों कर्मचारी जमीन पर गिर गए जिन्हें साथी लोग इलाज को बहेड़ी के निजी अस्पताल ले गए जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पूरनपुर-पीलीभीत

संख्या : 55(C)/न.पा.परि.पू./2026-27 दिनांक : 22.04.2026

नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, पूरनपुर जिला-पीलीभीत अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत वसीयत/विक्रय पत्र/वारिसान/अन्य के आधार पर निम्न प्रकार प्रकार परिवर्तन करना चाहती है अत: नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147(2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो तो वह व्यक्ति लिखित साक्ष्यों सहित प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा, और तदानुसार परिवर्तन की कार्यवाही कर दी जायेगी विवरण निम्न प्रकार है :-

भवन संख्या	मोहल्ले का नाम	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति स्वामी विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन के स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
831	बमनपुरी	श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी सुनील कुमार व सौरभ जायसवाल व विपलव पुत्रगण सुनील कुमार व संगीता जायसवाल पत्नी नवीन जायसवाल व तेजस जायसवाल पुत्रगण जायसवाल व रोमी जायसवाल पत्नी स्व. संदीप कुमार	मो. सैफ कुरैशी पुत्र मो. अकरम कुरैशी	

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पूरनपुर (पीलीभीत)

कार्यालय नगर पालिका परिषद पूरनपुर-पीलीभीत

संख्या : 45(C)/न.पा.परि.पू./2026-27 दिनांक : 20.04.2026

नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, पूरनपुर जिला-पीलीभीत अपनी कर निर्धारण सूची में पंजीकृत वसीयत/विक्रय पत्र/वारिसान/अन्य के आधार पर निम्न प्रकार प्रकार परिवर्तन करना चाहती है अत: नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147(2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो तो वह व्यक्ति लिखित साक्ष्यों सहित प्रकाशन की तिथि से एक माह के अन्दर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा, और तदानुसार परिवर्तन की कार्यवाही कर दी जायेगी विवरण निम्न प्रकार है :-

भवन संख्या	मोहल्ले का नाम	वर्तमान में दर्ज सम्पत्ति स्वामी विक्रेता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन के स्वामी का नाम	नामान्तरण का आधार
831	बमनपुरी	सुनील कुमार पुत्र नानक चन्द संदीप कुमार जायवाल पुत्र नानक चन्द	लक्ष्मी देवी पत्नी सुनील कुमार व सौरभ जायसवाल व विपलव पुत्रगण सुनील कुमार व दीक्षा जायसवाल पुत्री सुनील कुमार पत्नी विजय कुमार रोमी जायसवाल पत्नी स्व. संदीप कुमार जायसवाल	मृत्यु प्रमाण पत्र/ वारिसान प्रमाण

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद पूरनपुर (पीलीभीत)

कार्यालय कृषि उत्पादन मंडी समिति दातागंज (बदायूं)

पत्रांक: कृ.उ.म.स./2026-27/147 दिनांक: 24.04.2026

दुकान आवंटन/नीलामी सूचना

कृषि उत्पादन मंडी समिति दातागंज (बदायूं) की रिक्त दुकानों का आवंटन/नीलामी दिनांक 08.05.2026 को पूर्वाहन 11:30 बजे मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति/फर्म मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय से रू. 295.00 नकद जमा करके आवंटन प्रार्थना पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर न्यूनतम प्रीमियम की धनराशि का 05 प्रतिशत का नकद जमा/बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. संलग्न कर दिनांक 07.05.2026 को सायं 05:00 बजे तक मण्डी समिति दातागंज के कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कर दें। दुकानों का विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं.	दुकानों का विवरण	कुल संख्या	दुकानों में आरक्षण का विवरण (दुकान संख्या)				न्यूनतम प्रीमियम
			अनु. जाति	अ.पि.वर्ग	सामान्य	दिव्यांग	
3.	मण्डी स्थल 'स' श्रेणी की	02	-	01	01		872130.33

शेष शर्ते किसी भी कार्य दिवस में मण्डी समिति कार्यालय में देखी जा सकती है। सभी धनराशि पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देय होगा।

खडबिन्द प्रकाश
सचिव

विनोद कुमार सिंह
उपजिलाधिकारी/सभापति

हलाला का विरोध करने पर महिला को दी सामाजिक बहिष्कार की धमकी

- दो साल पहले हुए विवाह कुछ दिन बाद ही विवाद के अलग हुए
- अब पसंद के युवक से विवाह करना चाहती है युवती

नवाबगंज अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ जबरन हलाला कराने का गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि गांव के ही कुछ दबंगों ने महिला पर हलाला के लिए दबाव बनाया और विरोध करने पर उसे व उसके परिवार को सामाजिक बहिष्कार की धमकी दी। पुलिस ने पहले शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं की, लेकिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद अब मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता के अनुसार उसका विवाह करीब दो वर्ष पूर्व शाहजहांपुर के कस्बा निगोही निवासी युवक से हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच विवाद हो गया, जिसके चलते वे अलग-अलग रहने लगे। इस बीच महिला ने अपने गांव के ही एक युवक से विवाह करने का निर्णय लिया।

आरोप है कि गांव के मुन्ने, उसका बेटा इश्त्याक और इसरार महिला के इस फैसले का विरोध कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर महिला पर विवाह से पहले हलाला करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि इसरार ने उसका हाथ पकड़कर उसे कमरे में चलने और हलाला करने के लिए मजबूर करने की कोशिश की।

महिला के विरोध करने पर आरोपियों ने उसे और उसके परिवार को गांव में सामाजिक रूप से बहिष्कृत करने की धमकी दी। महिला ने नवाबगंज थाने में तहरीर दी, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वह एसएसपी के पास पहुंची। एसएसपी के आदेश के बाद पुलिस ने मुन्ने, इश्त्याक और इसरार के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ब्रीफ न्यूज

जनगणना : टोल-फ्री हेल्पलाइन 1855 शुरू

नई दिल्ली। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) ने देश की जनगणना 2027 के पहले चरण : आवास सूचीकरण और आवास गणना (एचएलओ) से संबंधित प्रश्नों या मार्गदर्शन के लिए एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन, 1855 की शुरुआत की है। जनगणना आयुक्त ने जनता के लिए एक व्हाट्सएप चैटबॉट की भी शुरुआत की। आरजीआई ने हाल में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए एक पत्र में कहा कि 'हेल्पलाइन' की बहुभाषी सुविधा जनगणना कर्मियों, पर्यवेक्षकों और आम जनता की जरूरतों और प्रश्नों का समाधान करेगी। इसमें कहा गया है कि इस टोल-फ्री नंबर के लिए सभी लैंडलाइन और मोबाइल ऑपरेटर के साथ संपर्क सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

अशोक लाहिड़ी होंगे नीति आयोग के उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल से दो प्रतिष्ठित नाम, अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोवर्धन दास क्रमश : नीति आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य बनेंगे। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लाहिड़ी सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य हैं। दास भोपाल स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक हैं। इस पद को ग्रहण करने से पहले, वह नयी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'स्पेशल सेंटर फॉर मॉलिकुलर मेडिसीन' में प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

ओडिशा के मुख्य सचिव को एनएचआरसी नोटिस

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने ओडिशा के मुख्य सचिव और गजपति जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी कर स्कूल का एक द्वार गिरने से दो छात्राओं की मौत के मामले में दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने 15 अप्रैल को गजपति जिले के रुबुदिसिंह गांव स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में दो छात्राओं की मौत से संबंधित मीडिया रिपोर्ट का स्वत : संज्ञान लिया है। आयोग के बयान में कहा गया है कि यदि समाचार की सामग्री सही है, तो यह "मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे" उठाती है।

हत्या के मामले में 20 दोषियों को उम्रकैद

नगांव। असम में नगांव की एक अदालत ने कार्बी आंगलोंग में दो लोगों की भीड़ द्वारा पीटकर हत्या किये जाने के मामले में दोषी पाए गए सभी 20 आरोपियों को शुक्रवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह घटना आठ साल पहले हुई थी। जिला सत्र न्यायाधीश डी. जे. महंता ने प्रत्येक दोषी पर बीस-बीस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। भीड़ ने वर्ष 2018 में बच्चा चुराने के संदेह में दो लोगों की पीटकर हत्या कर दी थी। अदालत ने सोमवार को इस मामले में कुल 45 आरोपियों में से 20 को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया था।

स्थापना के 14 साल के बाद आप को लगा सबसे बड़ा झटका

- सात राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे से पार्टी के लिए पैदा हुआ गंभीर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पहुंचे आप सांसदों का मुंह मीठा कराते भाजपाध्यक्ष नितिन नबीन।

भारत में राजनीति की नीति और नीयत में क्रांतिकारी बदलावों के दावे के साथ करीब 14 साल पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी (आप) के लिए गंभीर संकट पैदा हो गया है क्योंकि शुक्रवार को उसके सात राज्यसभा सदस्यों ने उसकी चिर प्रतिद्वंदी पार्टी भाजपा का दामन थाम लिया।

राष्ट्रीय राजधानी में नवंबर 2012 की सर्दियों में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों के गुस्से से जन्मी यह पार्टी तेजी से एक ऐसी राजनीतिक ताकत में तब्दील हो गई जिसने दिल्ली में लगातार तीन बार सरकार बनाई, पहली बार 2013 में, फिर 2015 और 2020 में। बाद में, पंजाब की सत्ता पर भी काबिज हुई। पार्टी के शुरुआती वर्षों में इसका साथ देने वाले लोगों में कार्यकर्ता, पेशेवर और राजनीति में आए नए लोग शामिल थे। उन्होंने इसे बिल्कुल शुरुआत से खड़ा करने में मदद की। हालांकि, समय के साथ, नेतृत्व शैली और पार्टी की दिशा को लेकर मतभेदों का हवाला देते हुए, इनमें से कई शुरुआती साथी अलग हो गए। शुक्रवार को आप को एक और बड़ा झटका लगा, जब इसके ज्यादातर राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। आप के करीब दो-तिहाई राज्यसभा सदस्यों के इस दल-बदल ने पार्टी की आंतरिक एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कभी सामूहिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत स्वरूप पर गर्व करने वाली पार्टी के लिए यह एक चुनौती बन गई है। दल-बदल करने वाले समूह का नेतृत्व राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल जैसे हाई-प्रोफाइल चेहरों ने किया। हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रम साहनी पार्टी छोड़ने वाले अन्य चार सांसद हैं। आम आदमी पार्टी के लिए यह समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पार्टी 2027 में गुजरात, गोवा और पंजाब में चुनावी मुकाबले के लिए कमर कस रही है। आप नेताओं ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि पार्टी का जमीनी स्तर से जुड़ाव और शासन का सिद्धांत, नेताओं के साथ छोड़ जाने के बावजूद बरकरार है। वर्ष 2025 में भाजपा के हाथों दिल्ली में सत्ता गंवाने के बाद, आम आदमी पार्टी के पास वर्तमान में दिल्ली विधानसभा में 22 सदस्य हैं।

पंजाब में, जहां, वह वर्तमान में सत्ता में है, आप के 92 विधायक हैं। वर्ष 2022 में, आम आदमी पार्टी ने पांच विधायकों के साथ गुजरात विधानसभा में अपना खाता खोला था। जम्मू कश्मीर में आप का पहला विधायक 2024 में चुना गया।

आप छोड़ने वाले सांसद गद्दार : भगवंत मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों को गद्दार करार दिया। मान ने यहां आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा, आम आदमी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है और उसने पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है। मान ने दावा किया कि बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनने के बाद से, भाजपा की बेचैनी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में बार-बार अस्वीकृति का सामना कर चुकी भाजपा ने राज्य और (आप) दोनों के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपनाया है तथा धमकी, प्रलोभन और दल-बदल के प्रयासों के माध्यम से सरकार को कमजोर करने की कोशिश की है।

राजग रास में दो-तिहाई बहुमत से 18 सीट दूर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के पाला बदलकर भाजपा में शामिल होने के साथ ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्यसभा में मजबूत स्थिति में पहुंच चुकी है। हालांकि उच्च सदन में सत्तारूढ़ गठबंधन दो-तिहाई बहुमत से अब भी 18 सदस्य दूर है, जबकि भाजपा सदन में साधारण बहुमत से महज 10 सांसद पीछे है। राज्यसभा में राजग के पास अब 145 सांसदों का समर्थन है। कुल 244 सदस्यों वाले सदन में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 163 होता है। यदि राजग राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लेता है, तो उसके लिए संविधान संशोधन से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराना आसान हो जाएगा। लोकसभा में भी राजग के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है।

सीईटी परीक्षार्थियों से जनेऊ उतरवाने पर गहराया विवाद

भाजपा ने हिंदू विरोधी करार देते हुए कांग्रेस पर बोला हमला

बेंगलुरु, एजेंसी

शहर के कृपानिधि कॉलेज में आयोजित सीईटी परीक्षा के दौरान पांच ब्राह्मण छात्रों को अपना जनेऊ उतारने के लिए मजबूर किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। इस घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और इसे हिंदू विरोधी करार दिया। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करने के वास्ते साझा प्रवेश परीक्षा (सीईटी) आयोजित की जाती है।

छात्रों ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मडिवाला स्थित कॉलेज के परीक्षा कक्ष में मौजूद निरीक्षकों ने उनसे कहा कि यदि वे परीक्षा देना चाहते हैं, तो जनेऊ उतारें। पिछले साल इसी तरह का विवाद होने पर सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि सीईटी परीक्षा के दौरान जनेऊ उतारने को नहीं कहा जाएगा। हालांकि, उसके बावजूद इस साल भी छात्रों को इसी तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ा। एक छात्र ने कहा कि जब मैं परीक्षा केंद्र गया, तो शिक्षकों ने मेरी बाली उतरवा दी। मैं यह समझ सकता हूं, क्योंकि वहां धातु की कोई वस्तु पहनने की अनुमति नहीं है, लेकिन उन्होंने मुझे शरीर से जनेऊ भी उतारने के लिए मजबूर किया। कोई और विकल्प न होने के कारण, छात्र ने निरीक्षकों के आदेश का पालन किया। सूत्रों के अनुसार, परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रों के माता-पिता परीक्षा स्थल पर पहुंचे और उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया कि जब जनेऊ न हटाने के संबंध में स्पष्ट निर्देश थे, तो फिर इसके पीछे क्या उद्देश्य था। कुछ अन्य छात्रों ने आरोप लगाया कि कलाई पर बंधा लाल और पीला कलावा भी पर्यवेक्षकों ने हटवा दिया था। जब शिवमोग्गा, बीदर और कुछ अन्य स्थानों पर इसी तरह का विवाद सामने आया, तो राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि पिछले साल मुख्यमंत्री ने भी अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे छात्रों से जनेऊ हटाने के लिए न कहें। फिर भी, वही घटना दोहराई गई। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री सुधाकर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि पिछले साल भी कुछ ऐसा ही हुआ था - एक घटना बीदर में हुई थी और कुछ अन्य घटनाएं शिवमोग्गा में हुई थीं।

कानूनी ढांचे के भीतर सुनिश्चित करेंगे सजा : मंत्री

उच्च शिक्षा मंत्री सुधाकर ने कहा, इसके अलावा, अगले वर्ष से हमें इस मुद्दे के बारे में सभी को पहले से स्पष्ट रूप से सूचित करना होगा, जिसमें कानूनी ढांचे के भीतर किस स्तर की सजा दी जा सकती है, यह भी शामिल होगा, और यह सुनिश्चित करना होगा कि इसका व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार हो। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के हिंदू विरोधी कृत्य, जैसे मंगलसूत्र और जनेऊ को जबरन हटवाना, बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने 'एक्स' पर कहा कि पिछले साल, सीईटी और नीट परीक्षाओं के दौरान, कांग्रेस सरकार ने जनेऊ काट दिया था और केपीएससी परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवारों को मंगलसूत्र उतारने के लिए मजबूर किया था। इस साल भी, सरकार ने वही पुरानी प्रथा जारी रखी है। दूसरी ओर कॉलेज ने जांच लंबित रहने तक निरीक्षक को निलंबित कर दिया। सरकार ने भी जांच के आदेश दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर परीक्षा निरीक्षण के प्रभारी कृपानिधि कॉलेज के तीन कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

कांग्रेस शासन में हिंदू मान्यताओं पर हो रहे हमले

भाजपा नेता आर अशोक ने आगे कहा कि कांग्रेस शासन के तहत, एक तरफ हिंदुओं को कोई सुरक्षा नहीं मिल रही है, और दूसरी तरफ वह हिंदू मान्यताओं और रीति-रिवाजों पर इस तरह हमला करके घटिया राजनीति में लिप्त है। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा के प्रवेश पत्र या किसी अन्य दिशानिर्देश में कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया था कि जनिवार नहीं पहना जाना चाहिए, और उन्होंने जानना चाहा कि सरकार इसे हटाने के लिए क्यों मजबूर कर रही है और इस अन्याय और ज्यादती के लिए कौन जिम्मेदार है। अशोक ने आरोप लगाया, "राज्य में कांग्रेस, जिसे आधुनिक मुस्लिम लीग सरकार भी कहा जाता है, ने अनौपचारिक रूप से शरिया कानून लागू कर दिया है। एक तरफ सरकार ने रमजान के महीने में उर्दू माध्यम के स्कूलों का समय बदल दिया है, वहीं दूसरी तरफ परीक्षा जांच के नाम पर मंगलसूत्र उतारने और जनिवार काटने की अनुमति दे रही है।" उन्होंने कांग्रेस को 'हिंदू विरोधी' बताया।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में फिर ईडी की छापेमारी

हैदराबाद/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश की पिछली पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान हुए कथित शराब घोटाले की मौजूदा जांच के सिलसिले में शुक्रवार को फिर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हैदराबाद में 11 और तिरुपति में एक परिसर पर छापेमारी की गई। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों के परिसरों की तलाशी ली गई, उनमें वाईएसआरसीपी के पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, उनके बेटे चेविरेड्डी मोहित रेड्डी (तिरुपति में), वाईएसआरसीपी सरकार के पूर्व सलाहकार और कथित घोटाले के सरगना कासिरेड्डी राजा शेखर रेड्डी और ''आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड'' (एपीएसबीसीएल) के पूर्व प्रमुख वासुदेव रेड्डी के परिसर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वाईएसआरसीपी के पूर्व राज्यसभा सदस्य विजयसाई रेड्डी, पूर्व नौकरशाह धनंजय रेड्डी, पूर्व सरकारी अधिकारी कृष्ण मोहन रेड्डी और एक निजी कंपनी के कार्यकारी बालाजी गोविंदाप्पा के परिसरों की भी तलाशी ली गयी।

बाबा खरात तीन दिन की पुलिस हिरासत में

नासिक। महाराष्ट्र में नासिक की एक अदालत ने शुक्रवार को स्वयंभू बाबा अशोक खरात को उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण के छठे मामले में 26 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। खरात को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उसपर कई महिलाओं का यौन शोषण करने और दैवीय शक्तियों तथा काला जादू का ज्ञान होने का दावा कर बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। छठे मामले में पूर्व मर्चेंट नेवी अधिकारी खरात पर आरोप है कि उसने एक युवती का यौन शोषण किया। पुलिस ने बताया कि खरात ने युवती को धमकी दी थी कि वह अपनी दैवीय शक्तियों" का इस्तेमाल कर उसके परिवार को बर्बाद कर देगा। स्वयंभू बाबा ने पीड़िता के परिवार के सदस्यों के आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज भी अपने पास रख लिये थे।

हत्यारोपी अपने आक्रामक व्यवहार के लिए था कुख्यात

- आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या मामले में पुलिस की पूछताछ में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस कैलाश हिल्स इलाके में आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या की जांच के तहत आरोपी राहुल मीणा को शुक्रवार को पालम रेलवे स्टेशन ले कर गई। वहीं अबतक की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी अपने पैतृक गांव में अपने आक्रामक व्यवहार के लिए कुख्यात था। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि अपराध और फोरेंसिक टीमें घटना की कड़ियां जोड़ने के लिए घटनाक्रम के दोबारा निर्माण कर जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी को शुक्रवार को पालम रेलवे स्टेशन ले जाया गया, जहां वह अपराध करने के बाद सबसे पहले गया था। उसे द्वारका के एक होटल में भी ले जाया जाएगा, जहां गिरफ्तारी से पहले वह कुछ घंटों तक रुका था। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजस्थान में अपने पैतृक स्थान पर अपनी आक्रामकता के लिए जाना जाता था। एक पुलिस सूत्र ने बताया, जांच के दौरान हमें पता चला कि मीणा और उसके पिता अपने गांव में आक्रामक व्यवहार के लिए जाने जाते थे। हमारी टीम वहां मौजूद है। उन्हें पता चला है कि उसके पिता शराब पीने के आदी हैं और राहुल ऑनलाइन गेम का आदी है। गांव में दोनों का व्यवहार आक्रामक है। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि पुलिस आरोपी की मानसिक स्थिति और व्यवहार के तरीकों का मूल्यांकन करने और अपराध के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए उसका मनोविश्लेषण कराएगी। मीणा की मानसिक स्थिति के बारे में सूत्रों ने कहा कि उसने साइकोपैथिक प्रवृत्तियां भी प्रदर्शित की हैं और उसका हिंसक आचरण का इतिहास रहा है, जिससे उसके व्यवहार को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से उम्मीदें बढ़ रहीं : शुभांशु

नई दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि लोग अब इसरो की उपलब्धियों से आश्चर्यचकित नहीं होते और अंतरिक्ष एजेंसी के अभियानों का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले, जब देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रारंभिक अवस्था में था, तब लोगों को चंद्रयान और मंगलयान जैसे अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिए जाने की उम्मीद नहीं थी। शुक्ला ने कहा कि अब आश्चर्य का तत्व खत्म हो गया है। लोग अब हमसे अपेक्षाएं रखने लगे हैं। वे कह रहे हैं कि हम आपके साथ उड़ान भरना चाहेंगे और गगनयान में आपके साथ जाना चाहेंगे। उन्होंने ये टिप्पणियां भारतीय अंतरिक्ष संघ द्वारा आयोजित भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी (आईडीएस) 2026 के अंतिम दिन अपने संबोधन के दौरान कीं। शुक्ला जुलाई 2025 में 'एक्सिओम मिशन 4' के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय बन गए थे।

मिशेल की रिहाई की अपील कोर्ट ने दूसरी पीठ को भेजा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाला मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जेल से रिहाई संबंधी अपील को शुक्रवार को दूसरी पीठ के पास भेज दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आठ अप्रैल को इस मामले में ब्रिटिश नागरिक जेम्स की याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किए गए जेम्स की याचिका में कोई दम नहीं है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी की पिछली याचिकाओं पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की थी।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी

कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को बताया दावे का आधार

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 152 सीटों में से 110 सीटें जीतने का दावा करते हुए कहा है कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत हासिल कर वह राज्य में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सभी विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को इस दावे का आधार बताया।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत के साथ भाजपा पांच मई को राज्य में सरकार बनाने जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य के लोगों ने भाजपा के पक्ष में मतदान कर विकास की राह को चुना है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदान के सभी पुराने रिकार्ड टूट गये हैं और यह मतदान राज्य में सत्ता में परिवर्तन के लिए भाजपा के पक्ष में हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इन आरोपों पर कि भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में बाहर का व्यक्ति मुख्यमंत्री बनेगा इस पर शाह ने कहा , मुख्यमंत्री बंगाल में ही जन्म लेने वाला, बांग्ला माध्यम से पढ़ने वाला और बांग्ला बोलने वाला होगा लेकिन इतना जरूर है कि वह आपका भतीजा नहीं होगा बल्कि वह भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह।

साजिश का मतदान से दिया है जनता ने जवाब : ममता

दिल्ली से बंगाल चलाने के सपने कामयाब नहीं होंगे

कोलकाता, एजेंसी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपने विभाजनकारी एजेंडे को थोपने की कोशिश कर रही ताकतों को शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि यह विधानसभा चुनाव राज्य को कमजोर करने और उस पर नियंत्रण करने के व्यवस्थित प्रयास का प्रतिरोध करने के लिए है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि बंगाल को कमजोर करने के हर प्रयास का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। दिल्ली में बैठे लोग बंगाल के अधिकारों को छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साजिश रच रहे हैं, लेकिन उन्हें समझ लेना चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है और वोट के जरिए जवाब देगी। यह चुनाव बंगाल को कमजोर करने के प्रयास का विरोध करने का है। मुख्यमंत्री का इशारा राज्य में मोदी, शाह प्रचार अभियान की ओर था।

ममता ने कहा, चौरंगी, भवानीपुर, यादवपुर और टॉलीगंज में मैंने लोगों को कड़े इरादे, दृढ़ संकल्प, एकता के साथ बंगाल, उसकी पहचान और भविष्य की रक्षा के लिए उमड़ते देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे दिल्ली से बंगाल चला सकते हैं, उसके लोगों को बांट सकते हैं और संस्कृति को विकृत कर सकते हैं, वे बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। इस भूमि की स्मृति लंबी है और इसकी रीढ़ की हड्डी बहुत मजबूत है।

खिदिरपुर में ममता बनर्जी ने किया रोड शो।

भाजपा के विभाग की तरह बर्ताव कर रहा चुनाव आयोग: वेणुगोपाल

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को भाजपा का एक विभाग करार देते हुए आरोप लगाया कि उसने कांग्रेस प्रमुख खरगे को तुरंत नोटिस जारी कर दिया, जबकि मोदी के संबोधन पर कोई कार्रवाई नहीं की। वेणुगोपाल ने दावा किया कि संसद में परिसीमन संबंधी विधेयक पारित न होने के बाद प्रधानमंत्री का हालिया सार्वजनिक संबोधन चुनाव नियमों और आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन था।

भाजपा कार्यकर्ता को तृणमूल ने धमकाया

कोलकाता। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दक्षिण कोलकाता में पार्टी की एक कार्यकर्ता को उसके आवास पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा धमकाया गया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

चुनाव में निर्वाचन अधिकारी मगर मतदाता सूची से बाहर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव में निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत कई लोगों के नाम भी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इन लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उन्हें अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कीं वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए दायर याचिकाएं

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने सीजेआई सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को बताया कि कई अधिकारियों के नाम बिना किसी कारण मनमाने ढंग से मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। न्यायमूर्ति बागची ने स्वीकार किया कि जिन लोगों की अपील अभी लंबित है, वे शायद पश्चिम बंगाल के मौजूदा विधानसभा चुनावों में मतदान नहीं कर पाएंगे, लेकिन वे अपनी अपील जारी रख सकते हैं ताकि भविष्य के लिए मतदाता सूची में उनका नाम बहाल किया जा सके।

सीजेआई ने पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग पर खुशी जताई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में एसआईआर मामले में सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को राज्य में पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई। कहा, भारत के एक नागरिक के रूप में मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग मतदान के अधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई की जरूरत है, उनकी याचिका पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए।

बंगाल में मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों के डेटा की सुरक्षा के लिए कड़े निर्देश

- निर्वाचन अधिकारी के सामने कैमरों से निकाले जाएंगे एसडी कार्ड
- कैमरा उतारे जाने तक पोलिंग टीम नहीं छोड़ सकेगी मतदान केंद्र

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद नए दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें मतदान समाप्त होने के बाद निगरानी कैमरों और वीडियो डेटा का सुरक्षा और प्रबंधन के लिए सख्त प्रोटोकॉल तय किए गए हैं। इसके अलावा पोलिंग टीमों को तब तक मतदान केंद्रों को न छोड़ने का निर्देश दिया है, जब तक वहां से तय प्रोटोकॉल के मुताबिक सारे कैमरे न उतार लिए जाएं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों में उपयोग किए गए एसडी कार्ड मतदान समाप्त होते ही तुरंत नहीं निकाले जा सकेंगे। संबंधित अधिकारियों को केवल कैमरे उतारने की अनुमति होगी, जिसके बाद कैमरे सेक्टर अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा, एसडी कार्ड केवल निर्धारित डेटा संग्रहण और रिसीविंग सेंटर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में ही निकाले जा सकेंगे। चुनाव अधिकारी ने कहा कि मतदान के दौरान रिकॉर्ड की गई सभी वीडियो फुटेज को सुरक्षित तरीके से संरक्षित किया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा, जब तक कैमरा उपकरण पूरी तरह नहीं उतार लिया जाता, तब तक मतदान दल का कोई सदस्य या बीएलओ मतदान केंद्र नहीं छोड़ सकता।

मनुष्य का कर्तव्य है, प्रयास करना और मेहनत करना। सफलता संयोग और परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

–शहीदे आजम भगत सिंह

अशोभनीय टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत 'नरक का द्वार' है, जैसी टिप्पणी कूटनीतिक मर्यादाओं के विपरीत है, इस तरह की भाषा उस परिपक्व वैश्विक नेतृत्व की अपेक्षाओं पर प्रश्न चिह्न लगाती है, जिसकी जिम्मेदारी किसी भी महाशक्ति के नेता पर होती है। ट्रंप ने बात पलटते हुए भारत को महान बताया, यह बात अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कही और यह नहीं बताया कि ट्रंप ने कब और कहां कहा, इसकी प्रमाणिकता संदिग्ध है।

विदेश मंत्रालय द्वारा ट्रंप के बयान को 'अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और खराब सोच वाला' बताया जाना एक संतुलित और संस्थागत प्रतिक्रिया है, किंतु देश के बारे में ऐसी ओछी टिप्पणी के विरोध में उच्च राजनीतिक स्तर से प्रत्यक्ष टिप्पणी का अभाव भी अपने आप में अलग संकेत देता है। भारत की यह चुप्पी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी परिपक्व कूटनीति का हिस्सा मानी जानी चाहिए। भारत और अमेरिका के संबंध दशकों से साझा हितों, रणनीतिक सहयोग और वैश्विक संतुलन पर आधारित रहे हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति के विवादास्पद बयान को द्विपक्षीय रिश्तों के व्यापक ढांचे पर हावी होने देना व्यावहारिक नहीं होगा, इसीलिए भारत अक्सर 'व्यक्ति नहीं, नीति' के स्तर पर प्रतिक्रिया देता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ट्रंप का यह पहला विवादास्पद बयान नहीं है। उन्होंने पहले भी भारत के व्यापार, कश्मीर और आंतरिक राजनीति पर असामान्य टिप्पणियां की हैं, जिनमें कई बार बाद में यू-टर्न भी लिया गया। यह उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा है, जहां तीखे बयान देकर घरेलू राजनीति में चर्चा बटोरी जाती है और फिर परिस्थितियों के अनुसार नरमी दिखाई जाती है। ट्रंप ने भारत जैसी ही टिप्पणी चीन के बारे में भी की, वहां की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत अधिक तीखी और प्रत्यक्ष रही। यह दोनों देशों की कूटनीतिक शैली का अंतर दर्शाता है, जहां चीन सार्वजनिक आक्रामकता दिखाता है, वहीं भारत संयमित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाता है। ट्रंप के बयान अक्सर अगंभीर और विरोधाभासी होते हैं। एक ओर वे भारत के प्रधानमंत्री को 'अच्छा मित्र' बताते हैं, तो दूसरी ओर उनका राजनीतिक करियर 'तबाह करने' जैसी बातें करते हैं। यह असंगति उनके व्यक्तित्व और राजनीतिक रणनीति दोनों को उजागर करती है। कई अमेरिकी विश्लेषक इसे 'पॉपुलिस्ट पॉलिटिक्स' का हिस्सा मानते हैं, जहां उत्तेजक बयान देकर जनभावनाओं को भुनाया जाता है, खासकर तब जब घरेलू मोर्चे पर चुनौतियां बढ़ रही हों।

भारत को चाहिए कि वह ऐसी परिस्थितियों में अपनी गरिमा बनाए रखते हुए अमेरिका और ट्रंप को स्पष्ट संदेश भी दे। सरकार आवश्यक होने पर अधिक मुखर और दृढ़ रुख अपनाए, ताकि भविष्य में कोई भी नेता भारत के प्रति इस तरह की टिप्पणी करने से पहले दो बार सोचे। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि द्विपक्षीय संबंध किसी व्यक्ति विशेष की बयानबाज़ी के बजाय संस्थागत मजबूती पर टिके रहें। कुल मिलाकर ट्रंप का बयान भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता। यह एक क्षणिक राजनीतिक अभिव्यक्ति है, न कि स्थायी कूटनीतिक दृष्टिकोण।

प्रसंगवश

सुकून की तलाश में रिवायत की ओर लौटता जीवन

मानव सभ्यता ने पिछले कुछ दशकों में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी शायद इतिहास के किसी अन्य कालखंड में नहीं हुई। आज मनुष्य सुविधा-संपन्न जीवन जी रहा है। आज पक्के मकान हैं, बिजली, पानी, वातानुकूलन, आधुनिक फर्नीचर, यातायात के लिए ट्रेन, बस, कार, स्कूटर, मोटरसाइकिल और विमान जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि संचार क्रांति ने आज पूरी दुनिया को एक छोटे से गांव में बदल दिया है।

इंटरनेट, मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीकों ने जीवन को तेज, आसान और बहुत ज्यादा सुविधाजनक बना दिया है। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इन सब उपलब्धियों के बीच मनुष्य के जीवन से शांति, संतोष और आत्मीयता कम होती चली गई है। सच तो यह है कि आज का मनुष्य जितना साधनों, मशीनों से समृद्ध हुआ है, उतना ही मानसिक रूप से वह व्यस्त, तनावग्रस्त और अकेला भी हुआ है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि इन सबने मानव का चैन-सुकून छीन लिया है।

सुनील कुमार महला
लेखक

पहले के समय में मनुष्य का जीवन प्रकृति के अधिक निकट था। लोग पैदल चलते थे, खेत-खलिहानों से जुड़े रहते थे, दिन-भर अथाह परिश्रम करते थे और शारीरिक रूप से अधिक स्वस्थ रहते थे। गांवों में बच्चे कई-कई कोस पैदल चलकर स्कूल जाते थे। बाजार जाना हो, खेत जाना हो या किसी रिश्तेदार से मिलने जाना हो, पैदल चलना सामान्य बात थी। इस कारण मनुष्य का शरीर सक्रिय रहता था, बीमारियां कम होती थीं और जीवन में अनुशासन भी बना रहता था।

आशा की किरण यह है कि अब समाज धीरे-धीरे अपनी जड़ों की ओर लौटने लगा है। लोगों को समझ में आने लगा है कि केवल आधुनिक साधन जीवन का समाधान नहीं हैं, इसलिए मिलेट्स यानी मोटे अनाजों की ओर फिर से ध्यान बढ़ा है। बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, सांवा जैसे अनाज फिर से थालियों में लौट रहे हैं। दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को महत्व दिया जा रहा है। आयुर्वेद, योग, प्राणायाम और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि बढ़ रही है।

सुबह-शाम टहलने, योग करने, व्यायाम करने और पार्कों में समय बिताने की प्रवृत्ति पुनः बढ़ी है। लोग जैविक खेती (आर्गेनिक खेती) की ओर आकर्षित हो रहे हैं। खेती के साथ आज पुनः पशुपालन को महत्व दिया जा रहा है। घरों में फिर से तुलसी, नीम, एलोवेरा, फूल-पौधे लगाए जा रहे हैं। पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए जा रहे हैं। मिट्टी के घड़े और पारंपरिक रसोई के साधनों का प्रयोग पुनः आरंभ हो रहा है।

भोजन में भी लोग पारंपरिक व्यंजनों की ओर लौट रहे हैं। दाल-बाटी-चूरमा, खीर, खिचड़ी, सत्तू, राबड़ी, दलिया, लस्सी, छाछ और घर के बने पकवानों का महत्व पुनः बढ़ा है। लोग समझ रहे हैं कि स्वाद और स्वास्थ्य का वास्तविक मेल घर के भोजन में ही है। वास्तव में मनुष्य को जीवन में केवल धन-पैसा नहीं चाहिए। धन आवश्यक है, पर पर्याप्त नहीं। यदि घर में शांति न हो, मन में संतोष न हो, संबंधों में प्रेम न हो और समाज में मानवीयता न हो, तो वैभव भी अधूरा है। आदमी को सुकून चाहिए, अपनापन चाहिए, चैन की नींद चाहिए, स्वस्थ शरीर चाहिए और ऐसा समाज चाहिए जहां संवेदना जीवित हो।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

बंगाल में ऐतिहासिक मतदान, तमिलनाडु भी पीछे नहीं

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने कमाल कर दिया। उन्होंने आजादी के बाद अब तक की सबसे ज्यादा वोटिंग की है। बंगाल में 92.72 फीसदी वोट पड़े हैं, तो तमिलनाडु में 85.14 प्रतिशत।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए बढ़-चढ़कर मतदान ने इतिहास रच दिया। इसे 'वोट क्रांति' कह सकते है। बंगाल में पहले चरण में 294 सीटों में से 152 सीटों पर मतदान हुआ। पहले चरण में 92.72 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.14 प्रतिशत मतदान ने पिछले सब रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29 प्रतिशत था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। आजादी के बाद हुए निर्वाचन के इतिहास में किसी भी राज्य एवं केंद्र शासित राज्य में इतना मतदान पहले कभी नहीं हुआ। इससे पहले रिकॉर्ड पुडुचेरी में नौ अप्रैल 2026 को हुए विधानसभा चुनाव का मतदान 89.87 प्रतिशत रहा है। परिणाम जो भी आएं, इस मतदान से परिपक्व संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र की मजबूती दिखाई देती है।

दूसरे राज्यों में रह रहे मतदाता बड़ी संख्या में वापस लौटे और मतदान किया। खासकर मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और उत्तर दिनाजपुर पहुंचने वाले मतदाताओं की संख्या अधिक रही। मुस्लिम मतदाताओं ने भी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, सूरत और केरल से आकर बड़ी संख्या में वोट डाले। एसआईआर की प्रक्रिया के चलते मतदाताओं में यह धारणा बनी कि मतदान नहीं करने पर मतदाता सूची से नाम कट सकता है। इस कारण नागरिकता भी गंवानी पड़ सकती है। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को बार-बार उछाला।

तृणमूल यहां मोदी और शाह के आक्रामक चुनाव प्रचार के आगे अस्तित्व बचाए रखने के लिए जूझ रही है। कांग्रेस और वाममोर्चा का प्रयास रहा है कि अपने-अपने पारंपरिक और छिटक चुके मतदाताओं तक पहुंच बनाकर वोट डलवा लें। गोया, इस बार सभी राजनीतिक दल पूरे समय अधिकतम मतदान के लिए सक्रिय रहे। इसी का नतीजा रहा कि रिकॉर्ड मतदान ईवीएम में कैद हो गया। यह मतदान उस गहरी राजनीतिक हलचल और विभाजित सामाजिक चेतना के संकेत हैं, जो इस बार के चुनाव को असाधारण बना रही हैं। यह रिकॉर्ड इसलिए भी बना, क्योंकि एसआईआर के चलते 91 लाख वोट हटाए गए हैं। ग्रामीण महिलाएं समूहों के रूप में मतदान के लिए आईं।

इसी तरह तमिलनाडु में भी पहली बार मतदाताओं ने बढ़े तापमान के बीच भारी मतदान किया। यहां सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में मतदान हुआ है। तमिलनाडु के 5.73 करोड़ मतदाताओं ने 85.14 प्रतिशत मतदान करके इतिहास रच दिया है। इसके पहले सर्वाधिक 78.12 प्रतिशत मतदान 2011 में हुआ था। तब एआईए-डीएमके की मुखिया रहीं जयललिता ने डीएमके को करारी शिकस्त देकर सत्ता के गलियारे से बाहर कर दिया था। यहां एसआईआर प्रक्रिया के जरिए 74 लाख मतदाता बाहर हुए हैं। अतिम शाह बंगाल में इस बढ़े मतदान को टीएमसी का सूपड़ा साफ हो जाने का आधार बता रहे हैं, हालांकि यहां अन्नाद्रमुक और द्रमुक के बीच कड़ा मुकाबला है। बहरहाल, ऊंट किस करवट बैठता है, यह तो परिणाम के बाद ही पता चलेगा।

बड़े मत-प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर रहा है। फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कालांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि जब मतदान प्रतिशत 75 से 85 होने लगता है, तो किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत कम हो जाती है। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाता, लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति नगण्य हो जाती है।

कालांतर में यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से भी मुक्त कर देगी, क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होता है? बावजूद इन चुनावों में जातीय और अल्पसंख्यक राजनीति सभी दलों की कार्यशैली में खुले रूप में दिखाई दी है। साफ है, जातीय कुचक्र का धरातल नीचे से नहीं, बल्कि ऊपर से बनाए रखने के उपाय किए जा रहे हैं।

बढ़ा हुआ यह मतदान विशुद्ध रूप से मतदाता की मनस्थिति से उपजा प्रतिशत है। कई मुद्दों पर वह चिंतित होकर मतदान के लिए घर से निकल गया तो मतदान-यज्ञ में अपने मत की आहुति देकर ही लौटा। ज्यादातर चुनावों में कुलीन मतदाता इसलिए मतदान नहीं करते हैं, क्योंकि एक तो वे मौसम की मार झेलने में स्वयं को समर्थ नहीं पाते, दूसरे वे अपनी बड़ी हैसियत का ख्याल रखते हुए लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान से बचते हैं, लेकिन बंगाल और तमिलनाडु में हुए मतदान से पता चलता है कि इस बार कुलीन मतदाताओं ने भी चुनावी यज्ञ में मतदान की आहुतियां दी हैं। अन्यथा मतदान का प्रतिशत इतना ऊंचा नहीं पहुंचता।

यह स्थिति मतदाता में बढ़ती राजनीतिक चेतना का प्रतीक भी है। वैसे भी लोकतंत्र की असली ताकत नागरिकों की अधिकतम भागीदारी में निहित है। बावजूद भारतीय लोकतंत्र की विशेषता है कि अंत तक कोई भी चुनावी विश्लेषक और चुनावी सर्वे एजेंसियां परिणाम से पूर्व हार-जीत का अनुमान लगाकर परिणामों के शत-प्रतिशत सटीक अनुमान नहीं लगा सकते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

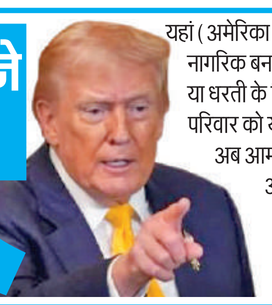

यहां (अमेरिका में) पैदा होने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है, फिर वो चीन, भारत या धरती के किसी दूसरे नर्क से अपने पूरे परिवार को यहां ले आते हैं। ऐसे उदाहरण अब आम हो गए हैं और इसके कारण अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है।

–डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रंप की टिप्पणियां अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और भद्दी हैं। ये बयान भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों का सही चित्रण नहीं करते। ट्रंप का बयान न केवल भारतीयों के लिए अपमानजनक है, बल्कि यह अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

–रणधीर जायसवाल
प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय, भारत

तपती धरती का असर अनौपचारिक श्रमबल पर

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिजाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है।

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिज़ाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी यह संकट अदृश्य चोट की तरह गहरा असर डाल रहा है। लैंसेट काउंटडाउन 2025 के अनुसार 2024 में गर्मी ने भारत से करीब 247 बिलियन श्रम घंटे छीन लिए, जिससे लगभग 194 बिलियन डॉलर की आय हानि हुई। 2030 तक गर्मी से 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियां प्रभावित होने का अनुमान है। बढ़ती गर्मी ने श्रम उत्पादकता को इस हद तक प्रभावित किया है कि काम की रफ्तार धीमी पड़ रही है, जिससे मजदूरों की कमाई घट रही है और देश की आर्थिक प्रगति भी बाधित हो रही है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय है, जहां बीमारी के दौरान विश्राम या आय-सुरक्षा जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, इसलिए वे मजबूरी में काम जारी रखते हैं और अपनी सेहत को और गहरे संकट में धकेलते जाते हैं।

इसके बावजूद, नीति स्तर पर यह संकट अब भी अपेक्षित प्राथमिकता हासिल नहीं कर पाया है। हीटवेव को अभी राष्ट्रीय आपदा का दर्जा नहीं मिला है, जिसके कारण राहत, पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था सीमित और धीमी बनी हुई है। नतीजतन, सबसे अधिक प्रभावित वर्ग ही सबसे कम संरक्षित रह जाता है। यदि जलवायु परिवर्तन को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाए, तो संसाधनों का अधिक प्रभावी और त्वरित आवंटन संभव होगा, निर्णय प्रक्रिया मंस तेजी आएगी और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन मजबूत होगा। यह कदम औपचारिकता नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

गर्मी अब सहनशीलता की सीमा नहीं, बल्कि सीधे स्वास्थ्य पर प्रहार करने वाली ताकत बन गई है। बढ़ती हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता साफ दिखाती है कि यह अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी और गहराता संकट है। ऐसे में इसे केवल पर्यावरण का मुद्दा मानना भूल होगी। इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार करना अब न केवल आवश्यक, बल्कि अपरिहार्य हो गया है।

इस उभरते संकट की सबसे निर्मम मार उसी विशाल अनौपचारिक श्रमबल पर पड़ रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था की धुरी है, फिर भी नीतिगत प्राथमिकताओं में हाशिये पर रहता है। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र के करीब 12.8 करोड़ कार्यकर्ता निर्माण स्थलों की धूल, सड़कों की तपिश, बाजारों की भीड़ और डिलीवरी के चक्र में जुटे मजदूर खुले आसमान के नीचे बिना सुरक्षा के काम करने को विवश हैं। उन्हें न पर्याप्त छाया मिलती है, न स्वच्छ व ठंडे पानी की नियमित उपलब्धता और न ही स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसेमंद तंत्र। यह विडंबना है कि जो हाथ देश की प्रगति को गति देते हैं, वही जलवायु संकट के सामने सबसे अधिक असहाय और असुरक्षित हैं।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभाव अब गहरे, व्यापक और चिंताजनक रूप ले चुके हैं। ऊंचा तापमान हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतों के खतरे को बढ़ा रहा है, वहीं गर्भवती महिलाओं में समय से पहले प्रसव का जोखिम 15-16 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। निर्जलीकरण, अत्यधिक थकावट, गुर्दे की खराबी और मांसपेशियों में ऐंठन जैसे लक्षण अब अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बन रहे हैं। जो आंकड़े सामने आते हैं, वे इस संकट की केवल ऊपरी परत दिखाते हैं, असल तस्वीर कहीं अधिक भयावह है, जहां अनगिनत पीड़ाएं और मामले बिना दर्ज हुए चुपचाप दब जाते हैं।

गर्मी का प्रभाव अब केवल शरीर की सहनशक्ति तक सीमित नहीं रहा, यह बीमारियों की प्रकृति, उनकी गति और उनके फैलाव की दिशा तक को बदल रहा है। तापमान में निरंतर वृद्धि और वर्षा के अस्थिर पैटर्न ने मच्छरों के जीवनचक्र को इस तरह परिवर्तित किया है कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां तेजी से नए भूभागों, यहां तक कि हिमालयी क्षेत्रों में भी पैर पसार रही हैं। जो संक्रमण कभी सीमित भौगोलिक दायरों में बंधे थे, वे अब उन क्षेत्रों में भी उभर रहे हैं, जहां पहले उनका नामोनिशान नहीं था। इस बदलाव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर असामान्य दबाव डाला है। पहले से ही वंचित और कमजोर समुदाय और अधिक खतरे में आ गए हैं।

समाधान के स्तर पर अब आधे-अधूरे उपायों से आगे बढ़कर ठोस और व्यापक कार्रवाई की जरूरत है। अनौपचारिक मजदूरों के लिए हीट-सेफ्टी कानून लागू करना, हर कार्यस्थल पर छाया और स्वच्छ पानी की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा काम के घंटों को तापमान के अनुसार वैज्ञानिक ढंग से पुनर्निर्धारित करना बेहद जरूरी है। शहरी इलाकों में हरित क्षेत्र बढ़ाना, सुलभ कूलिंग सेंटर विकसित करना और जलवायु-लचीला स्वास्थ्य ढांचा तैयार करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

परिवार में बुजुर्ग पुरुष

हर वृद्ध पुरुष को इसे पढ़कर चिंतन अवश्य करना चाहिए। पुरुष बूढ़ा होता है, जबकि स्त्री परिपक्व होती है। जैसे ही पुरुष अपने बच्चों की शादी कर देता है और परिवार की आर्थिक नींव मजबूत कर देता है, परिवार में उसका वरिष्ठ और सम्मानित स्थान धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। इसके बाद उसे बोझ समझा जाने लगता है। चिड़चिड़ा, गुस्सैल और अनिश्चित स्वभाव वाला बूढ़ा व्यक्ति। जिन कठोर निर्णयों से उसने कभी पत्नी और बच्चों के लिए व्यवस्था बनाई थी, आज उन्हीं निर्णयों की चीर-फाड़ होकर आलोचना होती है। एक न एक कारण से उसे दोषी ठहरा दिया जाता है और यदि वास्तव में उससे कोई गलती हुई हो तो भगवान ही रक्षा करे। वृद्ध स्त्री को इसके विपरीत, बच्चों और बहुओं से सहानुभूति मिलती है, क्योंकि उसके माध्यम से अभी भी कई काम करवाने होते हैं। सही समय आने पर वह समझदारी से पति के पक्ष से बच्चों के पक्ष में चली जाती है। जब पति उम्र में बड़ा हो, तो पत्नी बहू के साथ तालमेल बना लेती है, ताकि बेटा उससे दूर न हो और उसकी देखभाल करता रहे।

भूमिका पांडेय
राइटर

पुरुष ने जीवन में चाहे कितनी ही महान उपलब्धियां हासिल की हों, बुढ़ापे में वे किसी काम नहीं आतीं, जबकि वृद्ध स्त्री अपने पुराने पुण्यों का ब्याज जीवन भर पाती रहती है। जिन लोगों के पास पैतृक संपत्ति या खेती होती है (जिसकी बच्चों को अब भी इच्छा रहती है) उनकी स्थिति थोड़ी बेहतर होती है, लेकिन जिन्होंने भविष्य के झगड़ों से बचने के लिए समय से पहले संपत्ति बांट दी वे अक्सर उपरोक्त ही दुःखद स्थिति का सामना करते हैं, इसलिए संपत्ति समय से पहले न बांटना ही बेहतर है। किसी भी अस्पताल में चले जाएं, रिश्तेदारों की आंख देखकर ही पता चल जाता है कि भर्ती वृद्ध पुरुष है या वृद्ध स्त्री। यदि वृद्ध पुरुष हो, तो उसकी बेटी को छोड़कर शायद ही किसी की आंख नम होती है। जैसे ही पुरुष वृद्ध होता है, उसे सीख लेना चाहिए कि दूसरों से किसी भी प्रकार की अपेक्षा न रखे। याद रखें, मनुष्य जीवन भर विद्यार्थी है। समझ लें कि इस संसार में कोई किसी का नहीं है। विरक्ति, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान के साथ जीना सीखें।

आपने दूसरों के लिए क्या-क्या किया, यह सोचना भी छोड़ दें और इस बारे में बात करना भी बंद कर दें। प्राचीन शास्त्रों में कहीं भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता कि किसी स्त्री ने वानप्रस्थ या संन्यास ग्रहण किया हो। ये आश्रम केवल पुरुषों के लिए निर्धारित थे। इनके महत्व को समझें, तब ज्ञात होगा कि हमारे पूर्वज कितने दूरदर्शी थे।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

यूपीः स्टार्टअप के क्षेत्र में महिलाओं का बढ़ता प्रभाव

उत्तर प्रदेश अब केवल पारंपरिक कृषि और उद्योग तक सीमित राज्य नहीं रहा, बल्कि तेजी से देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। इस बदलाव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज महिलाएं न केवल स्टार्टअप शुरू कर रही हैं, बल्कि उन्हें सफलतापूर्वक चला भी रही हैं, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे दोनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण अब केवल सामाजिक बदलाव का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक मजबूत इंजन बन चुका है। महिलाओं की उद्यमिता को जो प्रोत्साहन मिला है, उसने राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज महिलाएं न केवल नौकरी तलाशने वाली हैं, बल्कि रोजगार देने वाली भी बन रही हैं।

धनीश शर्मा
लेखक

जहां पहले उत्तर प्रदेश में महिलाओं की स्थिति काफ़ी दयनीय हुआ करती थी, वहीं अब प्रदेश की महिलाएं पुरुषों की भांति कंधे से कंधा मिलाकर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए मजबूती के साथ बढ़ रही हैं। एक वक्त वह था जब महिलाएं केवल घर तक ही सीमित थीं, लेकिन समय के बदलाव के साथ समाज में उनकी सोच और भूमिका दोनों में बड़ा परिवर्तन आया है।

किसी भी प्रदेश की महिलाएं तभी तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ सकती हैं, जब वहां उन्हें अवसरों के साथ-साथ सुरक्षा और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर भी मिले। यह कोई अनायास नहीं है कि जहां वर्ष 2017 में केवल 174 महिला-निदेशक स्टार्टअप्स थे, वही संख्या वर्ष 2025 तक बढ़कर 2525 हो गई है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के आंकड़े इस बदलाव की स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं। यह वृद्धि सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे सरकार की दूरदर्शी नीतियां, बेहतर निवेश माहौल और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता है।

राज्य सरकार ने महिला उद्यमियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें आसान ऋण, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और मार्केट तक पहुंच जैसी सुविधाएं शामिल हैं। स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल ने भी महिलाओं को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए मंच दिया है। इसके साथ ही वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) योजना ने स्थानीय स्तर पर महिला कारीगरों और उद्यमियों को नई पहचान दिलाई है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी तेजी से हो रहा है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तो उनके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलता है।

इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स के विस्तार ने भी महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर दिया है। अब गांवों और छोटे शहरों की महिलाएं भी अपने व्यवसाय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जा रही हैं। यह बदलाव उत्तर प्रदेश को एक नए आर्थिक मॉडल की ओर ले जा रहा है, जहां विकास का केंद्र केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि हर जिला और हर गांव है, हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वित्तीय साक्षरता की कमी, सामाजिक बाधाएं और तकनीकी ज्ञान का अभाव कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लगातार काम करने की जरूरत है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मध्य प्रदेश भारत के उत्तर और दक्षिण तथा पूर्व और पश्चिम का संधि-स्थल ही नहीं है, अपितु भौगोलिक दृष्टि से यहां पहाड़ पठार, घने वन, विस्तृत मैदान और नदी घाटियों का आकर्षक एवं समृद्ध प्रकृति का वरदान भी है। प्रकृति, कला और सौंदर्य की दृष्टि से यह पर्यटकों के लिए स्वर्ग है। ऐसा संयोग कम ही स्थलों को मिलता है, जहां प्रकृति की सुंदर छटा भी बिखरी हो और साथ ही धार्मिकता का पुण्य-लाभ भी प्राप्त हो, कदाचित मध्य प्रदेश का अमरकंटक ऐसा ही अनुपम स्थान है।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शनीय स्थल
अमरकंटक

अमरकंटक में प्रकृति रोमांचित करती है। घने जंगल आनंदित करते हैं तथा अध्यात्म और धर्म इस नगरी को एक विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। वास्तव में यह ऐसी जगह भी है, जो दो बड़ी नदियों नर्मदा और सोन का उद्गम स्थल भी है। पूर्व से पश्चिम की दिशा में बहने वाली देश की दो नदियों में एक नर्मदा का उद्गम एक छोटे कुंड से हुआ देखकर आश्चर्य होता है। पानी की झिर इस कुंड से होकर बड़े आयताकार कुंड में एकत्र होती है। इस जलसंरचना का निर्माण कल्चुरी काल में किया गया। इसी प्रकार सोनमूढ़ा नर्मदाकुंड से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर मैकल पहाड़ियों के किनारे पर है। सोन नदी 100 फीट ऊंची पहाड़ी से एक झरने के रूप में यहां से गिरती है। इनके उद्गम को देखेंगे, तो लगेगा ही नहीं कि छोटे-छोटे कुंडों से निकलकर काफी दूर तक बहुत पतली धारा में बहने वाली ये नदियां देश की संस्कृति और धार्मिकता एवं विकास को नए आयाम देती हैं।

पहाड़ों पर बसावट

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के बीच स्थित अमरकंटक को तीर्थराज की संज्ञा भी दी गई है। यह समुद्र तट से लगभग 1065 मीटर ऊंचाई पर स्थित हिल स्टेशन की अनुभूति कराता है। कल्चुरी कालीन प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध अमरकंटक घने जंगल तथा औषधीय गुणों से भरपूर पौधों की संपदा के लिए प्रसिद्ध है। यहां खदानें भी हैं और जलप्रपात भी, जल के अदृश्य स्रोत भी और सुंदर आश्रम तथा मंदिर भी। यहां का शांत वातावरण पर्यटकों को सहज ही आत्ममुग्ध कर देता है। अमरकंटक की यात्रा आध्यात्मिक स्पर्श कराती है। यहां आते ही हवा में ताजगी और शुद्धता का आभास होने लगता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार माता सती के दो अंग इस क्षेत्र में गिरे थे, अतः यह क्षेत्र दो शक्तिपीठों का क्षेत्र होने के कारण अति पवित्र है। उन दो स्थानों में से एक सोनमूढ़ा सोन नदी के उद्गम स्थल के पास है और दूसरा मां नर्मदा के उद्गम के पास स्थित देवी पार्वती जी का मंदिर है। यहां से मनमोहक झरने, पवित्र तालाब, ऊंची पहाड़ियों और शांत वातावरण यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

यहां कैसे पहुंचें

अमरकंटक जबलपुर और बिलासपुर के निकट है। शहडोल से भी सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है। अमरकंटक का निकटतम हवाई अड्डा जबलपुर में है। यहां से अमरकंटक की दूरी 245 किमी है। जबलपुर - बिलासपुर ट्रैक पर पेंट्रा रोड स्टेशन अमरकंटक के सबसे समीपस्थ रेलवे स्टेशन है। बिलासपुर, अनूपपुर और जबलपुर जंक्शन से भी अमरकंटक पहुंचा जा सकता है। शहडोल रेलवे-स्टेशन से अमरकंटक से 80 किमी तथा अनूपपुर रेलवे-स्टेशन से 72 किमी दूर है, जहां से लगातार बसें और टैक्सियां चलती रहती हैं।

प्रमुख स्थल

- **भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर** – अमरकंटक के प्रमुख मंदिरों में भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर है। इसे कल्चुरी शासक कर्ण देव महाचंद्र ने 1041-1073 ई. में निर्माण कराया था। मंदिर में कल्चुरी कालीन शिल्पकारों की बनाई आकृतियां सम्मोहित करती हैं।
- **कपिलाधारा**– अमरकंटक की यात्रा कपिलाधारा देखे बिना अधूरी रहेगी। यहां 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है। धर्मग्रंथों में कहा गया है कि कपिल मुनि यहां रहते थे। कपिल मुनि ने सांख्य दर्शन की रचना इसी स्थान पर की थी। कपिलाधारा के निकट ही कपिलेश्वर मंदिर भी बना है। इस जगह के आसपास कई गुफाएं हैं, जहां अब भी साधु-संत ध्यानमग्न देखे जा सकते हैं।
- **कबीर चबूतरा** – कबीरपंथियों के लिए इस स्थान का बहुत महत्व है। कहा जाता है कि संत कबीरदास संवत 1569 में बांधवगढ़ से जगन्नाथपुरी प्रवास के समय यहां लंबे समय तक रहे थे। उन्होंने यहां पर ध्यान लगाया था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर कबीरदास के प्रवास के बीच गुरु नानक देव जी उनसे मिलने आए थे। कबीर चबूतरे के निकट ही रानी झरना (कबीर झरना) भी है। कबीर चबूतरे के ठीक नीचे एक जलकुंड है, जिसके बारे में कहा जाता है कि सुबह की किरणों के साथ ही यहां के जलकुंड का पानी दूध की तरह सफेद हो जाता है।
- **धूनी पानी** – यहां गर्म पानी का झरना है। इसके बारे में कहा जाता है कि यह झरना औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें स्नान करने से शरीर के असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं।
- **दुग्धधारा** – दुग्धधारा एक ऐसा झरना है, जिसका जल दूध के समान प्रतीत होता है, इसीलिए इसे दुग्धधारा के नाम से जाना जाता है।
- **सोनमूढ़ा**– यह सोन नदी का उद्गम स्थल है। यहां से घाटी और जंगल से ढकी पहाड़ियों के सुंदर दृश्य देखे जा सकते हैं।
- **मां की बगिया**– यह माता नर्मदा को समर्पित है। कहा जाता है कि इस हरी-भरी बगिया से शिव जी की पुत्री नर्मदा पुष्पों को चुनती थीं। यह बगिया नर्मदा कुंड से एक किलोमीटर की दूरी पर है।

सर्वोदय जैन मंदिर

यह मंदिर भारत के अद्वितीय मंदिरों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। इस मंदिर को बनाने में सीमेंट और लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है। मंदिर में स्थित मूर्ति का वजन 24 टन के लगभग है। भगवान आदिनाथ अष्ट धातु के कमल सिंहासन पर विराजमान हैं, कमल सिंहासन का वजन 17 टन है। प्रतिमा को मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज ने 6 नवंबर, 2006 को विधि-विधान से स्थापित किया था।

100 फीट ऊंचा जलप्रपात

पहले अमरकंटक शहडोल जिले में था। अब यह अनूपपुर जिले में है। यह मैकल पर्वत श्रृंखला पर स्थित है। पत्थरों की चारदीवारी के अंदर पत्थर से निर्मित नर्मदाकुंड मंदिर, शिव परिवार, कार्तिकेय मंदिर, श्री सूर्यनारायण मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, ग्यारह रुद्र मंदिर, अन्नपूर्णा, गुरु गोरखनाथ, श्री रामजानकी, श्री राधाकृष्ण मंदिर, श्री ज्वालेश्वर महादेव, सर्वोदय जैन मंदिर, कबीर चबूतरा, कपिलाधारा, माई की बगिया आदि स्थल सदियों पुरानी स्थापत्यकला को सहेजे हुए हैं, जहां धार्मिक पर्यटकों को आना उपकृत करता है। मंदिर परिसर के आसपास परिक्रमावासियों के समूह अमरकंटक को तपस्थली के रूप में प्रतिबिंबित करते हैं। नर्मदा विश्व की एक मात्र सरिता है, जिसकी परिक्रमा की जाती है। कुंड से आगे निकलकर नर्मदा कल-कल बहने लगती है। लगभग 6 किलोमीटर की यात्रा कर नर्मदा 100 फीट ऊंचा जलप्रपात बनाती है, जिसे कपिलाधारा के नाम से जाना जाता है। हरे-भरे वातावरण से घिरे इस झरने के आगे दूध धारा है, जो छोटा जलप्रपात है। यहां पर्यटक निडर होकर स्नान करते हैं। कालिदास भी यहां आए थे और वे यहां की सुंदरता में निमग्न हो गए। उनके मेघदूत के बादल इसी अमरकंटक नगरी के ऊपर से विचरण करते हैं। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने भी यहां आकर तप किया था।

नर्मदा परिक्रमा

नर्मदा परिक्रमा विधि-विधान नियम से की जाए, तो 1300 किमी से भी अधिक लंबी परिक्रमा होती है, जो 3 वर्ष 3 महीने 13 दिन में पूर्ण होती है, किंतु आज के समय में मोटरसाइकिल या चौपहिया वाहन के द्वारा यात्रा को जल्दी पूरा कर लिया जाता है। नर्मदा परिक्रमा में नर्मदा नदी को पार नहीं किया जाता है। परिक्रमा में सभी स्थानों पर दर्शनीय स्थल देखने को मिलते हैं।

बीती यादें

कहां खो गया इक्का!

पता नहीं इक्का कहां खो गया? पहले शहरों-कस्बों में आवागमन का यही मुख्य साधन हुआ करता था। बैलगाड़ी गांव-देहात में आवागमन और भार वाहन का साधन थी।

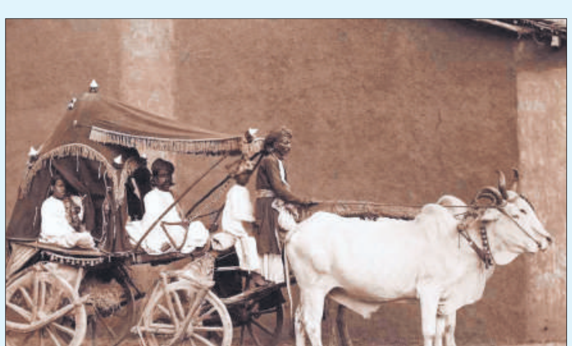

मोहनजोदड़ो, हड़प्पा की खुदाई में बैल की एक प्रतिमा मिली है। तांबे का एक इक्का मिला है। इससे प्रमाणित होता है कि इक्का भारत सहित एशिया के एक बड़े भूभाग में आवागमन का प्रमुख साधन था। अब करनाल की राखीगढ़ी की खुदाई में कुछ ऐसी ही चीजें मिल रही हैं। इक्का को एक घोड़ा या एक बैल खींचता था। एक धुरी पर दो पहिए लगे होते थे और ऊपर छाया के लिए एक छतरी। गाय दूध देती थी और उसके बछड़े खेत में हल चलाते थे। यही बैल गाड़ी भी खींचते थे। रथ, रब्बा, बहल, छकड़ा और सग्गड़ भी। प्राचीन काल में इक्का घोड़ा दौड़ और बैल और बैल गाड़ी की दौड़ प्रतियोगिता होती थी।

शिवचरण चौहान
लेखक

एक्का, तांगा, खड़खड़ा, टमटम, रथ, रब्बा, सग्गड़ और बैलगाड़ी यही आवागमन के प्रमुख साधन थे। जब तक डीजल और पेट्रोल की खोज नहीं हुई थी। बिजली और सौर ऊर्जा की खोज नहीं हुई थी। इन सबका बहुत महत्व था। गांव की बारात बैलगाड़ियों से जाती थीं। कतार में गाड़ियां कच्ची सड़कों पर चलती दिखाई देती थीं। गाड़ी वाले बैला धीरे हांक रे तथा जरा ललकार के बैला हांकों, मेरे सैंया गाड़ीवान जैसे गीत फिल्मों में लोकप्रिय होते थे।

फिल्म तीसरी कसम का गाड़ीवान बहुत लोकप्रिय हुआ था। टमटम चार पहियों की गाड़ी होती थी। जबकि इक्का दो पहियों की जिसमें सिर्फ एक सवारी बैठती थी। बग्घी भी चार पहियों की सवारी होती थी। पहले राजा महाराजा और बादशाह अमीर लोग बग्घी पर चला करते थे। बग्घी पर अभी भी बारातें निकलती हैं। डेकोरेटेड बग्घी कई शहरों में शादी-बारात के लिए बुक की जाती थी। अब सब बीती यादें हैं। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी उसने कहा था में तांगे वाले का जिक्र आया है।

अब पेट्रोल-डीजल बैटरी और बिजली सौर ऊर्जा से चलने वाली कारें, बसें आ गई हैं, तो इक्के वालों को कौन पूछेगा? एक संस्कृति विलुप्त हो रही है। आवागमन के साधन इतिहास में पढ़ाए जाएंगे इक्का, तांगा, टमटम और बग्घी।

जॉब का पहला दिन

एक नई सोच को स्थापित करने वाला पहला कदम

जीवन में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो बिना किसी पूर्व सूचना के आ जाते हैं और आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होता है कि इसी राह पर आपका करियर बनेगा, पर नियति आपको उसी दिशा में मोड़ देती है, जिसके लिए आप बने हैं। बात उन दिनों की है जब मैं मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर नई दिल्ली में एक निजी कंपनी में अपना भविष्य टटोल रहा था। एक कंपनी में 15 दिन की ट्रेनिंग के लिए मैं दिल्ली में ही था। संयोग देखिए – 11 सितंबर 2001, जिस दिन न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर दुनिया का सबसे भीषण आतंकी हमला हुआ, उसी दिन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट से एक संदेश मिला: "आपका चयन मास्टर इन टूरिज्म मैनेजमेंट के पहले बैच में अतिथि शिक्षक के रूप में हो गया है।" वही क्षण मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट बना, जब मैंने अकादमिक जगत में पहला कदम रखा। मन में हलचल थी, 25 साल की उम्र और सामने लगभग हमउम्र विद्यार्थियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी, भीतर कहीं डर भी था, मगर पहली कक्षा के बाद संस्थान के वरिष्ठ शिक्षकों, खासकर निदेशक महोदय और वरिष्ठ प्रोफेसर ने जब कहा, "धीरे-धीरे सब परिपक्व होते हैं," तो उन्हीं शब्दों ने मेरे भीतर नई ऊर्जा भर दी।

नौकरी का पहला दिन था। पिताजी ने सहज भाव से कहा, "यह तो प्रोफेसर बन गया।" अगले दो दिन रिश्तेदारों के फोन आते रहे- सब यही दोहराते, "आपका बेटा प्रोफेसर हो गया।" किसी को यह एहसास ही नहीं था कि प्रोफेसर एक बड़ा पद होता है, जबकि मैं तो केवल पार्ट-टाइम गेस्ट फैकल्टी, यानी लेक्चरर के रूप में जुड़ा था। मैं जब स्वयं विद्यार्थी था, तभी से डायरी लिखने का शौक था। जब पुराने पन्ने पलटे तो कहीं नहीं लिखा था कि मुझे शिक्षक बनना है। मैं तो देश-शहर सुधारने के सपने देखता हुआ सिविल या डिफेंस सर्विस में जाना चाहता था। किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। बिना हिचक मैंने शिक्षण को अपनाया। पहले ही वर्ष संस्थान में पहचान बनने लगी और दो साल के भीतर मैं नियमित लेक्चरर के पद पर चुन लिया गया। जीवन अनिश्चितताओं और संघर्ष का ही दूसरा नाम है। मेरा जीवन भी उससे अलग नहीं था। इन्हीं संघर्षों ने मेरे व्यक्तित्व को तराशा, एक नई पहचान दी। वह दौर था जब कई युवा शिक्षक एक साथ आए थे, प्रतिस्पर्धा चरम पर थी। इन्हीं संघर्षों और मेरे शांत स्वभाव ने मुझे स्थायित्व दिया।

शुरुआत में लगता था कि सब पीछे खींचना चाहते हैं, पर वह केवल भ्रम था। पहले वर्ष से ही मैंने इसे स्वीकार कर अपने व्यक्तित्व को निखारना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे नए पड़ाव आते गए। अपने शुरुआती विचारों को साकार करने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के भीतर रचनात्मकता दिखाने का मौका मिला। विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल, काउंसलिंग सेल, होटल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग की स्थापना और राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे नए कॉन्सेप्ट स्थापित किए। एनएसएस ने समाज के प्रति मेरा दृष्टिकोण व्यापक किया। एक नई विचारधारा जन्मी-शैक्षिक दायित्व के साथ-साथ समाज के प्रति भी हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इस सोच के साथ सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ी। कुछ ही वर्षों में पर्यटन, सामाजिक विकास और जन-जागरूकता जैसे विषयों पर पकड़ बनी। आज कानपुर शहर को केंद्र में रखकर हैप्पीनेस, स्वास्थ्य और विजन कानपुर पर काम हो रहा है। "मुस्कुराए कानपुर", "कानपुर हेल्थ कमेटी" और "कानपुर सुपर 100" जैसी संस्थाएं खड़ी कर शहर के हर क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों को जोड़ते हुए "नव कानपुर, कुशल कानपुर" बनाने का प्रयास जारी है। सामाजिक दृष्टिकोण और प्रबंधन क्षमता के साथ जिला प्रशासन के साथ भी पर्यटन विकास और शहर के विकास में सलाहकार की भूमिका निभाकर आत्मिक संतुष्टि मिल रही है। हर इंसान के जीवन में अलग-अलग पड़ावों पर रोल मॉडल होते हैं। माता-पिता के बाद प्रारंभिक काल में एक सरकारी कार्यालय के अधीक्षक रोल मॉडल थे। सेवा भाव से भरे हुए, आज कुलपति महोदय की प्रशासनिक क्षमता, कार्य के प्रति समर्पण और दूरदर्शिता मुझे प्रेरित करती है।

डॉ. सुधांशु राय
असिस्टेंट प्रोफेसर
कानपुर

आज जहां भी खड़ा हूं, अपने परिवार के समर्पण एवं सहयोग से। मैं मानता हूं कि मैंने सब कुछ नहीं पाया, पर काफी हद तक जीवन में संतुष्ट हूं खुश हूं। शैक्षिक दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाते हुए समाज को नया नेतृत्व देने की कोशिश कर रहा हूं। ऐसा नेतृत्व जो अपने शहर कानपुर को "नया कानपुर, खुशहाल कानपुर" बनाने की दिशा में कुछ सार्थक कर सके।

कालजयी उपन्यास 'देवदास' के रचयिता शरतचंद्र

भारत में कई ऐसे यशस्वी साहित्यकार हुए हैं, जिनकी कृतियां विश्व भर में पढ़ी जाती हैं। इन साहित्यकारों में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की गणना प्रथम पंक्ति में की जाती है। आम आदमी को केंद्र में रखकर सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने पर बुने उनके उपन्यास और कहानियां पाठकों में बहुत लोकप्रिय हुईं।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय, एक ऐसे उपन्यासकार हैं, जिन्होंने अपने शब्दों और कुछ अविस्मरणीय लेखन के कारण लोगों के मन-मस्तिष्क पर एक गहरी छाप छोड़ी। उन्हें पश्चिम बंगाल के लोगों के मनोभावों, उनकी रुचियों, परंपराओं तथा उनकी जीवन शैली की गहरी समझ थी। एक विख्यात लेखक, जिनकी स्पष्ट और अविस्मरणीय लेखन की सरल शैली उस समय के नियमित पाठकों को पढ़ने के लिए एक बेहतरीन समाग्री थी। शरतचंद्र ने अपने उपन्यास और कहानियों में बंगाल के ग्रामीण अंचल में प्रचलित संस्कृति और वहां की जीवन शैली को एक नया आयाम दिया। उनके उपन्यासों और कहानियों के अधिकांश पात्र समाज के सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके आचरण तथा व्यवहार में सादगी तथा भोलापन स्पष्ट रूप से झलकता है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

शरतचंद्र का जन्म हुगली जिले के देवानंदपुर गांव में हुआ था। उन्होंने अपना बचपन भागलपुर में अपने मामा के घर में बिताया। 1894 में, उन्होंने टीएन जुबली कॉलेजिएट स्कूल से प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और उन्हें एफए क्लास में भर्ती कराया गया, लेकिन गरीबी के कारण अपनी आगे की शिक्षा जारी रखने में असमर्थ हो गए।

शरतचंद्र का व्यक्तित्व बहुमुखी प्रतिभा का धनी था, इसलिए उन्होंने जीवन के कई क्षेत्रों में कार्य किया। सबसे पहले उन्होंने बनाली एस्टेट में सहायक सेटलमेंट ऑफिसर के रूप में कार्य करना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता के उच्च न्यायालय में एक अनुवादक के रूप में काम किया। फिर उन्होंने बर्मा रेलवे में लेखा विभाग में क्लर्क के रूप में काम किया। शरतचंद्र चट्टोपाध्याय बंगाल कांग्रेस के सक्रिय सदस्य भी रहे। वे भारतीय कांग्रेस द्वारा देश की आजादी के लिए चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन में भाग लेते थे। बाद में, उन्हें हावड़ा जिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय को एक ऐसा लेखक माना जाता है, जिन्होंने बंगाल के ग्रामीण परिवेश को अपने लेखन में अच्छी तरह से समाहित किया है। उनके कृतियों में ग्रामीण सार है, क्योंकि इनमें साधारण परिवारों, शहरों से बहुत दूर प्रकृति की गोद में, नदियों, पेड़ों और कृषि भूमि के बीच के जीवनकाल को कहानियों के रूप में दर्शाया गया है। उन्होंने महिलाओं के बारे में बहुत अधिक लिखा और एक पितृसत्तामक समाज में उनकी स्थिति के बारे में स्पष्ट रूप से और ईमानदारी से बताया। उन्होंने धर्म के नाम पर हो रहे सामाजिक भेदभाव, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ विरोध किया।

शरतचंद्र का पहला उपन्यास 'बड़ीदीदी' 1907 में प्रकाशित हुआ। यह उपन्यास पाठकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुआ। इसके बाद उनका उपन्यास 'बिंदुर छेले' सन् 1913 में और एक अन्य उपन्यास 'परिणीता' 1914 में प्रकाशित हुआ। उनके इन उपन्यासों को पाठकों ने हाथों-हाथ लिया और उन्हें अपार लोकप्रियता हासिल हुई।

सन् 2016 में उनका उपन्यास 'बैकुन्ठेर उइल' सन् 1917 में 'देवदास', 'श्रीकांत' और 'चरित्रहीन' प्रकाशित हुए। देवदास और चरित्रहीन उपन्यास के प्रकाशन के बाद शरतचंद्र की गणना देश के चोटी के उपन्यासकारों में होने लगी।

सन् 1926 में शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का उपन्यास 'पाथेर दाबी' प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास का कथानक क्रांतिकारी विषयवस्तु पर आधारित था और पाठकों को आजादी के लिए प्रेरित करता था, इसलिए ब्रिटिश सरकार द्वारा इसे प्रतिबंधित कर दिया गया। अपनी साहित्य यात्रा के दौरान शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने बच्चों के लिए कई कहानियां और उपन्यास लिखे। इनमें 'रामर शुमाती' तथा 'लालू और उनके दोस्त' जैसी लघु कथाएं शामिल हैं। उनके उपन्यास और कहानियों पर सफल फिल्में भी बनाई गईं। इन फिल्मों में 'देवदास', 'परिणीता', और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों ने अपार सफलता अर्जित की और वे दर्शकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुईं। शरतचंद्र को बंगाली साहित्य में योगदान देने के लिए कई पुरस्कार मिले। इनमें सन् 1903 में उन्हें मिला 'कुंतालिन पुरस्कार' सबसे महत्वपूर्ण है। सन् 1923 में बंकिम चंद्र चटर्जी को 'जगत्तारिणी स्वर्ण पदक' से विभूषित किया गया। सन् 1934 में उन्हे 'बंगाली संगीत परिषद' की सदस्यता प्रदान की गई।

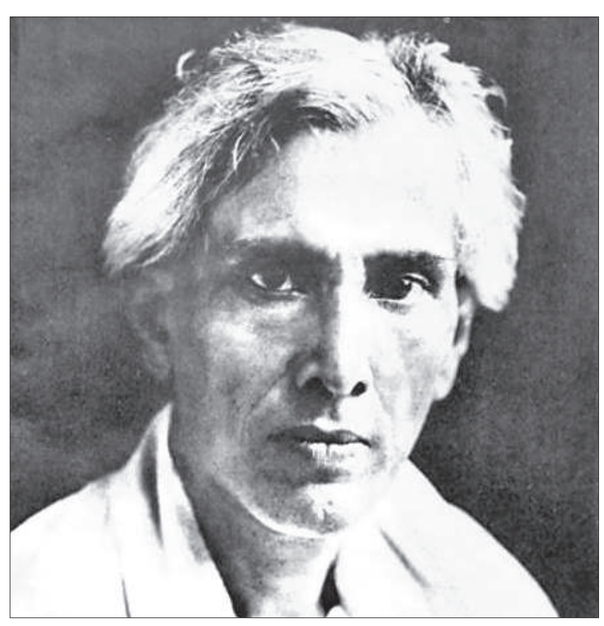

16 जनवरी 1938 को उनकी मृत्यु से बंगाल साहित्य को भारी नुकसान हुआ। उनके द्वारा लिखे गए उपन्यास हिंदी साहित्य की भी अनमोल धरोहर हैं। उनके विश्व प्रसिद्ध उपन्यासों के लिए उनका सदैव स्मरण किया जाएगा। यह देश और समाज उनका ऋणी रहेगा।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1960, फ़ॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13 किग्रा 2360, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 किग्रा 2130, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2520, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवाइन 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 11700, हरी पत्ती नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400, लाडली 4400

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 152800, गिन्नी जेवर 148800, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 244000 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3200, मसूरी 1000, बासमती 7200-8400, परमल 1000-3600

दाल दलहन : काला चना 2000-3000, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5000, राजमा 7400-12200, दाल उड़द 4800, साबुत मसूर दाल 2000, मसूर दाल 1700, उड़द साबुत 10300, काबुली चना 5000-10200, अरहर दाल 10000 -12300, लोबिया/करमानी 1200-1400

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा

तेल की बढ़ती कीमतों और आईटी शेयर में बिकवाली ने दिया झटका, निफ्टी भी 455 अंक गिरा

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और आईटी कंपनियों के शेयर में भारी बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख और होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार व्यवधान से कारोबारियों के बीच निराशा का माहौल गहराया रहा। बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक यानी 1.29 प्रतिशत टूटकर 76,664.21 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 275.10 अंकों की गिरावट हुई।

कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,260.13 अंक यानी 1.62 प्रतिशत फिसलकर 76,403.87 अंक तक चला गया था। बीएसई पर कुल 2,905 शेयर में गिरावट आई जबकि 1,326 में बढ़त हुई और 158 में कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 1,829.33 अंक या नी2.33 प्रतिशत गिरा जबकि निफ्टी में 455.6 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की गिरावट आई। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर. ने कहा, भारतीय शेयर बाजारों ने लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज रही। जोखिम से बचने की भावना ने निवेशकों के भरोसे को प्रभावित किया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आईटी क्षेत्र में लगातार कमजोरी ने बाजार पर दबाव बनाना जारी रखा।

इन्फोसिस का शेयर 7.09 प्रतिशत टूटा

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस का शेयर सर्वाधिक 7.09 प्रतिशत टूटा। एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

बढ़त के साथ हुए बंद : ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक।

स्मॉलकैप 0.95, मिडकैप 0.91 प्रतिशत टूटा

बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट 0.95 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट 0.91 प्रतिशत टूटा। बीएसई आईटी में 5.13 प्रतिशत, बीएसई फोकस्ड आईटी में 4.65 प्रतिशत, स्वास्थ्य देखभाल में 1.35 प्रतिशत, दूरसंचार में 1.33 प्रतिशत, रियल्टी में 1.30 प्रतिशत, सेवाओं में 1.17 प्रतिशत की गिरावट आई।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 107.3 डॉलर प्रति बैरल
- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बेचे 3,254.71 करोड़ रुपये के शेयर
- दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ हुए बंद
- जापान का सूचकांक निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ हुआ बंद

रुपया 15 पैसे कमजोर 94.16 प्रति डॉलर हुआ

मुंबई। रुपये में भी शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे टूटकर 94.16 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से घरेलू मुद्रा दबाव में है। रुपये में पिछले पांच सत्रों से लगातार गिरावट जारी है। घरेलू बाजार से निरंतर निकासी का भी असर पड़ रहा है।

तीन सत्रों की गिरावट से निवेशकों के 7.17 लाख करोड़ रुपये उड़े

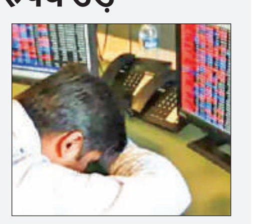

नई दिल्ली। शेयर बाजार में तीन सत्र की गिरावट से निवेशकों की संपत्ति 7.17 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स तीन प्रतिशत से अधिक टूट गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है, इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। इन तीन सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 2,609.12 अंक यानी 3.29 प्रतिशत टूटा और बीएसई में शामिल 30 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7,17,476.54 करोड़ रुपये घटकर 4,61,49,758.18 करोड़ रुपये रह गया। लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने आपूर्ति व्यवधान की आशंकाओं को बढ़ा दिया है जिससे ब्रेंट क्रूड 106 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है।

डॉलर के मजबूत होने से तीसरे दिन भी सोना और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना-चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट हुई। डॉलर मजबूत होने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमत 200 और चांदी की 3,000 रुपये घटी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये गिरकर सभी कर सहित 1,55,900 रुपये 10 ग्राम रह गया जो गुरुवार को 1,56,100 रुपये 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 3,000 रुपये गिरकर सभी करों सहित 2,47,000 रुपये किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.36 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान 2.36 अरब डॉलर बढ़कर 703.30 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.82 अरब डॉलर बढ़कर 700.94 अरब डॉलर रहा था। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

सिफारिशः घरेलू कीटनाशकों पर जीएसटी घटाकर 5% करें

नई दिल्ली। मच्छरों और कीटों से होने वाली बीमारियों से लड़ने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए जीएसटी परिषद को घरेलू कीटनाशकों पर लगने वाले कर को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करना चाहिए। ईवाई-एचआईसीए ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में इस पर जोर दिया गया है।

- **ईवाई-एचआईसीए ने रिपोर्ट जारी कर जीएसटी परिषद से किया आग्रह**

रिपोर्ट के अनुसार लिक्विड वेपोराइजर, कॉइल और एरोसोल जैसे घरेलू कीटनाशक भारत के निवारक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से घरेलू स्तर पर जहां इन बीमारियों से सुरक्षा अभी भी असमान है। ईवाई और होम इंसेक्ट कंट्रोल एसोसिएशन की इस संयुक्त रिपोर्ट में इस बात की पड़ताल की गई है कि वर्तमान 18 प्रतिशत की जीएसटी दर इन उत्पादों की वहनीयता, पहुंच और उपयोग को खासकर संवेदनशील और उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच किस तरह प्रभावित करती है। रिपोर्ट में इन उत्पादों पर कर को अन्य आवश्यक स्वच्छता और स्वास्थ्य-सुरक्षा उत्पादों की तर्ज पर पांच प्रतिशत करने का तर्क दिया गया है।

पाकिस्तान ने यूएई को लौटाया 3.45 अरब डॉलर का कर्ज

इस्लामाबाद। वित्तीय संकट में घिरे पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को बकाया 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर का पूरा कर्ज लौटा दिया है। एक अरब डॉलर की राशि अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट को चुकाई गई, जबकि 2.45 अरब डॉलर का भुगतान पिछले सप्ताह कर दिया गया था।

- **हाल ही में सऊदी अरब से मिली थी तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता**

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के मुताबिक यह भुगतान 23 अप्रैल को पूरा किया गया। इसके साथ ही यूएई को कुल 3.45 अरब डॉलर की जमा राशि की वापसी पूरी हो गई है। पाकिस्तान को हाल ही में सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मिली है। यह राशि दो किस्तों में आई, जिसमें दूसरी किस्त के रूप में एक अरब डॉलर 21 अप्रैल को प्राप्त हुए। पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़े तनाव के बाद यूएई ने पाकिस्तान से यह धन तत्काल लौटाने को कहा था। यह राशि 2019 में यूएई द्वारा पाकिस्तान को उसके भुगतान संतुलन को स्थिर करने के लिए दी गई बाहरी वित्तीय सहायता का हिस्सा थी। इससे पहले मार्च में पाकिस्तान यूएई के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर की जमा राशि को आगे बढ़ाने का समझौता करने में नाकाम रहा था।

टेस्ला भारत में सुपरचार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करेगी

नई दिल्ली। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला भारत में अपने कारोबार को मजबूत करके के उद्देश्य से अपनी चार्जिंग सुविधा का विस्तार करेगी। कंपनी ने हाल ही में भारत में अपने वाहन पेश किए हैं और अब वह ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता को कम करना चाहती है।

टेस्ला ने हाल ही में मॉडल वाई के साथ भारत में प्रवेश किया था। इसके बाद बुधवार को उसने अपना दूसरा मॉडल मॉडल वाईएल पेश किया, जो तीन पंक्तियों और छह सीटों वाला वाहन है और जिसकी कीमत 61.99 लाख रुपये है। साथ ही कंपनी ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता दूर करने के लिए चार्जिंग सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। टेस्ला इंडिया के महाप्रबंधक शरद अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल भारत में कंपनी के पांच तेज चार्जिंग केंद्र हैं, जिन्हें ऐसे स्थानों पर बनाया गया है जहां लोग काम, खरीदारी, भोजन और यात्रा के लिए जाते हैं।

'महिला सामर्थ्य' योजना से एक लाख महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कानपुर नगर के 1550 गांवों का कायाकल्प**
- **एक लाख से अधिक परिवारों की महिलाओं का डेयरी नेटवर्क तैयार, रोज चार लाख लीटर दूध का संग्रह**

अमृत विचारः योगी सरकार की 'महिला सामर्थ्य' योजना अवध क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर और कानपुर नगर के 1500 से अधिक गांवों में इस योजना के तहत एक लाख से ज्यादा महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वहीं लखनऊ, उन्नाव और बाराबंकी में इसका तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

योजना के तहत एक मजबूत डेयरी नेटवर्क खड़ा हुआ है, जिसमें जुड़ी महिलाएं रोज करीब 4 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रही हैं। अब तक 1380 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है, जिससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि हुई है। सुल्तानपुर के मुकुंदपुर गांव की अनीता वर्मा इस योजना की मिसाल बनकर उभरी हैं। दो गायों से शुरू किया गया उनका छोटा प्रयास आज उन्हें सालाना लाखों की आय दिला रहा है और वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। यह योजना साबित कर रही है कि सही अवसर और सरकारी सहयोग मिलने पर ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर भी बदल सकती हैं।

आत्मनिर्भर महिला, सशक्त परिवार

मुख्यमंत्री योगी का मानना है कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती ही समाज की असली ताकत है। इसी सोच के साथ योजना में महिलाओं को उत्पादन, संग्रहण और विपणन की पूरी प्रक्रिया से जोड़ा गया है, जिससे वे खुद निर्णय लेने में सक्षम हो रही हैं।

8000 से एक लाख तक का सफर

मार्च 2023 में 340 गांवों और 8000 महिलाओं से शुरू हुआ यह अभियान अब 1550 गांवों और एक लाख से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुका है। डेयरी व्यवसाय का यह विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए नया मॉडल बनकर उभरा है।

डीबीटी से खत्म हुआ बिचौलिया तंत्र

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए भुगतान सीधे महिलाओं के खातों में जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

संपर्क बनाए रखेंगे भारत और अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच तीन दिवसीय व्यापार वार्ता 23 अप्रैल को पूरी हुई, जिसमें दोनों पक्ष भविष्य में इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क तथा व्यापार सुगमीकरण, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा और डिजिटल व्यापार जैसे कई क्षेत्रों पर चर्चा की।

बयान में कहा गया, बैठकें सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुईं जिसमें प्रमुख मामलों पर प्रगति के लिए सार्थक और भविष्योन्मुखी चर्चा की गई। दोनों पक्ष आगे बढ़ते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त बयान सात फरवरी को जारी किया था। यह ढांचा व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

व्यापार समझौते पर बातचीत

एनएच पर दिसंबर से बाधामुक्त टोल प्रणाली

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर दिसंबर तक बिना रुकावट के टोल वसूली की नई व्यवस्था लागू की जाएगी। गडकरी ने लॉजिस्टिक्स शक्ति समिट एंड अवॉर्ड्स- 2026 के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाकर परिवहन लागत घटाना जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि इस नई प्रणाली के तहत वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। यह व्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित होगी, जिसमें वाहन नंबर पहचानने वाली प्रणाली और फास्टैग जैसी इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था शामिल होगी। इस प्रणाली में तेज गति वाले कैमरे और सेंसर के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी और उसी आधार पर टोल शुल्क वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों को डिजिटल रूप से नोटिस भेजा जाएगा। भुगतान नहीं करने पर फास्टैग बंद किया जा सकता है और वाहन से जुड़ी अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस निरस्त

मुंबई, एजेंसी

- **रिजर्व बैंक ने कहा- जमाकर्ताओं के हितों का नहीं रखा जा रहा था ख्याल**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को पेमेंट्स बैंक नियमों का पालन न करने के कारण पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया। आरबीआई ने कहा कि बैंक का संचालन ऐसे तरीके से किया जा रहा था, जो उसके जमाकर्ताओं के हितों के लिए हानिकारक था। केंद्रीय बैंक ने बताया कि वह बैंक को बंद करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेगा।

आरबीआई ने कहा कि बैंक ने उसे दिए गए पेमेंट्स बैंक लाइसेंस की शर्तों का पालन नहीं किया, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पहले भी कई मौकों पर नियामक जांच के दायरे में आ चुका है। मार्च 2022 में केंद्रीय बैंक ने इसे नए ग्राहकों को जोड़ने से रोक दिया था। आरबीआई ने कहा कि बैंक के पास इतनी नकदी है कि बंद होने की स्थिति में वह अपने सभी जमाकर्ताओं का पैसा वापस कर सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा, बैंक के प्रबंधन का सामान्य स्वरूप जमाकर्ताओं और सार्वजनिक हित के लिए हानिकारक है। बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों का भी पालन नहीं कर रहा था। अब बैंक को तत्काल प्रभाव से बैंकिंग से जुड़े किसी भी कार्य को करने से रोक दिया गया है।

पेटीएम ने एक मार्च 2024 के खुलासे का हवाला देते हुए शेयर बाजार को बताया कि उसका पीपीबीएल के साथ कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौता नहीं है। कंपनी द्वारा दी जाने वाली कोई भी सेवा पीपीबीएल के साथ साझेदारी में नहीं है। कंपनी पर इसका कोई प्रत्यक्ष वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण नहीं पूरे हो सके राजमार्ग निर्माण के लक्ष्य

नई दिल्ली। देश में वित्त वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण 9,380 किलोमीटर रहा, जो 10,000 किलोमीटर के लक्ष्य से कम है।

- **भूमि अधिग्रहण से पहले ही प्रोजेक्ट शुरू करना कारण**

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि लक्ष्य से पीछे रहने का मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में देरी और अन्य मंजूरियां मिलने में समय लगना रहा। पिछले वित्त वर्ष में राजमार्ग निर्माण की लंबाई 2017-18 के बाद से सबसे कम रही। मंत्रालय ने वर्ष 2024-25 में 10,660 किमी, 2023-24 में 12,349 किमी और 2022-23 में 10,331 किमी राजमार्ग बनाए थे। निर्माण की रफ्तार में यह कमी नई परियोजनाओं के आवंटन में गिरावट के कारण आई है। राजमार्ग परियोजनाओं के ठेके देने की गति 2022-23 में 12,376 किमी से घटकर 2024-25 में 7,538 किलोमीटर रह गई।

सोलर सेल आयात : अमेरिका ने भारत पर लगाया एंटीडंपिंग शुल्क

नई दिल्ली। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने भारत से सोलर सेल और पैनल के आयात पर प्रारंभिक एंटी-डंपिंग शुल्क की घोषणा की है। विभाग के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर यह शुल्क 123.04 प्रतिशत रखा है।

आरोप लगाया गया है कि भारत से सोलर सेल अमेरिका में उचित मूल्य से कम पर बेचे जा रहे हैं। विभाग के नोटिस में चार भारतीय निर्माता मुंद्रा सोलर पीवी, मुंद्रा सोलर एनर्जी, कोवा कंपनी और प्रीमियर एनर्जी फोटोवोल्टिक के नाम हैं। इनके अनुमानित भारित औसत डंपिंग मार्जिन की गणना 123.07 प्रतिशत की गई है। विभाग ने कहा है कि वह प्रारंभिक निर्धारण की तारीख के 75 दिनों के भीतर अंतिम निर्धारण जारी करेगा। वाणिज्य विभाग ने प्रारंभिक रूप से पाया कि मुंद्रा सोलर एनर्जी, मुंद्रा सोलर पीवी, कोवा और प्रीमियर एनर्जीज के लिए विषम परिस्थितियां मौजूद हैं, और अन्य सभी निर्यातकों एवं संबंधित माल के उत्पादकों के लिए ऐसी परिस्थितियां मौजूद नहीं हैं।

ब्रोकरों की पूंजा गणना के लिए सेबी का नए तरीके का प्रस्ताव

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को स्टॉक ब्रोकरों के लिए पूंजी की गणना के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ब्रोकरों के पास उनकी कारोबारी गतिविधियों और जोखिम के हिसाब से पर्याप्त पैसा उपलब्ध रहे।

यह प्रस्ताव उस नई व्यवस्था के बाद आया है, जिसके तहत ब्रोकर ग्राहकों का पैसा सीधे समाशोधन निगम को भेजते हैं। इससे ब्रोकरों के पास बहुत कम ग्राहक फंड बचता है और मौजूदा गणना प्रणाली की उपयोगिता घट गई है। वर्तमान नियमों के अनुसार, 2022 में किए गए बदलाव के तहत ब्रोकर के पास पिछले छह महीनों में ग्राहकों का जो औसत नकद शेष रहता है, उसका 10 प्रतिशत जोड़कर उनकी परिवर्तनशील शुद्ध संपत्ति तय की जाती है। ब्रोकरों को आधारभूत शुद्ध पूंजी या परिवर्तनशील शुद्ध संपत्ति में से जो अधिक हो, उसे बनाए रखना होता है। सेबी ने कहा कि अब ग्राहकों के पैसे की व्यवस्था बदल चुकी है, इसलिए यह पुराना तरीका उतना उपयोगी नहीं रहा। नए प्रस्ताव के अनुसार परिवर्तनशील शुद्ध संपत्ति की गणना कई घटकों के आधार पर की जाएगी।

नेटवर्क की दिक्कतः अब डिजिटल संपर्क के अनुकूल बनाने होंगे भवन

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ट्राई की सिफारिश सरकार ने की मंजूर, अनिवार्यता लागू हुई**

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन एके लाहोटी ने शुक्रवार को कहा कि मोबाइल डेटा का इस्तेमाल एवं उसकी गति तेजी से बढ़ने के बावजूद लोग घरों और इमारतों के अंदर नेटवर्क की समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसे देखते हुए निर्माण योजनाओं में डिजिटल संपर्क ढांचे को शामिल करना जरूरी हो गया है। ट्राई ने इस संबंध में सरकार को सिफारिश भेजी थी जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

दूरसंचार नियामक ट्राई के चेयरमैन ने यहां सीओएआई डिजिकॉम समिट 2026 में कहा कि डेटा की मांगों को पूरा करने के लिए केवल मोबाइल नेटवर्क काफी नहीं हैं खासकर एआई के बढ़ते इस्तेमाल के समय में। इसलिए नियामक ढांचा एवं नीतियां स्थिर ब्रॉडबैंड नेटवर्क के विस्तार को बढ़ावा दे रही हैं, ताकि उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि इमारतों के अंदर नेटवर्क की समस्या अब एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। डेटा उपयोग बढ़ने के बावजूद घरों के अंदर खराब सिग्नल की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इसलिए जरूरी है कि भवन निर्माण में डिजिटल संपर्क के लिए ढांचा अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। लाहोटी ने बताया कि इस संबंध में दूरसंचार नियामक ने सरकार को सिफारिशें दी हैं, जिन्हें स्वीकार कर लिया गया है। अब इन्हें भवनों के डिजाइन और निर्माण प्रक्रियाओं में शामिल करना आवश्यक होगा।

आश्वासन | सरकार ने किया एलान, कहा- 25 लाख टन यूरिया आयात भी करने की है तैयारी

खरीफ मांग को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त उर्वरक भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की उर्वरक सुरक्षा मजबूत, स्थिर एवं सुव्यवस्थित बनी हुई है और जून से शुरू होने वाले खरीफ बुवाई सत्र के लिए आपूर्ति को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त 25 लाख टन यूरिया आयात किया जा रहा है। उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बाजार में कमी के हालिया दावों को खारिज करते हुए कहा कि देशभर में भंडार की स्थिति संतोषजनक बनी हुई है।

विभाग ने कहा, भारत में सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता

लगातार आवश्यकता से अधिक है। भारत घरेलू मांग को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में उर्वरकों का आयात करता है। गत वित्त वर्ष में देश ने 100 लाख टन से अधिक यूरिया का आयात किया था। चालू वित्त वर्ष के पहले 23 दिन में उर्वरकों की उपलब्धता आवश्यकता से काफी अधिक रही है।यूरिया की उपलब्धता 69.33 लाख टन है जबकि आवश्यकता 18.17 लाख टन है। डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की उपलब्धता 22.78 लाख टन है जबकि आवश्यकता 5.90 लाख टन है। म्यूरिएट ऑफ पोटाश की उपलब्धता 8.32 लाख टन है और आवश्यकता 1.73 लाख टन है। एनपीके की उपलब्धता 52.75 लाख टन है जबकि आवश्यकता 7.46 लाख टन है, और एसएसपी की उपलब्धता 25.60 लाख टन है जो 3.30 लाख टन आवश्यक है। विभाग ने कहा, यह आगामी खरीफ सत्र के लिए मजबूत शुरुआती स्थिति को दर्शाता है।

खरीफ फसलों की बुवाई जून से दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के साथ शुरू होती है। पिछले वर्ष की तुलना से भी भंडार की बेहतर स्थिति स्पष्ट होती है। अप्रैल 2026 के मध्य तक यूरिया का भंडार 67.37 लाख टन है जबकि पिछले वर्ष यह 68.01 लाख टन था जो उच्च स्तर को दर्शाता है। वहीं डीएपी का भंडार उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 22.16 लाख टन हो गया है जो पिछले वर्ष 13.01 लाख टन था।

घरेलू उत्पादन के लिए गैस की लगातार आपूर्ति

सरकार ने कहा है कि घरेलू यूरिया उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस की उपलब्धता से जुड़े मुद्दों का भी समाधान किया गया है और उर्वरक संयंत्रों को लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त एलएनजी/आरएलएनजी की व्यवस्था की जा रही है। वैश्विक उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि के बावजूद सरकार किसानों को वैश्विक कीमतों के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए 45 किलोग्राम प्रति बोरी पर 266.5 रुपये की अत्यधिक सब्सिडी दर पर यूरिया उपलब्ध करा रही है। बयान में कहा गया, उर्वरक विभाग दोहराता है कि भारत का उर्वरक तंत्र मजबूत, पर्याप्त भंडारित और प्रभावी रूप से प्रबंधित है।

वर्ल्ड ब्रीफ

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी को सम्मान

वाशिंगटन। भारत के थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के पेनसिल्वेनिया स्थित यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 'इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया है। वह यह सम्मान पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के विशिष्ट फेलो जनरल द्विवेदी, जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के तीसरे प्रमुख हैं। भारतीय सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज, कार्लाइल बैरक्स का दौरा किया, जहां उन्हें इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं।

250 भारतीय यहूदी इजराइल पहुंचे

यरुशलम। इजराइल सरकार की पिछले साल घोषित पहल के तहत पूर्वोत्तर भारत से लगभग 250 यहूदी यहां पहुंचे। पिछले साल नवंबर में सरकार ने अगले पांच वर्षों में इजराइल में आप्रवासन के लिए हजारों यहूदियों को धन मुहैया कराने का वादा किया था, जिसके तहत बीने मनेशे समुदाय का पहला समूह बृहस्पतिवार को इजराइल पहुंचा। बीने मनेशे समुदाय मणिपुर और मिजोरम के कुछ हिस्सों में रहता है। समुदाय का दावा है कि उनका वंश बाइबिल में उल्लेखित मनेशे कबीले से है। यह समुदाय 1990 के दशक से धीरे-धीरे इजराइल पहुंच रहा है। पिछले तीन दशकों में समुदाय के लगभग 4,000 सदस्य इजराइल आ चुके हैं और लगभग 6,000 अन्य सदस्य इजराइल आने का इंतजार कर रहे हैं।

दुष्कर्म केस में ब्रिटिश व्यक्ति को उम्रकैद

लंदन। ब्रिटेन के वॉल्सॉल में एक सिख महिला से बलात्कार के मामले में दोषी करार दिए गए 32 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति को शुक्रवार को बर्मिंघम क्राउन अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। जॉन एशबी नाम के ब्रिटिश व्यक्ति को पिछले साल अक्टूबर में उस हमले के कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसने धार्मिक घृणा से प्रेरित वारदात कर वेस्ट मिडलैंड्स में समुदाय को सदमे में डाल दिया था। व्यक्ति ने शुरू में यौन उत्पीड़न, गला घोंटने, नस्ली रूप से शारीरिक नुकसान पहुंचाने और डकैती के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन बाद में उसने अपराधों को स्वीकार कर लिया। दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई और पैरोल पर विचार से पहले उसे 14 साल जेल में रहना होगा।

अल्जीरिया में नौका पलटने से 17 सोमाली प्रवासियों की मौत

मोगादिशु, एजेंसी

- मृतकों में 12 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल

अल्जीरिया और स्पेन के बीच समुद्री क्षेत्र में एक नौका के पलट जाने के बाद कम से कम 17 सोमाली प्रवासी मारे गए। अल्जीरिया में सोमालिया के राजदूत ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

राजदूत यूसुफ अहमद हसन ने सोमालिया की सरकारी मीडिया को बताया कि अपने परिचितों की तलाश कर रहे लोगों ने उनसे संपर्क किया। यूरोप की यात्रा के दौरान नौका के पलटने के बाद डूबने से 12 पुरुष और पांच महिलाओं की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मुझसे उन अभिभावकों ने संपर्क किया जो अपने बच्चों की तलाश कर रहे थे और उनके बारे में जानना चाहते थे। हसन ने बताया कि इसके बाद उन्होंने अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय से संपर्क किया, जिसने उन्हें सूचित किया कि राजधानी अल्जीयर्स से लगभग 100 किलोमीटर पश्चिम में एक तटीय प्रांत में अफ्रीकी प्रवासियों के एक समूह में शामिल लोगों की मौत हो गई है।

यूरोप जाने की कोशिश कर रहे प्रवासियों के लिए उत्तरी अफ्रीका और स्पेन के बीच का मार्ग आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले मार्गों में से एक है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति चिंताजनक

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा, कार्रवाई में कमी से बढ़ रहे धर्मांतरण और अगवा किए जाने के मामले

लंदन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों और महिलाओं को अगवा किए जाने तथा जबरन शादी के जरिये उनका धर्मांतरण कराए जाने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा है कि कार्रवाई की कमी" ऐसे मामलों में वृद्धि का कारण बन रही है। जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के विशेषज्ञों ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, धर्म या आस्था में कोई भी बदलाव वास्तव में दबाव मुक्त होना चाहिए। साथ ही शादी दोनों पक्षों की पूर्ण एवं दबाव मुक्त सहमति पर आधारित होनी चाहिए, जो कानूनी रूप से तब संभव नहीं है, जब पीड़ित नाबालिग हो।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पाकिस्तान में 2025 में अपहरण, जबरन शादी और धर्मांतरण से पीड़ित लड़कियों एवं महिलाओं में से लगभग 75 फीसदी हिंदू और 25 प्रतिशत ईसाई समुदाय की थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी करीब 80 फीसदी घटनाएं सिंध प्रांत से दर्ज की गईं। विशेषज्ञों के अनुसार, कार्रवाई की कमी लगातार जारी इस कृत्य को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, 14 से 18 साल की उम्र की किशोरियों को खास तौर पर निशाना बनाया जाता है। गरीब और हाशिए पर रहने वाले परिवारों की लड़कियों और युवतियों के साथ ऐसे कृत्य होने की आशंका ज्यादा रहती है। विशेषज्ञों ने कहा कि पीड़ित लड़कियों और महिलाओं को न सिर्फ शारीरिक एवं यौन हिंसा, सामाजिक कलंक और गंभीर आघात का सामना करना पड़ता है, बल्कि धर्म और आस्था के पालन की उनकी आजादी भी छीन ली जाती है। उन्होंने कहा, ये महिलाएं और लड़कियां लगातार आतंक के साये में जी रही हैं... इसे रोकना होगा।

गाजा युद्ध में प्रतिदिन औसतन 47 महिलाएं मारी गईं : संरा

न्यूयॉर्क। गाजा पट्टी में अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2025 के बीच इजरायल की सैन्य कार्रवाई में 38,000 से अधिक महिलाएं और लड़कियां मारी गयी हैं, जो इस अवधि में प्रतिदिन औसतन 47 मौतों के बराबर है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र महिला इकाई की रिपोर्ट 'गाज़ा में युद्ध की कीमतः महिलाएं और लड़कियां' में कहा गया है कि यह संख्या उसी अवधि में दर्ज कुल मौतों के आधे से अधिक है। गाज़ा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुए इजरायल के सैन्य अभियान में अब तक 71,200 लोगों की मृत्यु दर्ज की गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की कुल हिस्सेदारी सभी मृतकों में आधे से अधिक है। साथ ही यह भी संकेत दिया गया है कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि मलबे में दबे शवों को निकालने में कठिनाई और स्वास्थ्य तथा सूचना तंत्र के बाधित होने के कारण कई मामलों की रिपोर्टिंग नहीं हो पाई है। आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों की मौतों में वृद्धि उन अवधियों में देखी गई जब नागरिक ढांचे जैसे घर, स्कूल और आश्रय स्थलों का व्यापक विनाश हुआ। अनुमान है कि गाज़ा में लगभग 11,000 महिलाएं, लड़कियां विकलांगता का सामना कर रही हैं।

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने सात महीने से अधिक प्रेग्नेंट लड़की को अबॉशर्न की दी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को 15 वर्षीय लड़की को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन कराने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला, विशेषकर नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक जारी रखने के लिए बाध्य नहीं कर सकती।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि जन्म लेने वाले बच्चे की अपेक्षा गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि ऐसी गर्भावस्था जारी रहने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा की संभावनाओं, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अवांछित गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। पीठ ने कहा कि अपने शरीर से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार विशेषकर प्रजनन के मामलों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न हिस्सा है। यह अधिकार अव्यावहारिक प्रतिबंध लगाकर निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता, खासकर नाबालिगों और अवांछित गर्भावस्था जैसे मामलों में। न्यायालय ने कहा कि किसी भी अदालत को किसी महिला और विशेष रूप से नाबालिग बच्ची को उसकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक ढोने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। ऐसा करना न केवल उसकी निर्णय लेने की स्वतंत्रता की अनदेखी होगी, बल्कि यदि उसे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर किया जाए तो उसे गंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात भी पहुंचेगा। पीठ ने कहा कि राहत देने से इनकार नाबालिग को अपरिवर्तनीय परिणाम झेलने के लिए मजबूर करेगा और ऐसा दृष्टिकोण प्रजनन विकल्प को मौलिक अधिकार मानने वाले संवैधानिक तथा स्थापित सिद्धांतों के विपरीत होगा।

गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण

न्यायालय ने कहा कि गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। पीठ ने कहा कि यह कहना आसान है कि यदि गर्भवती महिला बच्चे का पालन-पोषण नहीं करना चाहती तो वह उसे गोद दे सकती है, इसलिए उसे बच्चे को जन्म देना ही चाहिए। लेकिन यह विचार विशेषकर उन मामलों में स्वीकार्य नहीं हो सकता, जहां जन्म लेने वाला बच्चा अवांछित हो। ऐसी स्थिति में महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध बच्चे को जन्म देने और गर्भावस्था जारी रखने का निर्देश देना गर्भवती महिला के कल्याण को नकारना होगा और उसे अभी जन्म न लेने वाले बच्चे के हितों के अधीन कर देगा। संवैधानिक अदालतों को ऐसे मामलों में जन्म लेने वाले बच्चे के बजाय गर्भवती महिला के कल्याण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितियों का मूल्यांकन करना चाहिए।

गर्भसमापन के लिए सभी तथ्यों , परिस्थितियों पर देना होगा ध्यान

न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक अदालत को उन सभी तथ्यों और परिस्थितियों को उस पक्ष के दृष्टिकोण से देखना चाहिए, जो गर्भसमापन चाहती है और चिकित्सकीय जोखिम उठाने को तैयार है, न कि गर्भावस्था पूरी कर अवांछित बच्चे को जन्म देने का निर्देश देना चाहिए। पीठ ने कहा कि यदि संवैधानिक अदालत यह कहे कि अवांछित गर्भावस्था भी जारी रखनी होगी, तो अनुमति लेने के लिए अदालत आने के बजाय लोग अवैध गर्भपात केंद्रों का रुख करेंगे या गुप्त रूप से गर्भसमापन कराएंगे, जिससे गर्भवती महिला को अधिक खतरा होगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस मामले में लड़की 15 वर्ष की है और गर्भावस्था अवांछित है इसलिए इसे जारी रखना नाबालिग गर्भवती के हित में नहीं है, विशेषकर तब जब उसने दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के उनके आरोपों से जुड़े मामले में दायर की गई थी। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने सोमवार को खेड़ा द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता को गुवाहाटी उच्च न्यायालय का रुख करने के लिए कहा था।

एक संवाददाता सम्मेलन में खेड़ा द्वारा लगाए इन आरोपों के बाद मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने कांग्रेस नेता और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, वे कुछ दस्तावेजों पर आधारित हैं, जो उनके पास हैं जबकि पुलिस ने दावा किया कि उन दस्तावेजों को पहले ही फर्जी साबित किया जा चुका है। अदालत ने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने यह कहीं नहीं कहा कि पुलिस ने झूठे या मनगढ़ंत दावे किए हैं।

18 माह बाद 400 फिट ऊंचे टावर से उतारा गया युवक

समाना, एजेंसी

- गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर सख्त कानून की थी की मांग

पंजाब में बेअदबी की घटनाओं के लिए सख्त कानूनों की मांग को लेकर करीब 560 दिनों से 400 फुट ऊंचे मोबाइल टावर पर बैठे कार्यकर्ता गुरजीत सिंह खालसा को आखिरकार शुक्रवार सुबह नीचे उतार लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम के साथ ही गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के लिए कड़ी सजा की मांग कर रहे खालसा (43) के अनूठे ढंग से किए जा रहे विरोध प्रदर्शन का समापन हो गया।

उन्होंने 12 अक्टूबर 2024 को पटियाला के समीप समाना में स्थित टावर पर चढ़कर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। पटियाला के एक दमकल अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मियों, पुलिस और नगर निकाय के अधिकारियों की एक टीम ने विशेष 'क्रेन-लिफ्ट' की मदद से उन्हें नीचे उतारा। कार्यकर्ता को टावर से उतारते समय उन्होंने हाथ हिलाकर अपने उन समर्थकों का अभिवादन किया जो नीचे खड़े थे। इस बीच एक समर्थक ने चिल्लाकर कहा कि खालसा 'चढ़दी कला' (जोश) में है। खालसा को 'सिख जयकारा' और 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के नारों के बीच टावर से उतारने के बाद चिकित्सा जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। इस

बीच उनके समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। कई स्थानीय लोगों को अपने घरों की छतों से इस पूरी प्रक्रिया को देखते हुए देखा गया। पटियाला जिले के खेड़ी नगैयां गांव के निवासी कार्यकर्ता ने जमीन पर कदम रखते हुए कहा कि हम जीत गए हैं। खालसा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां को बेअदबी विरोधी कानून लागू करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि गुरु की कृपा से मैं 18 महीने और 12 दिन बाद सुरक्षित वापस आ गया हूं। मैं पंजाब सरकार का आभारी हूं। पंजाब सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ संशोधित कानून जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026' को हाल ही में अधिसूचित कर दिया है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के किसी भी कृत्य के लिए आजीवन कारावास और 25 लाख रुपये तक के जुर्माने समेत कठोर दंड का प्रावधान है।

इजराइल-लेबनान संघर्ष विराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ा

- ट्रंप बोले-दोनों देशों के राजदूतों के बीच सार्थक रही बैठक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में हुई बातचीत के बाद इजराइल और लेबनान ने इजराइल एवं हिजबुल्ला चरमपंथी समूह के बीच युद्धविराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में इजराइल और लेबनान के राजदूतों के बीच हुई बैठक सार्थक रही। राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के दौरान हालांकि ट्रंप ने स्वीकार किया कि उन्हें हिजबुल्ला के बारे में भी सोचना होगा। हालांकि ईरान समर्थित इस समूह ने वार्ता का विरोध किया है और पिछले शुक्रवार को प्रारंभिक युद्धविराम लागू होने के बाद से दोनों पक्षों द्वारा कई बार इसका उल्लंघन किया गया है। इजराइल और लेबनान के बीच दशकों में यह पहली सीधी राजनयिक वार्ता थी। दोनों पक्षों के बीच हुआ शुरुआती 10 दिवसीय युद्धविराम सोमवार को खत्म होने वाला था। ट्रंप ने सोशल पोस्ट में कहा कि लेबनान को हिजबुल्ला से रक्षा में मदद करने के लिए अमेरिका उसके साथ काम करेगा। बाद में ओवल ऑफिस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से वाशिंगटन में मुलाकात करेंगे।

सीबीएसई 10वीं : दूसरी बोर्ड परीक्षा को 6.68 लाख से अधिक आवेदन

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए 6.68 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें अधिकांश आवेदन मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों में सुधार के लिए हैं, जिसके परिणाम इस महीने की शुरुआत में घोषित किए गए थे। सीबीएसई के अनुसार, दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 6,68,854 नियमित उम्मीदवारों ने आवेदन किया है जिनमें से 5,25,655 ने सुधार के लिए, 85,285 ने कंपार्टमेंट श्रेणी के तहत तथा 57,914 ने कंपार्टमेंट तथा सुधार दोनों श्रेणियों के लिए आवेदन किया है। बोर्ड ने बताया है कि 2026 से कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा दो बार कराई जा रही है। इसके तहत छात्रों को पहली (मुख्य) परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा।

शरण देने के ट्रंप के प्रतिबंध को अवैध बताया

वाशिंगटन। एक अपीलीय अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत शरण देने की सुविधा को निलंबित कर दिया गया था। यह आदेश रिपब्लिकन राष्ट्रपति की अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर प्रवासन पर नकेल कसने की योजना का एक प्रमुख स्तंभ था।

आरएसएस 'कु क्लक्स क्लैन' का भारतीय संस्करण नहीं : होसबाले

वाशिंगटन, एजेंसी

- सरकार्यवाह बोले-संगठन के बारे में कई हैं गलतफहमियां

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कहा कि आरएसएस अमेरिकी श्वेत वर्चस्ववादी समूह 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण नहीं है। साथ ही उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला।

हडसन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस' में संवादात्मक सत्र के दौरान होसबाले ने कहा कि अमेरिका में भारत के बारे में गलतफहमियों की तरह ही आरएसएस के बारे में भी गलत धारणाएं हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को लेखक वाल्टर रसेल मीड के साथ चर्चा के दौरान कहा कि दशकों से जानबूझकर या अनजाने में अन्यथा किसी एजेंडा के तहत इस तरह की धारणा गढ़ी गई है कि आरएसएस

एक हिंदू वर्चस्ववादी संगठन है या यह ईसाई विरोधी, अल्पसंख्यक विरोधी, विकास विरोधी और आधुनिकीकरण का विरोधी है। होसबाले ने कहा कि इसलिए सकारात्मक कार्यों को कभी उजागर नहीं किया गया। इसके बजाय हमेशा गलत छवि का ही प्रचार किया जाता रहा है... जैसे हम 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण हों, जो कि हम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू दर्शन और संस्कृति पूरे विश्व को एक परिवार की तरह देखती है और यह वर्चस्ववाद का समर्थन नहीं करती।

आरएसएस सरकार्यवाह ने कहा, हम सजीव और निर्जीव, हर चीज में एकता देखते हैं। जब यही हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो श्रेष्ठता का प्रश्न ही नहीं उठता। इतिहास में हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया है। होसबाले ने आरएसएस को भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विचारधारा में निहित एक स्वयंसेवी आंदोलन के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस भारत के प्राचीन समाज की सांस्कृतिक नैतिकता और सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरित एक जन स्वैच्छिक आंदोलन है जिसे सामान्यतः हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि चरित्रवान, आत्मविश्वासी, समाज सेवा का भाव रखने वाले और समाज को संगठित करने में सक्षम स्वयंसेवकों को तैयार करने के लिए संघ एक घंटे की दैनिक और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज निर्णय लेने से पहले स्थिति को पूरी तरह समझना जरूरी होगा। दिन के दूसरे हिस्से में चीजें स्पष्ट होंगी।

वृष – आज किसी बात को लेकर मन में दबाव रह सकता है। कारोबार में बड़ी साझदारी हो सकती है। धैर्य बनाए रखें।

मिथुन – आज का दिन अच्छा रहेगा। संपर्क आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। सही समय पर लिया गया निर्णय आपको आगे बढ़ाएगा।

कर्क – आज आपका ध्यान परिवार से जुड़े मामलों पर रहेगा। किसी जिम्मेदारी को निभाने का समय है। भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

सिंह – आज आपके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं। दिन का दूसरा भाग आपके लिए अनुकूल रहेगा।

कन्या – आज आपको अपने कामों पर ध्यान देना होगा। किसी भी लापरवाही से बचें। छोटे-छोटे प्रयास ही आपको सही परिणाम देगा।

तुला – आज किसी नई योजना की शुरुआत हो सकती है। आपको अपने तरीके से काम करने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक – आज विदेश से जॉब के ऑफर मिलने की संभावना बन रही है। दूसरों के कार्यों में टांग न अड़ाएं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

धनु – आज परिस्थितियों के लगातार अनुकूल होने से खुश रहेंगे। ऑफिस में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर – आज कुछ लोग आपके कार्यों में अवरोध डालने का प्रयास कर सकते हैं। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें।

कुंभ – आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। कारोबार में विस्तार कर सकते हैं। व्यवसायिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है।

मीन – आज आपकी दिनचर्या अत्यंत अनुशासित रहेगी। घर का माहौल काफी अच्छा रहेगा। प्रशासन से जुड़े लोग कार्यों से संतुष्ट रहेंगे।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

आज की ग्रह स्थिति : 25 अप्रैल, शनिवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 18.27 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-अश्लेशा 20.04 तक तत्पश्चात मघा।

सुडोकू - 129 का हल

3	2	5	9	6	8	1	4	7
4	8	7	2	1	3	9	5	6
9	6	1	7	4	5	8	3	2
8	5	6	3	2	9	4	7	1
2	1	4	8	7	6	3	9	5
7	3	9	4	5	1	2	6	8
6	7	2	1	9	4	5	8	3
1	9	3	5	8	7	6	2	4
5	4	8	6	3	2	7	1	9

सुडोकू -130

		3		5				
6			4			9		
	4				3			8
9					5			
8		6			1	3		5
			2					4
5			1	3			2	
	7	1			4			9
			5	9		6		

शोध | नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज होने पर दूर हो सकते हैं डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद जैसे कई लक्षण

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, अलग से इलाज की जरूरत

ब्रिटेन, एजेंसी

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवतः प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है। आज अनिद्रा ब्रिटेन में लोगों के सामने सबसे आम मानसिक समस्याओं में से एक बन गई है।

इंग्लैंड में लगभग एक-तिहाई वयस्क अनिद्रा से जुड़े लक्षणों का सामना करने की बात स्वीकार करते हैं। अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है, तो उसे सेकेंडरी इंसोमेनिया कहा जाता है। यही कारण है कि पहले डॉक्टर अक्सर सिर्फ मुख्य बीमारी का इलाज करते थे और सेकेंडरी इंसोमेनिया का अलग से उपचार करने पर ध्यान नहीं देते थे। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में शोध और नैदानिक अनुभव, दोनों से पता चला कि यह तरीका सही नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कुछ मामलों में अनिद्रा की शिकायत किसी मुख्य बीमारी के उभरने से पहले से ही हो सकती है, जबकि कुछ मामलों में यह उसके ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रह सकती है। प्राइमरी और सेकेंडरी इंसोमेनिया से चिकित्सकीय रूप से निपटने के तरीके में इस अंतर को त्यागना इस बात को स्वीकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम था कि अनिद्रा अक्सर अपने आप में एक स्वतंत्र बीमारी होती है, जिसका अलग से इलाज करना जरूरी है। शोधकर्ताओं ने इस बात के पुख्ता सबूत जुटाए हैं कि अगर लोगों की नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज किया जाए, तो उनमें मौजूद डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद, मनोभ्रंश, शराब की लत, बाइपोलर डिसऑर्डर आदि में सुधार हो सकता है।

किसे होती है अनिद्रा की शिकायत?

पिछले दो दशक में दुनियाभर से अधिक सटीक आंकड़े मिले हैं, जो यह दर्शाते हैं कि अनिद्रा की समस्या कितनी आम है। यह लगभग सभी वर्गों को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाएं, बुजुर्ग और गरीब एवं हाशिये पर पड़े लोग इसके प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं, क्योंकि उनमें अक्सर जैविक, मानसिक और सामाजिक, तीनों कारक मिलकर अनिद्रा की समस्या को जन्म देते हैं। महिलाओं के सामने हार्मोन में बदलाव, गर्भावस्था, शिशु का जन्म, स्तनपान, रजोनिवृत्ति, घरेलू हिंसा, दूसरों की देखभाल की जिम्मेदारी, चिंता और अवसाद जैसी स्थितियां आती हैं।

बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत यात्रा पर आएंगी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की अध्यक्ष सुश्री एन्नालेना बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत की यात्रा पर आयेंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बेयरबॉक की यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के निमंत्रण पर हो रही है और वह विदेश मंत्री के साथ आपसी हित के महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगी। बेयरबॉक महात्मा गांधी की समाधि राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। वह एआई पर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ एक संवादात्मक सत्र में भी भाग लेंगी।

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 25 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

पंजाब किंग्स
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
राजस्थान रॉयल्स
समय - शाम 7:30 बजे

सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ी विराट कोहली की पारी

आईपीएल-2026 : बेंगलुरु ने गुजरात को 5 विकेट से हराया

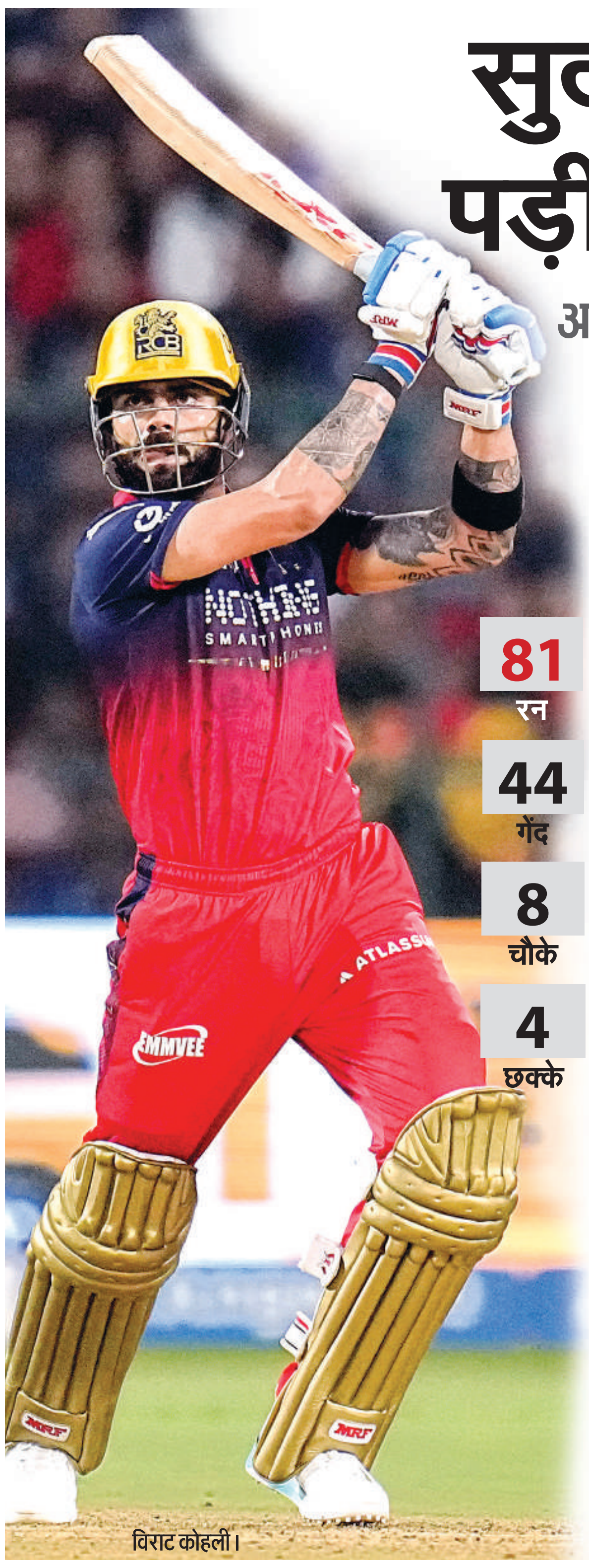

विराट कोहली।

बेंगलुरु, एजेंसी

विराट कोहली की 81 रन की बेहतरीन पारी साई सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ गईं, जिससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को यहां आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हरा दिया। पडीक्कल और कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी से आरसीबी लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गई। टीम ने अंत में 18.5 ओवर में 206 रन का लक्ष्य पूरा कर लिया और 10 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

जैकब बेथेल के जल्दी आउट होने के बाद कोहली और पडीक्कल ने आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। उनका अंदाज पहली पारी में उनके प्रतिद्वंद्वियों द्वारा संभलकर रन बनाने के तरीके से बिल्कुल अलग था। कोहली ने जब खाता भी नहीं खोला था तब मोहम्मद सिराज की गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर ने उनका कैच छोड़ दिया था। कोहली ने पिच के उछाल को बखूबी भांपते हुए प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा का आसानी से सामना किया। कोहली ने चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दबदबा बनाया और 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर पडीक्कल भी उतने ही शानदार लय में थे। उन्होंने कर्नाटक के अपने साथी खिलाड़ी प्रसिद्ध की गेंदों पर दो छक्के जड़े और राशिद की गेंद पर भी एक छक्का लगाया। उन्होंने अपने सीनियर खिलाड़ी (कोहली) से 10 गेंदें कम खेलकर अपना अर्धशतक पूरा किया। देवदत्त को राशिद खान ने एक बेहतरीन गेंद पर आउट किया तो कोहली को जेसन होल्डर की एक उछाल भरी गेंद ने बोल्ड किया। इससे टीम थोड़ी मुश्किल में पड़ गई क्योंकि उन्होंने कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा के विकेट भी गंवा दिए जिससे उनका स्कोर 173 रन पर पांच विकेट हो गया। लेकिन कृणाल पांड्या (नाबाद 23 रन, 12 गेंद) और टिम डेविड (नाबाद 10 रन) ने वहां से टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह आरसीबी ने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए पांच मैचों में चौथी जीत दर्ज की।

इससे पहले सुदर्शन ने 100 रन की शानदार पारी खेली जिसकी बदौलत गुजरात टाइटंस ने तीन विकेट पर 205 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। गुजरात टाइटंस की पारी के 12.4 ओवर टी20 बल्लेबाजी के बिल्कुल उलट थे जिसमें पूर्व चैंपियन टीम ने यह साबित कर दिया कि इस प्रारूप में बिना आक्रामकता के भी रन बनाए जा सकते हैं। सुदर्शन ने आईपीएल में अपने तीसरे शतक के लिए 58 गेंद की पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनकी पारी टीम के लिए मजबूत नींव साबित हुई। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने सलामी जोड़ीदार और कप्तान शुभमन गिल (32 रन, 24 गेंद) के साथ 128 रन की साझेदारी में शुरू से ही पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा सुदर्शन ने पावरप्ले के दौरान 29 जबकि गिल ने सिर्फ सात गेंदें खेली थीं। तमिलनाडु के 24 साल के तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने पावरप्ले में 46 रन बनाए और फिर 33 गेंदों में बड़े ही शानदार अंदाज में अपना अर्धशतक पूरा किया।

गुजरात टाइटंस

205/3 (20 ओवर)

साई सुदर्शन का एवं बो हेजलवुड	100
शुभमन गिल का पडिक्कल बो सूयश	32
जोस बटलर का हेजलवुड बो भुवनेश्वर	25
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	19
जेसन होल्डर नाबाद	23

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन** : 1-128, 2-160, 3-177, **गेंदबाजी** : भुवनेश्वर 4-0-31-1, हेजलवुड 4-0-40-1, रसिख सलाम 3-0-28-0, कृणाल पांड्या 4-0-50-0, शेफर्ड 1-0-17-0, सूयश शर्मा 4-0-36-1

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

206/5 (18.5 ओवर)

जैकब बेथेल का शाहरूख बो सिराज	14
विराट कोहली बो होल्डर	81
देवदत्त पडीक्कल का राशिद खान	55
रजत पाटीदार का सुंदर बो सुथार	08
जितेश शर्मा का सुथार बो राशिद खान	10
टिम डेविड नाबाद	10
कृणाल पांड्या नाबाद	23

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन** : 1-26, 2-141, 3-154, 4-171, 5-173

गेंदबाजी : सिराज 3-0-25-1, रबाडा 4-0-45-0, जेसन होल्डर 3 .5-0-35-1, प्रसिद्ध कृष्णा 2-0-31-0, राशिद खान 4-0-49-2, मानव सुथार 2-0-19-1

ऑरेंज कैप

- विराट कोहली बेंगलुरु –328 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद–323 रन
- हेनरिच क्लोसेन हैदाराबाद –320

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई – 14 विकेट
- प्रिंस यादव गुजरात – 13 विकेट
- इशान मलिंगा हैदाबाद– 12 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	10	1.101
3.	राजस्थान रॉयल्स	7	5	2	0	10	0.790
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
7.	गुजरात टाइटंस	7	3	4	0	6	-0.790
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

संजू सैमसन की शतकीय पारी को कुंबले और हरभजन ने जमकर सराहा

मुंबई, एजेंसी। अनिल कुंबले और हरभजन सिंह जैसे पूर्व दिग्गज स्पिनरों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की जमकर सराहना की। उन्होंने इसे परिस्थिति के हिसाब से सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। सैमसन की 54 गेंदों पर नाबाद 101 रन की पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने छह विकेट पर 207 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियंस को 104 रन पर आउट कर बड़ी जीत दर्ज की। मौजूदा सत्र में यह सैमसन का दूसरा शतक है। पूर्व स्पिनर कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहासीएसके की सफलता अक्सर उनके सलामी बल्लेबाजों की मजबूत शुरुआत पर टिकी रही है लेकिन पिछले कुछ सत्र में टीम को इस मामले में निराशा मिली है। सैमसन ने इस जिम्मेदारी को उठाने की कोशिश की है। सिर्फ सात मैचों में दो नाबाद शतक, और उन्होंने टीम को संभालने में अहम भूमिका निभाई है। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस शतक को सैमसन की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। उन्होंने कहा संजू सैमसन इसलिए अलग नजर आए क्योंकि उनकी खेल की समझ बहुत मजबूत थी। बहुत से खिलाड़ियों में प्रतिभा होती है, लेकिन बहुत कम खिलाड़ी यह समझ पाते हैं कि अलग-अलग परिस्थितियों में पारी को कैसे गति देनी है। उन्होंने यह समझा कि खासकर एक युवा टीम के साथ अंत तक टिके रहना कितना जरूरी है।

हाईलाइट

भारत 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में होगा शामिल : मांडविया

बडगाम। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत 2036 तक दुनिया के शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में शामिल होगा और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में अपनी जगह बना लेगा। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खेल प्रशासन को अधिक सुव्यवस्थित किया है और देश में एक संगठित खेल ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ओमपोरा में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 30-बिस्तर वाले अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद कहा सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दे रही है।

भारतीय पुरुषों ने कनाडा को हराया

होर्सेंस (डेनमार्क)। लक्ष्य सेन को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा लेकिन आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने जीत दर्ज की जिससे 2022 के चैंपियन भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप फाइनल्स के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा पर 4-1 से शानदार जीत हासिल की। हालांकि महिला वर्ग में भारत को निराशा हाथ लगी। उबेर कप फाइनल के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में भारत मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गया। लक्ष्य सेन को शानदार प्रयास के बावजूद दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 18-21, 21-19, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जोनाथन बिंग त्सान लाई व केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

आत्मसम्मान बचाने उतरेगी महिला टीम

जोहान्सबर्ग। पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला गंवाने के बावजूद भारत के पास शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बहुत कुछ दांव पर होगा, जिसमें अपनी प्रतिष्ठा बचाना, लय वापस पाना और इस प्रारूप के आगामी विश्व कप के लिए रणनीति तय करना शामिल है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही पांच मैचों की इस शृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है और टीम का लक्ष्य इस अभियान को जारी रखते हुए सूपड़ा साफ करना है।

रॉयल्स की नजरें सनराइजर्स के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने पर

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो उसकी कोशिश अपने घरेलू मैदान पर दबदबा कायम रखने के साथ-साथ दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले का हिसाब बराबर करने की भी होगी।

यह मुकाबला आईपीएल के इस चरण में बेहद अहम माना जा रहा है, जहां दोनों टीमें जरूरी अंक हासिल करने की कोशिश में होंगी। सनराइजर्स ने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की शानदार गेंदबाजी के बूते दोनों टीमों के बीच 13 अप्रैल को खेले गए पहले चरण के मुकाबले को 57 रन से जीता था। रॉयल्स ने हालांकि उस हार से उबरते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 40 रन की जीत से अच्छी वापसी की है। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए चौथे स्थान पर है, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी टीम के लिए खतरा बनी हुई है। रॉयल्स को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में हर विभाग (पावरप्ले, मध्य ओवर और आखिरी ओवर) में संघर्ष करना पड़ा था, और टीम इस बार माकूल जवाब देने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां इशान किशन और हेनरिक क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। हिंगे और साकिब दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है। रॉयल्स की टीम मध्यक्रम की बल्लेबाजी को छोड़कर लगभग हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के नाम सात मैचों में पांच जीत हैं। उनकी बल्लेबाजी की रीढ़ युवा खिलाड़ियों पर टिकी है।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद : ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिम्रोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रविंद्र जड़ेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नंद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा।

अभ्यास सत्र के दौरान सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषक शर्मा। एजेंसी

दिल्ली के सामने अपराजेय पंजाब की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने के लिए शनिवार को यहां होने वाले मुकाबले में तालिका में शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 47 रन से हार का सामना करने वाली दिल्ली के लिए वापसी की राह काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसके लिए उसके ज्यादातर खिलाड़ियों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ दिल्ली फिलहाल अंकतालिका के छठे स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स छह मुकाबलों में 11 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। उनका एकमात्र अंक तब गया था जब कोलकाता में मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी में अस्थिरता रही है। केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने कुछ पारियों में योगदान दिया है, लेकिन पूरी टीम एक साथ प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल से भी उम्मीद की जा रही है कि वह बल्ले और रणनीति दोनों में अधिक जिम्मेदारी निभाएं।

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल और पथुम निसांका। एजेंसी

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, कूपर कोनोली, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन इ्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद।

सचिन ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन

मुंबई। भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार को अपना 53वां जन्मदिन अपने घर पर परिवार और विभिन्न आयु वर्ग के प्रशंसकों की मौजूदगी में मनाया। इस मौके पर उनकी पत्नी अंजलि भी उनके साथ मौजूद रहीं। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अपने आवास पर पहुंचे प्रशंसकों की तालियों और उत्साह के बीच केक काटा। उन्होंने इस दौरान अपनी तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनी एक छोटी बच्ची को देखकर उसे गोद में भी उठा लिया, जिससे माहौल और भावुक हो गया। तेंदुलकर ने इससे पहले दिन की शुरुआत में सोशल मीडिया पर अपनी मां, पत्नी अंजलि और अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा मेरी सुबह की परफेक्ट शुरुआत आई (मां), अंजलि और इस शरारती के साथ हुई। इससे बेहतर क्या हो सकता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेंदुलकर के जन्मदिन के मौके पर आयोजित लीजेंड्स क्लब कार्यक्रम के दौरान उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

पत्नी अंजलि तेंदुलकर और फैंस के साथ जन्मदिन मनाते सचिन तेंदुलकर। एजेंसी

दी सफाई

मुंबई इंडियंस की लगातार हार पर बोले मुख्य कोच महेला जयवर्धने, थकान की आशंकाओं को किया खारिज

मुंबई को आत्मविश्वास, एकाग्रता व अनुशासन की जरूरत

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप में खेलने के कारण लेकर थकान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि टीम लय और आत्मविश्वास हासिल करने पर ध्यान दे रही है।

मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा पिछले महीने आईसीसी टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, जबकि मिचेल सैंटेनर ने इस विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई की थी और अनुभवी क्विंटन डिकॉक दक्षिण अफ्रीका टीम के अहम सदस्य थे। मुंबई इंडियंस को बृहस्पतिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। यह टीम की सात मैचों में पांचवीं हार थी।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव सात मैचों में 156 रन ही बना सके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह (2 विकेट) और तिलक वर्मा (181 रन) भी एक पारी को छोड़ दे तो खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, "मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी खुद भी थकान को कारण मानेंगे। हमें लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, "हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

इस बीच न्यूज़ीलैंड के टी20 कप्तान मिचेल सैंटेनर को चोट के बाद स्कैन के लिए भेजा गया। उन्हें डाइव लगाकर कैच लेने के दौरान सिर, गर्दन और कंधे में चोट लगी थी। उनकी जगह कंकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में शार्दुल ठाकुर को बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। जयवर्धने ने कहा उसके सिर पर पहले चोट लगी, फिर गर्दन और कंधे पर। मैदान से वापस आने के बाद उसे चक्कर आने लगे, इसलिए उसने स्कैन करवाया। सैंटेनर ने डगआउट में कंधे के लिए बर्फ रखी थी, लेकिन उसे लगा कि उसकी हालत स्थिर नहीं है, इसलिए हम उसे स्कैन के लिए ले गए।

चेहरे पर हाथ रखकर अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं : अकील हुसैन

चेन्नई सुपरकिंग्स की जीत में 17 रन पर चार विकेट लेकर अहम योगदान देने वाले अकील हुसैन ने कहा कि चेहरे पर हाथ रखकर उनके अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं है। हर खिलाड़ी का अपना एक तरीका होता है। नूर अहमद का एक तरीका है, कुछ फुटबॉल खिलाड़ियों के भी अपने तरीके होते हैं, तो मैंने बस यही चुन लिया। इसके पीछे ज्यादा कुछ नहीं है, यह सिर्फ छोटी-छोटी सफलताओं का जश्न मनाने का तरीका है। हुसैन ने आगे कहा उन्हें पता था कि मुंबई के पास केवल पांच गेंदबाज हैं। उन्हें आखिरी ओवरों में एक ऐसे गेंदबाज का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसका शुरू में ज्यादा उपयोग नहीं हुआ था।